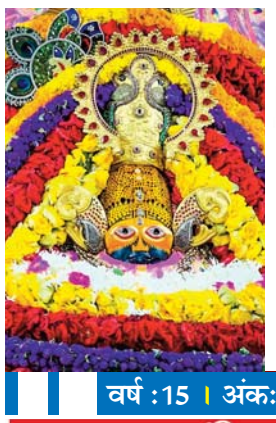

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:226। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (बुधवार) 08 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर पुलिस की बड़ी कामयाबी: लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क का भंडाफोड

•दो पाकिस्तानी आतंकियों समेत पांच गिरफ्तार

एजेंसी

सोनीपत। श्रीनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में दो पाकिस्तानी आतंकियों सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक सुनियोजित अभियान के तहत राजस्थान और हरियाणा सहित कई राज्यों में कुल 19 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस को मॉड्यूल से जुड़े कई आपत्तिजनक और महत्वपूर्ण सबूत भी बरामद हुए हैं। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

असम पुलिस का पवन खेड़ा के घर छापा

•हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी ने दर्ज कराई थी एफआईआर

एजेंसी

नई दिल्ली । असम पुलिस की टीम कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली आवास पर पहुंच गई है। यह कार्रवाई असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा सोमवार को दर्ज कराई एफआईआर के बाद की गई। पवन खेड़ा ने हिमंता बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी पर विदेशों में संपत्ति रखने, विदेशी पासपोर्ट रखने और वित्तीय लेन-देन में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। दरअसल, पवन खेड़ा ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि चुनावों के बाद हिमंता और उनकी पत्नी क्या फरार होने वाले हैं? उन्होंने आरोप लगाया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास यूएई, एंटीगुआ और मिस्र के पासपोर्ट हैं और उन्होंने विदेशों में संपत्तियां छिपाई हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक अमेरिकी कंपनी के साथ वित्तीय संबंधों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने की मांग भी की थी। इसके बाद हिमंता बिस्वा सरमा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पवन खेड़ा के आरोपों का जवाब दिया। सरमा ने कहा कि कांग्रेस ने उनकी पत्नी के नाम पर फर्जी पासपोर्ट और कंपनी रिकॉर्ड प्रसारित कर एक नया निचला स्तर छू लिया है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यह मामला आपराधिक साजिश के तहत गंभीर कानूनी परिणाम ला सकता है और अगर आवश्यक हुआ तो पवन खेड़ा को आजीवन कारावास का सामना भी करना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा था कि कांग्रेस द्वारा पेश किए गए दस्तावेजों में कई स्पष्ट विसंगतियां हैं और इस पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

•पश्चिम बंगाल चुनाव

2.4 लाख अर्धसैनिक जवानों की सबसे बड़ी तैनाती, सख्त निगरानी जारी

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं। राज्य में अब तक की सबसे बड़ी अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है, जिससे चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया जा सके। राज्य में करीब 2,400 अर्धसैनिक कंपनियों के जवान तैनात किए गए हैं। इनकी कुल संख्या लगभग 2,40,000 बताई जा रही है। खास बात यह है कि यह तैनाती पिछले चुनाव के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है, जो इस बार सुरक्षा को लेकर प्रशासन की गंभीरता को दर्शाती है। इतना ही नहीं, इस बार महिला सुरक्षा कर्मियों की भी रिकॉर्ड संख्या में तैनाती की गई है। जानकारी के मुताबिक, करीब 20,000 महिला अर्धसैनिक जवान, यानी लगभग 200 कंपनियां, चुनाव ड्यूटी में लगाई गई हैं। सूत्रों का कहना है कि विभिन्न एजेंसियों, जिनमें चुनाव आयोग भी शामिल है, ने गृह मंत्रालय को महिला सुरक्षाकर्मियों की अधिक आवश्यकता के बारे में बताया था। इसके बाद ही इतने बड़े स्तर पर महिला बलों की तैनाती का फैसला लिया गया।

ईवीएम पर सवाल बेबुनियाद

•लोकतंत्र में जनता तय करती है सत्ता : रामदास अठावले

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा चुनाव आयोग और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उठाए गए सवालों पर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ईवीएम कोई नई व्यवस्था नहीं है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। मंगलवार को कोलकाता पहुंचे अठावले ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि ईवीएम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं लाए थे, बल्कि यह व्यवस्था कई वर्षों से देश में लागू है और इसकी शुरुआत कांग्रेस की सरकार के समय हुई थी।उन्होंने कहा कि पहले मतपत्रों की गिनती में काफी समय लगता था, जबकि ईवीएम के उपयोग से मतगणना की प्रक्रिया तेज और पारदर्शी हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि ईवीएम में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं है और चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ कराए जाने चाहिए। अठावले ने यह भी कहा कि वर्ष 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को भारी जनसमर्थन मिला था और उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी नेताओं ने उन्हें जीत की बधाई दी थी।

प्रधानमंत्री ने वियतनाम के नए राष्ट्रपति तो लाम को बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को वियतनाम के राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होने पर तो लाम को हार्दिक बधाई दी। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि नए राष्ट्रपति के नेतृत्व में भारत और वियतनाम के बीच मित्रता और मजबूत होगी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि वह दोनों देशों और क्षेत्र के लोगों की प्रगति और समृद्धि के लिए राष्ट्रपति तो लाम के साथ मिलकर काम करने को लेकर आशान्वित हैं। उन्होंने कहा कि भारत और वियतनाम के बीच संबंध भविष्य में और अधिक सुदृढ़ होंगे तथा सहयोग के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे।

घुसपैठियों की हो चुकी है पहचान: शाह

•घुसपैठियों को चुन-चुनकर देश से करेंगे बाहर: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी

गुवाहाटी । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को असम के श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही राज्य को अवैध घुसपैठ से बचा सकती है और इसकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित कर सकती है। अमित शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'भाजपा की सरकार बना दीजिए। हमने घुसपैठियों को चिह्नित करके रखा है। अब बारी है एक-एक करके इन्हें चुन-चुन कर बाहर करने की। केवल भाजपा ही है जो करीमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि कर सकती है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस है जो घुसपैठियों के सहारे सत्ता हासिल करना चाहती है। मैं आज यहां से कहकर जाता हूं, राहुल गांधी कान खोलकर सुन लीजिए, हम असम को घुसपैठिया बहुल नहीं बनने देंगे। जिनकी जड़ें इटली में हो उनको श्रीभूमि का मतलब क्या मालूम होगा।

> •केवल भाजपा ही है जो करीमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि कर सकती है।

प्रधानमंत्री ने असमिया और बांग्ला भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का काम किया है।' गृहमंत्री ने कहा, 'हम सीएए की बात करते हैं तो कांग्रेस विरोध करती है। कांग्रेस पार्टी ने षड्यंत्र के साथ इस क्षेत्र को घुसपैठिया बहुल क्षेत्र बनाने का प्रयास किया। वोट बैंक की गंदी राजनीति कर उन्होंने 1950 के इमिग्रेंट एक्ट को समाप्त कर दिया। गोपीनाथ यह एक्ट लेकर आए थे। कांग्रेस ने 1983 में आईएमडीटी एक्ट पास कर घुसपैठियों को यहां शरण देने का काम किया। असम, बंगाल और त्रिपुरा तीनों जगह भाजपा-एनडीए सरकार बनने के साथ ही घुसपैठ बंद होगी। चुन-चुन कर हम घुसपैठियों को देश के बाहर करेंगे। ये घुसपैठिये हमारे युवाओं के रोजगार, गरीबों के राशन और चाय बागान के मजदूरों की मजदूरी छीनने का प्रयास कर रहे हैं। इन्हें देश के बाहर निकालने का काम भाजपा सरकार करेगी। 'अमित शाह ने कहा, 'जब से राहुल गांधी कांग्रेस के नेता बने हैं, सभी कांग्रेस नेताओं का सार्वजनिक स्तर नीचे हो गया है। अभी दो दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि गुजरात और जो प्रांत भाजपा का समर्थन करते हैं वे अनपढ़ हैं। कांग्रेसियों को शर्म आनी चाहिए। जिस गुजरात ने दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, विक्रम साराभाई और पीएम मोदी जैसे नेता दिए, उस गुजरात को आप अनपढ़ कह रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि आरएसएस और भाजपा सांप हैं, इन्हें मार देना चाहिए। मैं खड़गे को कहना चाहता हूं कि मंच पर चढ़कर देखिए, हजारों की संख्या में भाजपा और आरएसएस के लोग खड़े हैं। यह लोकतंत्र की भाषा नहीं है। '

टीएमसी का कुशासन समाप्त होने वाला है : राजनाथ सिंह

•ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की हालत को किया बदतर: केंद्रीय रक्षामंत्री

एजेंसी

बैरकपुर । पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रचार की कमान संभाली। रक्षा मंत्री ने बैरकपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए टीएमसी पर जमकर निशाना साधा और अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। राजनाथ सिंह ने कहा, 'अब यह निश्चित है कि तृणमूल कांग्रेस और उसके कुशासन का युग समाप्त हो रहा है और भारतीय जनता पार्टी यहां सत्ता में आएगी। भाजपा की सरकार बनने के बाद बंगाल को सशक्त और विकसित बनाएंगे। भाजपा की सरकार आएगी तो बंकिम बाबू के घर को टूरिस्ट स्पॉट बनाया जाएगा, जहां लोग उनके इतिहास को देख पाएंगे।' राजनाथ सिंह ने कहा, 'बंकिम चंद्र के 'वंदे मातरम' के माध्यम से उन्होंने पूरे देश को याद दिलाया कि भारत कितना महान था, कितना महान है और कितना महान हो सकता है। अगर किसी ने इस जागरूकता को फैलाने का काम किया है, तो वह बंकिम चंद्र ही थे। बंकिम चंद्र ने 'वंदे मातरम' गीत के माध्यम से भारत की भावना को प्रेरित किया। जब देश अंधकार में डूबा हुआ था, तब कुछ लोगों ने छोटे-छोटे दीपक जलाए, लेकिन बंकिम चंद्र ने सिर्फ एक दीपक नहीं जलाया, उन्होंने पूरे देश में क्रांति की चिंगारी प्रज्वलित की।' राजनाथ सिंह ने कहा, 'पहले पश्चिम बंगाल के लोग हर मामले में आगे रहते थे, लेकिन अब टीएमसी की सरकार में लगातार पिछड़ता जा रहा है। भारत का हर राज्य निवेश में आगे जा रहा है, लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ऐसा होने नहीं दे रही हैं। हर राज्य में उद्योगों को बढ़ावा मिल रहा है, जबकि बंगाल में पहले स्थापित फैक्ट्रियां भी बाहर जा रही हैं। पश्चिम बंगाल में उद्योगपति निवेश करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने ममता बनर्जी से सवाल पूछते हुए कहा-

'आप तीन बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए क्या किया है? लोगों पर अत्याचार किया है और विकास को अवरुद्ध किया है। तीन बार कार्यकाल के बाद पश्चिम बंगाल के हालत को बद से बदतर कर दिया है।'

खरगे ने असम के लोगों को याद दिलाई गारंटी

•बोले- राज्य के सभी वर्गों को मिलेगा लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने असम के लोगों को पार्टी के घोषणापत्र में दी गई गारंटियों की याद दिलाई है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों, नौजवानों, महिलाओं, छोटे कारोबारियों और चाय बागानों के मजदूरों समेत सभी वर्गों को लाभ मिलेगा।

खरगे ने एक्स पर अपने '5 प्रतिश्रुति' अभियान को साझा करते हुए कहा कि कांग्रेस असम के लोगों को न्याय और राहत देने के लिए ठोस कदम उठाएगी। जुबिन गर्ग को 100 दिन में न्याय दिलाया जाएगा। साथ ही महिलाओं के बैंक खातों में बिना शर्त नकद हस्तांतरण किया जाएगा और व्यवसाय शुरू करने या बढ़ाने के लिए उन्हें 50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने घोषणा की कि हर परिवार को 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। असम के 10 लाख भूमिपुत्रों को स्थायी जमीन पट्टा दिया जाएगा और वरिष्ठ नागरिकों को हर महीने 1,250 रुपये की पेंशन दी जाएगी। खरगे ने कहा कि ये गारंटियां राज्य के सामाजिक और आर्थिक ढांचे को मजबूत करने के लिए हैं और सभी वर्गों को सीधा लाभ पहुंचाएंगी।

बहुजन उद्यमियों को बड़े सार्वजनिक ठेकों से रखा गया दूर : राहुल गांधी

•दरअसल, राहुल गांधी ने लोकसभा में एक प्रश्न (अतारांकित प्रश्न संख्या 6264) उठाया था

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत में सार्वजनिक निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर के ठेकों में दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के उद्यमियों को शामिल करने को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि पिछले साल 16,500 करोड़ रुपए के सार्वजनिक निर्माण ठेकों में कितने ठेके दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के व्यवसायों को मिले, इसका पता लगाने की कोशिश की तो जवाब बहुत चिंताजनक मिला। सरकार के पास इसका कोई डाटा ही नहीं है। दरअसल, राहुल गांधी ने लोकसभा में एक प्रश्न (अतारांकित प्रश्न संख्या 6264) उठाया था, जिसमें पिछले पांच साल में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा दिए गए सार्वजनिक निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर ठेकों की कुल संख्या और मूल्य की जानकारी मांगी गई थी। साथ ही यह भी पूछा गया कि कितने ठेके एससी/एसटी और ओबीसी स्वामित्व व्यवसायों को दिए गए और क्या सरकार ने 4 प्रतिशत का लक्ष्य पूरा किया, जो एससी/एसटी स्वामित्व उद्यमों के लिए तय किया गया है। राहुल गांधी ने यह भी पूछा कि क्या ओबीसी स्वामित्व व्यवसायों के लिए भी ऐसा लक्ष्य बनाने की योजना है। इस सवाल के जवाब में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने बताया कि कुल ठेकों का डाटा तो उपलब्ध है, लेकिन एससी/एसटी और ओबीसी स्वामित्व वाले व्यवसायों को दिए गए ठेकों का कोई मौजूदा ट्रैकिंग सिस्टम नहीं है। इसका कारण यह बताया गया कि निर्माण ठेकों के लिए यह ट्रैकिंग अनिवार्य नहीं है।

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की नीति कहती है कि लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से कम से कम 25 प्रतिशत सार्वजनिक खरीद होनी चाहिए, जिसमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के स्वामित्व वाले व्यवसायों के लिए 4 प्रतिशत शामिल है, लेकिन सबसे बड़े और मुनाफेदार ठेकों यानी सार्वजनिक निर्माण के ठेकों में सरकार कहती है कि यह अनिवार्य नहीं है।

मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष बनने लायक नहीं : रविशंकर प्रसाद

देश की जनता से मांगें माफी : रविशंकर प्रसाद

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद और शहजाद पूनावाला ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित पूरी पार्टी पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा, 'क्या कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने सारी मर्यादा त्याग दी है? जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, मौलाना आजाद, सोनिया गांधी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और यहां तक ??कि राहुल गांधी जैसे दिग्गज इस पद पर रह चुके हैं। जबकि, आज इस पद पर बैठे खड़गे के बयान न केवल अपमानजनक हैं, बल्कि बेशर्मी भरे और बेहद निंदनीय भी हैं। एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष द्वारा पूरे राज्य की आबादी को 'अशिक्षित' कहना, इसका क्या अर्थ है? आज अपनी पार्टी के राष्ट्रीय मंच से मैं कुछ गंभीर सवाल उठाना चाहता हूं।

मल्लिकार्जुन खड़गे बताएं, क्या महात्मा गांधी अशिक्षित थे? क्या सरदार पटेल अशिक्षित थे? क्या मोरारजी देसाई अशिक्षित थे? क्या विक्रम साराभाई अशिक्षित थे?' रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'जिस तरह राहुल गांधी होमवर्क नहीं करते हैं, उसी तरह अध्यक्ष का भी हाल है। गुजरात की साक्षरता दर 82 प्रतिशत है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में सुधार हुआ है। क्या आप सिर्फ इसलिए कुछ कहेंगे क्योंकि आप प्रधानमंत्री मोदी से नफरत करते हैं? आपको देश से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा माफी की मांग करती है। क्या सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी पार्टी अध्यक्ष के बयान से सहमत हैं? अगर राहुल गांधी में समझदारी है, तो उन्हें इस टिप्पणी से खुद को अलग कर लेना चाहिए और पार्टी प्रमुख से माफी मांगने को कहना चाहिए। उन्होंने बिहार और उत्तर प्रदेश को भी निरक्षर कहा। क्या आप देश को बांटना चाहते हैं? वे कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लायक नहीं हैं। ' इसके अलावा, उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी की निंदा करते हुए सांप्रदायिक तनाव पैदा करने का आरोप लगाया। भाजपा ने कहा, 'क्या आप सांप्रदायिक तनाव पैदा कर रहे हैं? आपने एक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को भड़काकर खुलेआम और बेशर्मी से सांप्रदायिक आग को हवा दी है।

शेरनी हैं ममता बनर्जी: संजय राउत

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने मंगलवार को मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग की थी। संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 'शेरनी' बताते हुए कहा कि उनका रुख पूरी तरह सही है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में उनका प्रभाव बरकरार रहेगा। भाजपा चाहे जो कर ले, इससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। राउत ने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर जीत हासिल करेगी और भारतीय जनता पार्टी राज्य में सत्ता हासिल नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने जिस तरह से केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाई है, वह जनता की भावनाओं को दर्शाता है और बंगाल की जनता उनके साथ खड़ी है।

'स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए मिलकर करें काम'

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश

•प्रधानमंत्री ने लोगों से खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने को कहा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण की सराहना की और सभी नागरिकों को उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने लोगों से खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने को कहा। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम उन सभी लोगों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं, जो दूसरों की सेवा में अथक रूप से समर्पित हैं और एक स्वस्थ पृथ्वी के निर्माण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। हम एक स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। आइए, हम सभी मिलकर स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने और प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए निरंतर कार्य करते रहें।' उन्होंने आगे कहा, 'विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मैं सभी देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। मेरा आग्रह है कि खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास जरूर करें। लाघवं कर्मसामर्थ्यं दीप्तोऽग्निर्मेदसः क्षयः। विभक्तघनगात्रत्वं व्यायामादुपजायते॥

उपराष्ट्रपति, गृहमंत्री समेत कई नेताओं ने दी विश्व स्वास्थ्य दिवस की बधाई

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रैल) के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने मंगलवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अच्छा स्वास्थ्य एक खुशहाल, उत्पादक और समृद्ध समाज की नींव है। हम निवारक स्वास्थ्य देखभाल, संतुलित जीवन शैली और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं तक समान पहुंच को बढ़ावा देकर एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अपने स्वास्थ्य कर्मियों के अथक समर्पण की भी सराहना करें जो करुणा और प्रतिबद्धता के साथ मानवता की सेवा करते हैं। सभी को अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली का आशीर्वाद मिले।गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य एक विकल्प है जिसे हम उचित देखभाल के साथ बनाए रख सकते हैं। सभी पर्याप्त देखभाल, स्वस्थ भोजन की आदतों और नियमित व्यायाम के माध्यम से एक स्वस्थ और मजबूत समाज के निर्माण के लिए खुद को समर्पित कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी से संतुलित आहार, नियमित योग और व्यायाम को अपनाकर स्वस्थ जीवन की दिशा में कदम बढ़ाने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। भाजपा के राष्ट्रीय संयोजक नितिन नवीन ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों को मजबूत करने, जागरूकता बढ़ाने और सभी के लिए संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। एक स्वस्थ समाज एक मजबूत राष्ट्र की नींव है और हम एक स्वस्थ और अधिक लचीला भारत बनाने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे।

ट्रम्प का नया दांव: होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर लगेगा 'टोल टैक्स'

मिडिल ईस्ट में 'बिजनेस डिप्लोमेसी' से खलबली

महानगर मेट्रो

वॉशिंगटन/दुबई। मिडिल ईस्ट में जहां एक ओर युद्धविराम और शांति बहाली की कोशिशें तेज हो गई हैं, वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 'टोल टैक्स' का नया शिगूफा छोड़कर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल मचा दी है। वैश्विक व्यापार के लिए लाइफलाइन मानी जाने वाली होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल वसूलने के ट्रम्प के प्रस्ताव ने दुनिया भर के नेताओं को सोच में डाल दिया है।

क्या है ट्रम्प का 'मास्टर प्लान'?

होर्मुज की खाड़ी में ईरान के बढ़ते वर्चस्व और अक्सर होने वाले तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने का खतरा बना रहता है। इस बीच ट्रम्प ने तर्क दिया है कि यदि इस समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करनी है और आर्थिक स्थिरता बनाए रखनी है, तो टोल वसूलना एक व्यावहारिक कदम है।

ट्रम्प के प्रस्ताव के मुख्य बिंदु:

* **आर्थिक मजबूती:** ट्रम्प का मानना है कि अमेरिका इस तरह के वैश्विक टैक्स ढांचे को लागू करने और प्रबंधित करने में पूरी तरह सक्षम है।
* **अमेरिका फर्स्ट:** इस प्रस्ताव में ट्रम्प की एक 'बिजनेसमैन' वाली छवि साफ झलक रही है, जहाँ वे अमेरिकी हितों और सुरक्षा के बदले राजस्व को प्राथमिकता दे रहे हैं।

दुनिया भर में छिड़ी बहस

होर्मुज जलडमरूमध्य को दुनिया के तेल व्यापार की 'धमनी' कहा जाता है। जानकारों का मानना है कि यदि यहां टोल लगाया गया, तो कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आएगा और लॉजिस्टिक्स लागत कई गुना बढ़ जाएगी।

वैश्विक प्रतिक्रिया

* **समर्थक:** कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यदि टोल से सुरक्षा की गारंटी मिलती है, तो यह व्यापार निरंतरता के लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है।
* **विरोधी:** अंतरराष्ट्रीय समुदाय का एक बड़ा हिस्सा इसे 'समुद्री स्वतंत्रता' के नियमों का उल्लंघन मान रहा है।

महानगर मेट्रो विश्लेषण: शांति की पहल या नया आर्थिक युद्ध?

एक तरफ ईरान के साथ बातचीत से शांति की उम्मीदें जगी हैं, वहीं ट्रम्प के इस 'टोल पैंतरे' ने समीकरणों को पेचीदा बना दिया है। क्या यह ईरान की आर्थिक कमर तोड़ने की कोई नई रणनीति है? या अमेरिका फिर से वैश्विक व्यापारिक मार्गों पर अपना एकाधिकार जमाना चाहता है?

भारत पर असर: भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से आयात करता है। ऐसे में ट्रम्प का यह 'टोल वॉर' आने वाले दिनों में भारत समेत पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौती खड़ी कर सकता है।

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने शाही अंदाज में कालीघाट में मां काली के किये दर्शन

महानगर मेट्रो

कोलकाता। राज्य में विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंका जा चुका है। ऐसे में चुनावी प्रचार-प्रसार इस समय पूरे जोरों पर है। इसी माहौल के बीच, बॉलीवूड अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत मंगलवार दोपहर को कोलकाता पहुँची। कोलकाता में पहुंचते ही अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना ने कालीघाट मंदिर में जाकर मां काली की पूजा-अर्चना की। हल्के गुलाबी रंग की साड़ी पहने, जिसके किनारे चौड़ी नारंगी पट्टी थी, इनके बीच बॉलीवूड अदाकारा भारी गहनों से सजी हुई, कंगना ने सचमुच शाही अंदाज में मंदिर में प्रवेश किया। मां काली की पूजा करने के अलावा, उन्होंने नकुलेश्वर भैरव मंदिर में भी प्रार्थना की।

इस अवसर पर अभिनेत्री ने कहा, मैं हमेशा से शक्ति की उपासक रही हूँ। आज, माँ काली का बुलावा मिलने पर, मैं यहाँ आई हूँ। मैंने पूरे देश के कल्याण के लिए प्रार्थना की। हालाँकि, मैंने विशेष रूप से बंगाल की महिलाओं के लिए प्रार्थना की है, कि मां काली उन्हें संकट से उबारें और उन्हें न्याय मिले। इसके अलावा, मैंने आने वाले चुनावों में भाजपा के लिए अनुकूल परिणाम की भी प्रार्थना की हूं। कंगना ने बंगाल के लोगों के कल्याण की अपनी इच्छा व्यक्त की। हालाँकि, अभिनेत्री ने इस बारे में कोई टिप्पणी करने से परहेज किया कि, क्या वह किसी विशेष व्यक्ति के लिए चुनाव प्रचार करने कोलकाता आई है। बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल के स्टार प्रचारकों की सूची में भाजपा की तरफ से कंगना का नाम भी शामिल किया गया है, इसी के कारण उनका कोलकाता पहुंचने के पीछे का कारण बताया जा रहा है। वह यहां के भाजपा कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाने एवं राज्य में कमल खिलाने का आवेदन करते चुनावी जनसभा में जल्द नजर आ सकती है।

ग्रामीणों ने श्रमदान कर बनाया नदी में दीवार मिट्टी कटाव रोकने के लिए ग्रामीण हुए एकजुट

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव। ग्राम पंचायत आटरा जो की डोंगरगांव से लगा हुआ पंचायत है उनके आश्रित ग्राम है बरारमुंडी पिछले कई सालों से नदी के बहाव के कारण हो रहे मिट्टी कटाव से गांव वाले काफी परेशान हो गए थे ग्रामीणों ने अपनी इस समस्या को लेकर जनपद से लेकर जिला पंचायत विधायक सांसद मंत्री तक का दरवाजा खटखटाया लेकिन हर बार उन्हें राजनीतिक आश्वासन के सिवाय कुछ नहीं मिला अंततः शासन प्रशासन की उपेक्षा से नाराज होकर ग्रामीणों ने श्रमदान एवं निजी चंदे से सुरक्षा दीवार रास्ते के निर्माण का बीड़ा उठाया नदी के कटाव के कारण न केवल मुख्य मार्ग बंद हो गए थे वहीं ग्रामीणों को खेत आने जाने में भी परेशानी हो रही थी खेत धीरे-धीरे नदी में समाहित होने लगी थी यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया तो आने वाले मानसून में यह खेत पूरा क्षेत्र टापू बन सकता है नदी की दिशा बदल सकती है गांव में बाढ़ आने का खतरा भी हो सकता है जन प्रतिनिधि अधिकारियों की उदासीनता के बाद ग्रामीणों ने बिना किसी सरकारी मदद के खुद श्रमदान कर?500000 की लागत से अब तक दीवार निर्माण किया जा चुका है कुछ काम बचा हुआ है जो आने वाले बरसात के पहले तक कर लिया जाएगा ग्रामीणों ने बताया कि कई सालों से हमारे गांव बरारमुंडी नदी किनारे जो कि शिवनाथ नदी किनारे बसे होने कारण लगातार कटाव जारी है इसे रोकने और पचरी निर्माण के लिए कई बार जन प्रतिनिधियों को कई सालों से आवेदन देते आ रहे हैं परंतु किसी भी जन प्रतिनिधियों ने हमारी बातों को गंभीरता से नहीं सुना तब हम लोगों ने गांव वालों की सहयोग से कटाव को रोकने के लिए श्रमदान कर इस काम को पूरा करने का निर्णय लिया हमारी शासन प्रशासन से मांग है कि हमारी समस्याओं का निराकरण कर हमारी मदद करें।

असम से कोलकाता पहुंचे मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी का घोषणा पत्र किया जारी

महानगर मेट्रो

कोलकाता । असम में अपना चुनाव प्रचार खत्म करने के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मंगलवार शाम को कोलकाता पहुंचे। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार की मौजूदगी में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की घोषणापत्र जारी किये. इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार के साथ पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप भट्टाचार्य और पार्टी के कई अन्य नेता मौजूद थे। वर्ष 2016 और 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने वाम मोर्चा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था, लेकिन इस बार, दोनों ही पार्टियां अकेले चुनाव लड़ रही हैं। इस चुनाव में, अधीर रंजन चौधरी बहरमपुर निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। अधीर 30 साल के अंतराल के बाद विधानसभा चुनाव में हिस्सा ले रहे हैं। वहीं, मौसम नूर मालदा के मालतीपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं। भवानीपुर, नंदीग्राम और सिलीगुड़ी की तरह ही, मुर्शिदाबाद में स्थित बहरमपुर में भी इस बार चुनावी माहौल काफी जोश भरा है, जिससे एक कड़े और कांटे के मुकाबले की उम्मीद है। इन चुनावों से पहले, मंगलवार को एक कार्यक्रम में कांग्रेस की तरफ से यह घोषणा पत्र जारी किया गया।

केरल चुनाव 2026: 420 मौतों और मलबे के बीच वायनाड से 'गांधी परिवार' नदारद! आपदा पीड़ित बोले- 'दुख में कोई नहीं, पर वोट पंजे को ही'

महानगर मेट्रो

तिरुवनंतपुरम / वायनाड । केरल विधानसभा चुनाव 2026 का रण अपने अंतिम पड़ाव पर है। दो दिन बाद मतदान होना है, लेकिन कांग्रेस का अभेद्य किला माना जाने वाला वायनाड आज एक अजीब कशमकश में है। एक तरफ भूस्खलन की भीषण त्रासदी में 420 लोगों की जान जा चुकी है और सैकड़ों घर जमींदोज हो गए हैं, वहीं दूसरी तरफ वायनाड की जनता अपनी सांसद प्रियंका गांधी की 'चुनावी बेरुखी' से हैरान है।

भारी बहुमत, फिर भी सक्रियता में 'ढीली' प्रियंका?

उपचुनाव में 4.1 लाख वोटों के विशाल अंतर से जीत दर्ज करने वाली प्रियंका गांधी इस बार चुनावी मैदान में उम्मीद के मुताबिक सक्रिय नजर नहीं आ रही हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो:

* प्रियंका गांधी ने अपनी पहली बड़ी रैली 2 अप्रैल को तिरुवनंतपुरम में की।
* इसके बाद वे सीधे 6 अप्रैल को कन्नूर में दिखाई दीं।

वायनाड के आपदा प्रभावित क्षेत्रों की जनता आज भी अपने प्रतिनिधि की राह देख रही है, लेकिन गांधी परिवार की मौजूदगी यहां केवल 'गेस्ट अपीयरेंस' तक सीमित लग रही है।

पीड़ितों का दर्द; 'मकान टूटे, अपने खोए

वायनाड के उन इलाकों में जहां सिर्फ तबाही के निशान बचे हैं, वहां के लोगों में व्यवस्था के प्रति गुस्सा तो है लेकिन राजनीतिक झुकाव आज भी कांग्रेस की तरफ है।

'हमने अपने घर खो दिए, अपनों को खो दिया। गांधी परिवार संकट के समय यहां सक्रिय नहीं दिखा, लेकिन हमारा भरोसा आज भी कांग्रेस पर ही है।' - एक स्थानीय पीड़ित

7 में से 5 सीटों पर कांग्रेस का दबदबा

जमीनी हकीकत और चुनावी विश्लेषकों की मानें तो वायनाड लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली 7 विधानसभा सीटों में से 5 पर कांग्रेस आज भी बढ़त बनाए हुए है। गांधी परिवार की कम सक्रियता के बावजूद यहां की जनता 'हाथ' के साथ खड़ी दिखाई दे रही है।

महानगर मेट्रो विश्लेषण: क्या केरल सिर्फ कांग्रेस का 'सेफ पैसेज' है ?

वायनाड की जनता की सहानुभूति और वफादारी शायद प्रियंका गांधी की नैया पार लगा दे, लेकिन सवाल यह है कि क्या केरल के लोग केवल वोटों के लिए हैं? गांधी परिवार की यह 'सीजनल' उपस्थिति लंबे समय में कांग्रेस के लिए घातक साबित हो सकती है। वायनाड केवल एक सुरक्षित सीट नहीं, बल्कि उन लोगों की उम्मीद है जिन्होंने सब कुछ खो दिया है। अब देखना यह होगा कि 2 दिन बाद होने वाला मतदान गांधी परिवार को क्या सबक देता है।

सायला में श्रीमाली ब्राह्मण समाज सिवाना द्वारा महालक्ष्मी माता मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओ को आमंत्रित किया

महानगर मेट्रो

कोलकाता/नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की आहट के साथ ही प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा भूचाल आ गया है। चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के हालिया पुनरीक्षण के दौरान राज्य भर से लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। इतनी बड़ी संख्या में नाम कटने को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं और आरोपों का दौर शुरू हो गया है।

क्यों हटाए गए इतने नाम? चुनाव आयोग का तर्क

चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, मतदाता सूची को 'त्रुटिहीन' और 'पारदर्शी' बनाने के लिए यह एक नियमित लेकिन सघन प्रक्रिया थी। नाम हटाने के मुख्य कारण इस प्रकार बताए जा रहे हैं:

* **मृत मतदाता:** बड़ी संख्या में ऐसे नाम शामिल थे जिनकी मृत्यु हो चुकी थी, लेकिन उनके नाम रिकॉर्ड से नहीं हटाए गए थे।
* **दोहरी प्रविष्टि :** कई मतदाता ऐसे थे जिनके नाम एक से अधिक मतदान केंद्रों या जिलों में दर्ज थे। डिजिटल मैपिंग के जरिए इन्हें चिन्हित किया गया।
* **स्थानांतरित मतदाता:** जो लोग स्थायी रूप से बंगाल छोड़कर दूसरे राज्यों में बस गए हैं, उनके नाम भी हटाए गए हैं।
* **डेमोग्राफिक वेरिफिकेशन:** फर्जी दस्तावेजों या बिना पर्याप्त सत्यापन के दर्ज नामों को भी सूची से बाहर किया गया है।

विपक्ष की 'लाल आंख' और सत्ता पक्ष की सफाई

इस 'डिजिटल छंटनी' ने बंगाल में राजनीतिक जंग तेज कर दी है:

* **विपक्ष (भाजपा):** विपक्ष का आरोप है कि पिछले चुनावों में 'फर्जी मतदान' के लिए इन नामों का इस्तेमाल होता था। यह कदम निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी था।
* **सत्ता पक्ष (TMC):** तृणमूल कांग्रेस ने इसे लेकर चिंता जताई है। उनका दावा है कि कई वास्तविक मतदाताओं के नाम भी जानबूझकर हटाए गए हैं ताकि उन्हें मताधिकार से वंचित किया जा सके। पार्टी ने आयोग से इसकी दोबारा जांच की मांग की है।

महानगर मेट्रो विश्लेषण: क्या बदलेगा चुनावी समीकरण?

बंगाल में 91 लाख वोटर्स का हटना कोई मामूली बात नहीं है। यह आंकड़ा हार-जीत के अंतर को पूरी तरह बदलने की ताकत रखता है।

* क्या इस सफाई से चुनावों में पारदर्शिता आएगी?
* या फिर मतदान के दिन लाखों लोग केंद्र पर अपना नाम न पाकर निराश होंगे?

आयोग की सलाह: मतदाता सूची में नाम है या नहीं, इसे जांचने के लिए चुनाव आयोग ने ऑनलाइन पोर्टल और बूथ स्तर के अधिकारियों के पास सुविधा उपलब्ध कराई है। यदि किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलती से कटा है, तो वे निर्धारित समय सीमा के भीतर दोबारा आवेदन कर सकते हैं।

'घर में खाओ, बाहर नहीं!' – हिमंता बिसवा सरमा का बीफ पर बड़ा बयान

क्या यह बीजेपी की नई रणनीति है या व्यक्तिगत सोच ?

महानगर मेट्रो

गुवाहाटी/अहमदाबाद। असम के मुख्यमंत्री और 'हिंदू हृदय सम्राट' कहे जाने वाले हिमंता बिसवा सरमा अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन हाल ही में गौमांस (बीफ) को लेकर दिए गए उनके एक बयान ने देश की राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है। महानगर मेट्रो आज इस बयान की परतों को खोल रहा है ताकि जनता के सामने सच आ सके।

क्या कहा हिमंता बिसवा सरमा ने?

असम विधानसभा और सार्वजनिक मंचों पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने एक व्यावहारिक लेकिन चौंकाने वाला तर्क दिया।

उन्होंने कहा कि 'गौमांस खाना है तो अपने घर के भीतर खाओ, लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर या उन क्षेत्रों में जहाँ हिंदू रहते हैं, वहाँ इसका प्रदर्शन या सेवन नहीं होना चाहिए।'

इस बयान के पीछे उनकी सोच यह है कि धार्मिक सद्भाव बना रहे और किसी की आस्था को ठेस न पहुंचे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जहाँ बहुसंख्यक आबादी गोमाता को पूजती है, वहाँ उनकी भावनाओं का सम्मान अनिवार्य है।

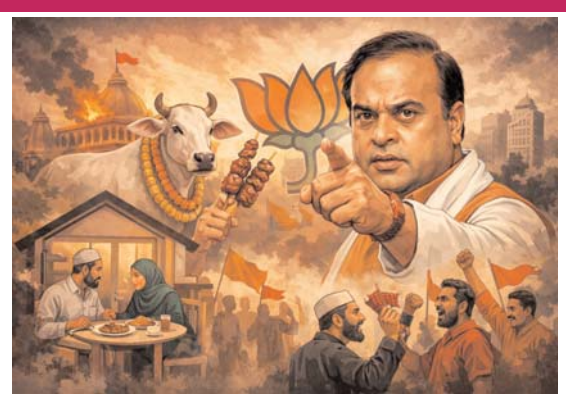

बीजेपी की सोच और राजनीति का नया मोड़

इस बयान को लेकर राजनीतिक गलियारों में खलबली है। लोग पूछ रहे हैं कि क्या यह बीजेपी का दोहरा चेहरा है या फिर एक सोची-समझी कूटनीति?

1. **धार्मिक संवेदनशीलता:** बीजेपी का एक धड़ा इसे 'सांस्कृतिक मर्यादा' के रूप में देख रहा है, जहाँ व्यक्तिगत पसंद को सार्वजनिक मर्यादा के नीचे रखा गया है।
2. सद्भाव का फॉर्मूला: हिमंता सरमा इसे विवाद रोकने का तरीका मान रहे हैं, ताकि सड़कों पर कोई टकराव न हो।
3. **विपक्ष का घेराव:** विपक्षी दल इसे 'दोहरा मापदंड' बता रहे हैं, क्योंकि एक तरफ बीजेपी गौ-रक्षा की बात करती है और दूसरी तरफ घर के भीतर इसके सेवन की छूट की बात हो रही है।

महानगर मेट्रो का कड़ा विश्लेषण:

'हर हर माँ, घर घर खा!' क्या खान-पान की पाबंदी केवल चारदीवारी तक सीमित रहनी चाहिए? हिमंता बिसवा सरमा का यह बयान एक तरफ कट्टर हिंदुत्व की छवि को पुख्ता करता है, तो दूसरी तरफ एक 'लिबरल' समझौता भी पेश करता है। लेकिन सवाल वही है–क्या गोमाता के प्रति श्रद्धा केवल सड़कों पर दिखाने के लिए है या यह हृदय का विषय है?

हमारा स्टैंड : बीजेपी के भीतर हिमंता बिसवा एक ऐसे नेता हैं जो जमीनी हकीकत और धर्म को जोड़ना जानते हैं। उनका यह बयान पूर्वोत्तर की राजनीति के लिहाज से भले ही सही हो, लेकिन हिंदी बेल्ट के राज्यों में इसे लेकर 'जोरदार' मंथन शुरू हो गया है।

सीईओ जिला पंचायत ने विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा की

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने आगामी शुक्रवार एवं शनिवार को संपर्क अभियान चलाकर अपूर्ण कार्यों को पूर्ण कराने कहा तथा पूर्ण हो चुके आवासों का तत्काल सीसी लगाने निर्देशित किया। उन्होंने मिशन जल रक्षा के तहत वर्षा जल का संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण सुनिश्चित करने के लिए वर्षा ऋतु के पूर्व जिले में निर्मित समस्त जल संरक्षण एवं जल संवर्धन संरचनाओं की डिसिल्टिंग, साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में निर्मित इंजेक्शन वेल रिचार्ज संरचना, साप्ट-ग्रे वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट,सामुदायिक सोखता, रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, तालाब, नाला, परकुलेशन टैंक, रिचार्ज पीट सहित अन्य निर्मित एवं प्रस्तावित जल संरचनाओं की नियमित देखरेख करने एवं साफ-सफाई के कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बोरी बंधान कार्य में गति लाने, जल प्रवास रोकर जल संचयन बढ़ाने, घर घर सोख्ता गड्ढ़ा निर्माण करने के लिए कहा। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत प्रत्येक शनिवार को ग्रामों में स्वच्छता त्यौहार मनाने एवं कचरा संग्रहण की निरंतरता बनाये रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छताग्राहियों को प्रोत्साहन राशि नियमित रूप से प्रदाय करने कहा। बैठक में समर्थ पोर्टर अन्तर्गत क्यूआर कोर्ड अथवा ऑनलाईन प्रक्रिया अन्तर्गत कर वसूली की कार्रवाई करने, लंबित कोर्ट प्रकरणों का त्वरित निराकरण कराने निर्देशित किया। सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं मनरेगा के कार्यों में प्रगति लाने एवं कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

260 जिंदगियों का गुनहगार कौन ?

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के पीड़ितों का 'न्याय पत्र' प्रधानमंत्री के द्वारा

जांच की धीमी रफ्तार पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

अहमदाबाद। जब पूरा शहर सोता है, तब कुछ आंखें ऐसी होती हैं जो पिछले 10 महीनों से मींची नहीं गई हैं। ये वो आंखें हैं जिन्होंने अहमदाबाद के आसमान में अपने चहेतों को आग की लपटों में विलीन होते देखा था। हादसा होता है, जांच बैठती है और फिर फाइलें धूल खाने लगती हैं–क्या यही हमारी व्यवस्था की नियति है? आज 'महानगर मेट्रो' उन परिवारों के दिल की तड़प को आवाज दे रहा है, जिन्होंने सरकार से मुआवजा नहीं, बल्कि 'सच' मांगा है।

हमें दौलत नहीं, सच की दरकार है!

हादसे के दस महीने बीत जाने के बाद भी पीड़ित परिवार आज भी अंधेरे में हैं। हाल ही में इन परिवारों ने सीधे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में कोई नफरत नहीं, कोई राजनीति नहीं, बल्कि एक ऐसी बेबसी है जो पत्थर दिल इंसान को भी झकझोर दे। परिवारों ने साफ लफ्जों में कहा है: 'हमें करोड़ों का मुआवजा नहीं चाहिए, वो पैसा हमारे अपनों को वापस नहीं ला सकता। हमें बस ये जानना है कि उन आखिरी लम्हों में आखिर हुआ क्या था? '

ब्लैक बॉक्स का रहस्य कब खुलेगा?

जांच रिपोर्ट के नाम पर अब तक सिर्फ आश्वासन की घुट्टी पिलाई गई है, लेकिन हकीकत क्या है? परिजनों ने सीधे सवाल दागे हैं कि:

* ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर का डेटा सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा?
* अगर सुरक्षा कारणों से डेटा जगजाहिर नहीं किया जा सकता, तो कम से कम पीड़ित परिवारों को बंद कमरे में तो सच बताइए!

* वो कौन सी तकनीकी खामी या मानवीय चूक थी, जिसने एक झटके में 260 हंसती-खेलती जिंदगियों को राख के ढेर में बदल दिया?

जांच नहीं, जज्बाती इंसाफ है

सरकारी फाइलों में यह शायद सिर्फ 'एयर इंडिया विमान हादसा' का एक नंबर होगा, लेकिन उन परिवारों के लिए यह रूह का जख्म है। सच जानना हर नागरिक का हक है, खासकर उनका जिन्होंने अपना सब कुछ गंवा दिया। क्या सिस्टम के पास इतनी संवेदनशीलता बची है कि वह इन बिलखते परिवारों को जवाब दे सके?

महानगर मेट्रो का सवाल:

आखिर क्यों अब तक जांच रिपोर्ट के नतीजों को दबाया जा रहा है? क्या सच इतना खौफनाक है कि उसे बाहर लाने से सत्ता के गलियारे डर रहे हैं? प्रधानमंत्री तक पहुंचा यह 'न्याय पत्र' क्या इंसाफ दिला पाएगा या फिर 'जांच जारी है' के खोखले वादे के नीचे इस सच को भी दफन कर दिया जाएगा?

'नृत्य-संगीत में बसते हैं परमात्मा'

जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरी महाराज

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली (मंडी हाउस)। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को समर्पित 'सितार से सितारों तक' राष्ट्रीय संगीत एवं नृत्य महोत्सव का भव्य आयोजन श्री राम सेंटर, मंडी हाउस, नई दिल्ली में किया गया। यह आयोजन भारत रत्न पंडित रवि शंकर जी की 106वीं जयंती के उपलक्ष्य में कथक धरोहर द्वारा संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि जी महाराज मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। कार्यक्रम का आयोजन प्रसिद्ध सांस्कृतिक कर्मी श्री सदानंद विश्वास जी के नेतृत्व में किया गया, जिन्हें स्वामी जी ने विशेष रूप से आशीर्वाद प्रदान किया और उनके द्वारा भारतीय संस्कृति के संरक्षण हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री विवेक जोशी जी द्वारा किया गया, जिनकी प्रभावशाली प्रस्तुति और संयोजन ने पूरे आयोजन को अत्यंत गरिमामयी बना दिया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने कहा कि 'नृत्य और संगीत केवल कला नहीं, बल्कि साधना, ध्यान और परमात्मा से जुड़ने का माध्यम है। सामवेद स्वयं संगीत और नृत्य से ओतप्रोत है, जो हमारे सनातन जीवन का आधार है।' स्वामी जी ने आगे कहा कि आज जब पूरा विश्व अशांति और संघर्ष से गुजर रहा है, ऐसे समय में संगीत ही वह शक्ति है जो मानवता को जोड़ सकती है, प्रेम का संदेश देती है और विश्व में शांति स्थापित कर सकती है। उन्होंने कहा कि 'भारतीय शास्त्रीय संगीत आत्मा की आवाज है, जो मनुष्य को भीतर से जागृत करता है। इसके बिना जीवन अधूरा है।' स्वामी जी ने विशेष रूप से भारतीय पारंपरिक वाद्य यंत्रों एवं नृत्य विधाओं–सितार, तबला, संतूर, शहनाई, कथक आदि–के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि इन्हें लुप्त नहीं होने देना चाहिए। यह हमारी संस्कृति की आत्मा हैं और आने वाली पीढ़ियों तक इनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वर्तमान समय में बढ़ते पाश्चात्य और पॉप संगीत पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 'ऐसा संगीत क्षणिक आकर्षण तो देता है, परंतु आत्मिक शांति नहीं देता। भारतीय संगीत ही वास्तविक रूप से कर्णप्रिय, आध्यात्मिक और मानवता को जोड़ने वाला है।' कार्यक्रम में देशभर के कलाकारों द्वारा शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें सितार वादन, कथक नृत्य सहित विभिन्न विधाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। अंत में जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने श्री सदानंद विश्वास जी, श्री विवेक जोशी जी एवं पूरी आयोजन टीम को हार्दिक बधाई एवं आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि वे इसी प्रकार भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में निरंतर कार्य करते रहें।

घर की एक छोटी सी चूक और उजड़ गई खुशियां: बाल्टी में गर्म हो रहे पानी ने ली मां-बेटी की जान

महानगर मेट्रो

राजस्थान: कहते हैं दुर्घटना चेतावनी नहीं देती, लेकिन हमारी जरा सी लापरवाही काल बन सकती है। राजस्थान से एक ऐसी ही दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां घर के काम के दौरान हुई एक छोटी सी चूक ने हंसते-खेलते परिवार को मातम में बदल दिया। इलेक्ट्रिक हीटिंग रॉड से पानी गर्म करने के दौरान करंट लगने से 34 वर्षीय महिला और उनकी 3 साल की मासूम बेटी की मौत हो गई।

कैसे घटी यह दर्दनाक घटना?

मिली जानकारी के अनुसार, 34 वर्षीय सरोज अपने घर में काम कर रही थीं। उन्होंने पानी गर्म करने के लिए प्लास्टिक की बाल्टी में इलेक्ट्रिक हीटिंग रॉड लगाकर उसे चालू छोड़ दिया था।

* **मासूम की अनजानी भूल:** खेलते-खेलते सरोज की 3 साल की बेटी दिव्यांशी उस बाल्टी के पास पहुंच गई। पानी में हलचल देख मासूम ने जैसे ही बाल्टी में हाथ डाला, उसे बिजली का जोरदार झटका लगा।
* **बचाने की कोशिश में मां भी हुई शिकार:** बेटी की चीख सुनकर मां सरोज उसे बचाने के लिए दौड़ी। बदहवास मां ने बिना सोचे-समझे बेटी को पकड़कर खींचने की कोशिश की, जिससे करंट की चपेट में वह खुद भी आ गई।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही सब खत्म

चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी तुरंत मौके पर पहुंचे। बिजली की सप्लाई बंद कर दोनों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी; डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद दोनों को 'मृत' घोषित कर दिया। एक साथ दो अर्थियां उठते देख पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

महानगर मेट्रो की अपील: घर में बरतें ये सावधानियां

यह घटना सिर्फ एक खबर नहीं, बल्कि हर उस परिवार के लिए सबक है जो बिजली के उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं।

* **उपकरणों को पहुंच से दूर रखें:** हीटिंग रॉड जैसे खुले उपकरणों का इस्तेमाल बच्चों की पहुंच से बिल्कुल दूर करें।
* **स्विच ऑफ करना न भूलें:** पानी गर्म होने के बाद प्लग निकालने के बाद ही बाल्टी को हाथ लगाएं।
* **अर्थिंग और वायर चेक करें:** पुराने या कटे-फटे तारों का इस्तेमाल जानलेवा हो सकता है। घर में RCCB/ELCB जरूर लगवाएं, जो करंट लगते ही पावर कट कर देता है।
* **निगरानी जरूरी:** जब हीटिंग रॉड चालू हो, तब उस कमरे में बच्चों को अकेला न छोड़ें।

सहने की आदत और सब्र का हुनर: जब खामोशी बन जाती है सबसे बड़ी ताकत

महानगर मेट्रो

लेखक: पवन माकन (ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो)

जिंदगी के सफर में हम अक्सर उन चीजों की तलाश करते हैं जो हमें दुनिया की नजरों में कामयाब बना सकें। लेकिन असल कामयाबी और हुनर वो नहीं जो दुनिया को दिखे, बल्कि वो है जो हमारे भीतर एक शांत समुद्र पैदा कर दे। किसी शायर ने क्या खूब कहा है– 'सहने की आदत ने हमें एक हुनर दे दिया, > किसी से कुछ न मांगें ऐसा सब्र दे दिया...!! '

सहनशीलता: कमजोरी नहीं, एक कला है

आज के दौर में जहां लोग छोटी-छोटी बातों पर उग्र हो जाते हैं, वहां 'सहने की आदत' को अक्सर कमजोरी समझ लिया जाता है। लेकिन असल में, सहना वह हुनर है जो केवल बड़े दिल वाले लोगों के पास होता है। जब आप विपरीत परिस्थितियों को सहना सीख जाते हैं, तो आप दुनिया की कड़वाहट को अपने भीतर सोखकर उसे अनुभव की मिठास में बदलने की कला सीख जाते हैं। यह हुनर आपको टूटने नहीं देता, बल्कि और भी मजबूत बनाता है।

सब्र: मांगने की जरूरत को खत्म कर देता है

इंसान की सबसे बड़ी बेचैनी 'मांगने' से शुरू होती है–चाहे वो किसी की मदद हो, प्यार हो या तवज्जो। लेकिन जब जीवन में 'सब्र' का प्रवेश होता है, तो मांगने की चाहत खुद-ब-खुद खत्म हो जाती है। सब्र का मतलब हाथ पर हाथ धरकर बैठना नहीं है, बल्कि अपनी मेहनत और वक्त पर अटूट विश्वास रखना है। जब इंसान सब्र करना सीख जाता है, तो उसे अहसास होता है कि जो उसके नसीब का है, वह उसे बिना मांगे ही मिलेगा।

स्वाभिमान का दूसरा नाम है सब्र

किसी के आगे हाथ न फैलाना और अपनी मुश्किलों को मुस्कुराकर झेल जाना ही इंसान को भीड़ से अलग करता है। यह सब्र ही है जो हमें आत्मनिर्भर बनाता है। यह हमें सिखाता है कि अपनी लड़ाई खुद लड़नी है और अपने जख्मों पर मरहम भी खुद ही लगाना है। जिस व्यक्ति के पास सब्र की पूंजी है, वह दुनिया का सबसे अमीर इंसान है क्योंकि उसने अपनी शांति के लिए दूसरों की दया पर निर्भर रहना छोड़ दिया है।

बनगांव में चुनाव आयोग पर गरजीं ममता

मतदाता सूची से हटाए गए नामों को फिर से शामिल करवाने ट्रिब्यूनल जाऊँगी

- भाजपा पर भरोसा करना ठीक वैसा ही है, जैसा किंग कोबरा (गोखरू सांप) पर भरोसा करना
- पूर्व खाद्य मंत्री ने अन्य मंत्रियों की तुलना में बेहतर काम किया, वह साजिश के शिकार होकर जेल गये
- चुनाव आयोग को साथ लेकर भाजपा ने साजिश रचकर एक खास समुदाय का नाम मतदाता सूची से हटा दिया
- बंगाल की जनता इस तानाशाही का जवाब चुनाव में अपने मत का प्रयोग कर इस साजिश का जवाब देगी

महानगर मेट्रो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर विभिन्न राजनीतिक पार्टियों का प्रचार जोर शोर से शुरू हो गया है। सभी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने स्टार प्रचारकों को चुनावी मैदान में उतार कर मतदाताओं को रिझाने में जुट गये हैं। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को मतुआ समुदाय का गढ़ माने जाने वाले उत्तर 24 परगना के बनगांव में राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक के लिए चुनाव प्रचार करने पहुंची। यहां चुनावी भाषण में तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को एक तरह से चुनौती देते हुए कहा, मैं मतदाता सूची से बाहर किए गए लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम दोबारा शामिल करने के लिए ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाऊंगी। मैं पूरी कोशिश करूंगी कि, पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने से पहले ही उन सभी लोगों के नाम सूची में वापस आ जाएं। ममता ने चुनाव आयोग पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि, इन्होंने मिलकर एक साजिश रची है, जिसके तहत ये चुनाव खत्म होने के बाद ही इन नामों को दोबारा शामिल करना चाहते हैं। ममता ने कहा, भाजपा पर भरोसा करना ठीक वैसा ही है, जैसा किंग कोबरा (गोखरू सांप) पर भरोसा करना एक समान है।

मतुआओं के गढ़ में गरजीं ममता

ममता ने आगे कहा, मतुआ समुदाय के लोगों से उनके अधिकार छीनने की कोशिश मत करना, अगर आपने ऐसा किया, तो आपको मुझसे ज्यादा मजबूत विरोधी कोई नहीं मिलेगा। चाहे कोई हिंदू हो या मुसलमान या अन्य धर्मों को मानने वाले हैं, इन सभी के अधिकारों का हनन मत करिये। हम इसका बदला जरूर लेंगे और जनता अपने मत का प्रयोग कर इसका मुंहतोड़ जवाब देगी। अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत में ही ममता बनर्जी ने लगभग 91 लाख मतदाताओं को सूची से बाहर किए जाने का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। उन्होंने कहा, ट्रिब्यूनल ने 32 लाख लोगों के नामों को मंजूरी दे दी है, बाकी बचे सभी नामों को मतदाता सूची से काट दिया गया है। मैं खुद ट्रिब्यूनल जाकर, सूची से बाहर किए गए इन नामों को दोबारा शामिल करवाने की मांग करूंगी। मैं इस बात की संभावना तलाश रही हूं कि चुनाव शुरू होने से पहले ही इन नामों को सूची में वापस शामिल करवा लिया जाए। भाजपा एवं चुनाव आयोग ने मिलकर यह साजिश रची है, जिसके तहत ये मतदान खत्म होने के बाद ही इन नामों को दोबारा शामिल करना चाहते हैं। आप निश्चिंत रहें: हम किसी भी हाल में इस राज्य में कोई डिटेंशन कैंप (निगरानी शिविर) नहीं बनने देंगे। बनगांव में अपने चुनावी अभियान के दौरान, ठाकुर परिवार की अंदरूनी राजनीति स्वाभाविक रूप से सबके सामने आ गई। इस बार, यह राजनीतिक समीकरण और भी ज्यादा दिलचस्प हो गया है। बगदा से तृणमूल

चुनावी बिगुल...!

की उम्मीदवार मधुपर्णा ठाकुर हैं, जो ठाकुर परिवार की ही बेटी हैं, जबकि उनकी विरोधी, भाजपा की उम्मीदवार, सोमा ठाकुर हैं, जो इसी परिवार की बहू हैं। इस इलाके में चुनावी प्रचार की जंग अब अपने चरम पर पहुँच चुकी है। राजनीतिक अखाड़े पर ठाकुर परिवार के इस साये को देखते हुए, ममता ने एक कड़ी चेतावनी दी। उन्होने कहा, इस समय ठाकुर परिवार के अंदर ही फूट डालने वाली राजनीति खेली जा रही है। मैं यह बात साफ-साफ कह देना चाहती हूँ कि, इस तरह की चालें चलने से कोई भी नतीजा नहीं निकलने वाला है। अपने भाषण के आखिर में मुख्यमंत्री ने हाथ में ढोल, मंजीरा, और झंडा लिए मतुआ और आदिवासी महिलाओं के बीच घुल-मिल गईं। इस तरह उन्होंने उनकी संस्कृति के साथ अपनी एकजुटता का एक जोरदार संदेश दिया। बनगांव के खैरामारी स्टेडियम में ममता बनर्जी ने एक चुनावी रैली को भी संबोधित किया, जिसमें इस क्षेत्र की पांच विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ रहे तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार भी मौजूद थे।

ममता ने जनसभा में पूर्व खाद्य मंत्री की जमकर की प्रशंसा

सीएम ने राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किये गये हाबरा से निवर्तमान विधायक एवं राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक, जिन्हें लोकप्रिय रूप से 'बालू' के नाम से जाना जाता है, ने जेल में एक साल से अधिक समय बिताया। 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए तृणमूल कांग्रेस ने एक बार फिर बालू पर अपना भरोसा जताया है। इस बार वह फिर से हाबरा सीट से वह चुनाव लड़ रहे हैं। मंगलवार को बारासात में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता ने ज्योतिप्रिय का जोरदार समर्थन किया। उन्होंने कहा, मेरी सरकार में ज्योतिप्रिय ने सबसे अच्छा काम किया है। ज्योतिप्रिय के खिलाफ बड़ी साजिश रची गई थी।

ज्योतिप्रिय को क्यों फंसाया गया? ममता ने चुनाव प्रचार के दौरान इसकी भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, साजिश के तहत ज्योतिप्रिय की प्रतिष्ठा को धूमिल किया गया है। केवल ईर्ष्यावश उनके मंत्री को गिरफ्तार करवाया गया है। जांच एजेंशियों को बालू के खिलाफ सबूत का एक टुकड़ा भी नहीं मिला। साया गया? ममता ने अपने भाषण के दौरान इसकी व्याख्या की। सच तो यह है कि 'भ्रष्ट' (सीपीएम) पार्टी ने फर्जी पहचानों का इस्तेमाल करके 1.5 करोड़ राशन कार्ड बनवा लिए थे। बालू ने ही इस बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया था। ममता ने आगे कहा, बालू ने ही डिजिटल राशन कार्ड लागू करने की मुहिम की अगुवाई की थी। इसी उपलब्धि को लेकर शुद्ध द्वेष और नाराजगी के चलते भाजपा ने इस पॉपुलर मंत्री को फंसाने की साजिश रची। ममता द्वारा ज्योतिप्रिय की प्रशंसा करने को लेकर राजनीतिक जानकारों का मानना है कि, मुख्यमंत्री द्वारा ज्योतिप्रिय की यह तारीफ उन्हें चुनावी जंग में एक अहम बढ़त दिला सकती है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव

टॉलीवुड और बॉलीवुड सितारों वोट मांगने, हाथ मिलाने, सेल्फी लेने आम जनता के बीच

महानगर मेट्रो

कोलकाता, (रफीक अनवर)। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव किया है। सांस्कृतिक दुनिया के लोकप्रिय चेहरों को राजनीति में लाने का उनका रणनीतिक निर्णय आज केवल एक पार्टी रणनीति नहीं है, बल्कि पूरी चुनावी प्रक्रिया में एक मान्यता प्राप्त और व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली प्रवृत्ति है। इस प्रवृत्ति के परिणामस्वरूप, वर्तमान समय का चुनाव अभियान अधिक स्पष्ट, आकर्षक और जन-उन्मुख हो गया है। 2011 के विधानसभा चुनावों में, तृणमूल कांग्रेस ने पहली बार बड़ी संख्या में अभिनेताओं, संगीतकारों और खिलाड़ियों को मैदान में उतारा। यह कदम एक तरफ प्रचार की नई भाषा था, दूसरी तरफ मतदाताओं के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाने की रणनीति थी। ममता बनर्जी समझ गई थीं कि लोकप्रिय संस्कृति के परिचित चेहरे आसानी से आम आदमी तक पहुंच सकते हैं-कुछ ऐसा जो पारंपरिक राजनेताओं के लिए हमेशा संभव नहीं था। इस मॉडल की सफलता को देखकर टीम उसी रास्ते पर चलने लगी। उदाहरण के लिए, भारतीय जनता पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सहित विभिन्न राजनीतिक ताकतें अब नियमित रूप से स्टार उम्मीदवारों को मैदान में उतार रही हैं। नतीजतन, चुनाव अब राजनीतिक बहस तक ही सीमित नहीं है-इसने एक तरह के 'सामूहिक मनोरंजन कार्यक्रम' का रूप ले लिया है। जहां बंगाल के संदर्भ में टॉलीवुड सितारे सबसे अधिक प्रभाव डालते हैं, वहीं राष्ट्रीय स्तर पर

बॉलीवुड चेहरे भी चुनावों में भाग ले रहे हैं। उदाहरण के लिए, देव (दीपक अधिकारी) शताब्दी रॉय, रूपा गांगुली या शत्रुघ्न सिन्हा-ये परिचित नाम मतदाताओं में अधिक रुचि पैदा करते हैं। स्टार उम्मीदवारों की उपस्थिति के साथ चुनाव अभियान बहुत अधिक दृश्य और संवादात्मक हो गए हैं। भीड़ बढ़ती जा रही है। इसे सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है। मतदाताओं के साथ सीधा संपर्क (सेल्फी लेना, हाथ मिलाना, छोटी-छोटी बैठकें) बढ़ रहा है। प्रचार अधिक जीवंत हो गया है क्योंकि सितारे आम तौर पर सार्वजनिक बोलने में निपुण होते हैं। राजनीतिक संदेश भी आसानी से फैल जाते हैं। हालाँकि, इस प्रवृत्ति की बहुत कम आलोचना की जाती है। कई लोगों के अनुसार, लोकप्रियता हमेशा कुशल प्रशासन की गारंटी नहीं देती है। एक अन्य दृष्टिकोण यह है कि राजनीति एक खुला क्षेत्र है-विभिन्न व्यवसायों के लोगों की भागीदारी लोकतंत्र को अधिक विविध बनाती है। कुल मिलाकर, ममता बनर्जी द्वारा दिखाए गए मार्ग ने आज पश्चिम बंगाल की चुनावी संस्कृति को एक नया आयाम दिया है। टॉलीवुड और बॉलीवुड सितारों की सक्रिय भागीदारी ने न केवल चुनाव अभियान को जीवंत बना दिया है, बल्कि इसे और अधिक लोगों के अनुकूल, गतिशील और आधुनिक भी बना दिया है। इस प्रवृत्ति के भविष्य में और मजबूत होने की उम्मीद है, जहां राजनीति और मनोरंजन का मिश्रण अधिक तीव्र होगा। 2011 के चुनावों में, तृणमूल कांग्रेस ने पहली बार अभिनेताओं, संगीतकारों और खिलाड़ियों को मैदान में उतारा। पार्टी ने उस चुनाव में भारी जीत हासिल की, जिससे 34 साल के वाम शासन का अंत हो गया। तब से राजनीति में मशहूर हस्तियों की भागीदारी बढ़ी है। ममता बनर्जी द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलते हुए भारतीय जनता पार्टी और वाम मोर्चे ने भी यह रणनीति अपनाई।

श्रीमद्भागवत कथा जीवन की सार्थकता का प्रेरक उदाहरण

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली (मंडी हाउस)। राओं में आराध्य के नाम पर जो भेद है वह केवल कथित रूप से है। उससे भी ऊपर सार्वभौमिक रूप से भगवान शिव और विष्णु में कोई भेद नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि भगवानों और अवतारों की वह भारत भूमि धन्य है जहां सूर्य भगवान वर्ष भर हर दिन दृश्यमान होते है और अपनी ऊर्जा से सभी को ओतप्रोत करते है। कई देश तो ऐसे है जहां 6 माह दिन होता है और 6 माह की रात होती है। इसलिए भारत भूमि को वंदन है अभिनंदन है। संत अभयदास ने कहा कि यह केवल भारत भूमि है जहां जन्म लेकर अगले पड़ाव यानि मरने के बाद की यात्रा को भी सुनिश्चित किया जा सकता है। यह दर्शन केवल सनातन शास्त्र ही प्रतिपादित करता है। कथा के चतुर्थ दिवस पर वृन्दावन बिहारी की अनुपम झाकिया जिसमे कृष्ण बाल रूप , बाल मुकुंद , नंद बाबा के झांकी , सभी को मनमोहक और मन्त्र मुक्त कर दिया । जिसमे उपस्थित कथा का श्रवण करने वाले भक्त जन देवतुल्य पुरूष एवम मात्र शक्ति कृष्ण प्राकृत्य पर झूमते खेलते गुलाब की पंखुड़ियों उड़ाते , थिरकते पाव मंगल गीत के साथ , भावविभोर होकर , अनुपम होकर दृश्य , जाखोब गंग सरोवर के तठ , आनंद वन्दन में भक्ति मय का माहौल को सम्पूर्ण जिले में भक्ति रस के रूप मे कृष्ण मय हो गया । इस अवसर पर प्रेमाराम बंजारा,गेमाराम परमार,चम्पालाल शर्मा,पहाड़सिंह राव,दिनेश दवे, श्यामलाल दवे, नेनाराम चौहान, श्यामलाल खेतावत,कपूराराम जीनगर,निरंजन व्यास, गुमान सिंह राव,वेलाराम घांची,सुरम सिंह, कालुराम परमार,जगदीश जाट, सालूराम देवासी,बगदाराम , मनोज गुप्ता,पारस घांची, कन्हैयालाल खण्डेलवाल, दिनेश सोनी चाटवाड़ा,ओमप्रकाश खेतावत, संदीप देसाई, अशोक धारीवाल, सुरेश सैनी,भारताराम सुंदेशा, अरविंद बंजारा,पारस बंजारा,भावेश बंजारा,सुन्दर कंवर,राजदुलारी खेतावत,हुआ देवी जाट, मुंगी देवी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संपर्क पोर्टल परिवादों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त: डीएम टीना डाबी

साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश–समयबद्ध निस्तारण, योजनाओं में तेजी और आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त करें

महानगर मेट्रो

टोंक,(पीयूष गौत्तम)। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज आमजन की शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को चेताया कि परिवादों के निपटारे में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने जिला रसद अधिकारी इन्द्रपाल मीणा से एलपीजी, पेट्रोल और डीजल के वितरण एवं स्टॉक की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि घरेलू उपभोक्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति हर हाल में सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो

राज्य बजट में जिले से संबंधित घोषणाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिए कार्यप्रणाली में तेजी लाना जरूरी है। उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को धीमी गति वाले कार्यों में सुधार लाने, दत्तावास में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग को देवली और पचेवर में अटके अटल प्रगति पथ के कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा में कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक वीरेंद्र सिंह सोलंकी को फार्म पौण्ड निर्माण योजना के लक्ष्य पूरे करने के निर्देश दिए गए। वहीं, मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका को मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 में प्रगति तेज करने के लिए कहा गया। स्वायत्त शासन विभाग को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) और स्वच्छ भारत मिशन सहित अन्य योजनाओं की गति बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री विकसित ग्राम एवं शहरी वार्ड अभियान के तहत सभी 11 विभागों को समय पर सूचनाएं फीड करने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम रामरतन सौकरिया, एसीईओ ललित कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मेष ARIES (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)	आज का दिन फायदेमंद रहेगा। सामाजिक दायराबढ़ेगा व मान सम्मान में वृद्धि होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात होगी।
वृष TAURUS (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो)	आज आप खुद को उजार्वान महसूस करेंगे। जीवनसाथी को किसी कार्य में सफलता मिलने से घर में खुशी का माहौल बनेगा।
मिथुन GEMINI (का की कू घ ङ छ के को हा)	आज ऑफिस में काम का प्रेशर थोड़ा बढ़ सकता है। आप कुछ ऐसे मामलों में भी पड़ सकते हैं, जिनका समाधान निकालने में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।
कर्क CANCER (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)	किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा में बदलाव ला सकती है। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट्स को थोड़ी मेहनत करने की जरूरत है।
सिंह LEO (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)	आज कलात्मक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी, धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के नए आसार खुलेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की मदद मिलने से आपको फायदा होगा।
कन्या VIRGO (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)	आज परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। अपने काम के लिये दूसरों को सहमत कराने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। कुछ जरूरी निर्णय आपको फायदा दिला सकते हैं।
तुला LIBRA (रा री रू रे रो ता ती तू ते)	आज परिवार वालों के साथ टाइम स्पेंड करने का मौका मिलेगा। आपकी सभी परेशानियाँ दूर होंगी। किसी काम से थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।
वृश्चिक SCORPIO (तो ना नी नू ने नो या यी यू)	आज तरक्की के कई नए रास्ते नजर आयेंगे, आप पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में सफल होंगे। शाम को बच्चों के साथ समय व्यतीत करेंगे।
धनु SAGITTARIUS (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)	आज व्यापारी वर्ग को धन लाभ होगा, आप बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। इस राशि के सिविल इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल है।	**मकर** CAPRICORN (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)	आज पहले किये गये काम में मेहनत का बेहतर परिणाम हासिल होगा। ऑफिस का खुशनुमा वातावरण आपके मन को उत्साह से भर देगा।
कुंभ AQUARIUS (गु गे गो सा सी सू से सो दा)	आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद रहेंगे। अगर आप किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा।	**मीन** PISCES (दी दु थ झ ञ दे दो चा ची)	आज किसी पुरानी बात को लेकर आप थोड़े परेशान हो सकते हैं, लेकिन शाम तक सब ठीक हो जायेगा। आज घर पर अचानक से कोई मेहमान आ सकता है।

बागी सिपाहियों को सबक सिखाने के मूड में कांग्रेस

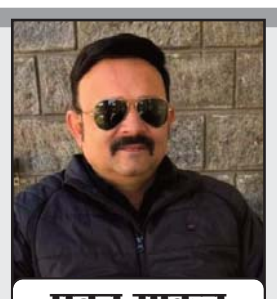

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनावी घमासान बढ़ता जा रहा है। देश की सबसे पुरानी पार्टी का दांव चूंकि दो राज्यों में ही सबसे ज्यादा है, इसलिए उसका सारा ध्यान इन्हीं दो राज्यों पर है। असम और केरल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की स्थिति अलग-अलग है। इसलिए दोनों ही राज्यों में उसकी चुनौतियां अलग हैं, इसलिए उसकी लड़ाई के रूप और तरीके अलग-अलग हैं। हरियाली और समुद्री किनारे के चलते केरल को खूबसूरत राज्यों में शुमार किया जाता है। इस खूबसूरती की ही वजह से केरल को ह्यभगवान का देशह्ल कहा जाता है। बारह साल से केंद्रीय सत्ता से दूर कांग्रेस को उम्मीद भगवान के इसी देश से ही ज्यादा है। पिछले लोकसभा चुनावों में जिस तरह इस राज्य से उसे समर्थन मिला था, उसकी वजह से उसकी उम्मीदों का परवान चढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन यहां उसकी चुनौती भगवान को न मानने वाली विचारधारा से है। केरल की सत्ता पर काबिज जिस वाममोर्चा से विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का मुकाबला है, राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के खिलाफ बने विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस उसी वाममोर्चे के साथ है। स्थानीय स्तर पर विरोध और राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग का विरोधाभास अगर सर्वाधिक शिक्षित राज्य में भारी पड़ सकता है। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में राजधानी तिरूअनंतपुरम में जीत हासिल कर चुकी बीजेपी इस विरोधाभास को खूब उछाल रही है। वैसे तो बीजेपी का दावा है कि इस बार भगवान के देश में भगवा ध्वज फहरने जा रहा है, हालांकि अब तक चुनावी अभियान से साफ है कि बीजेपी को वैसी सफलता मिलती नजर नहीं आ रही। लेकिन बीजेपी का मौजूदा जीन आखिरी दम तक हार नहीं मानने का है। इसलिए पार्टी की कोशिश सीपीएम की अगुआई वाले वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त मोर्चे के विरोधाभास को उजागर करने पर है। पार्टी को लगता है कि देश के इस सर्वाधिक साक्षर राज्य में अगर जनता ने इस विरोधाभास को समझ लिया तो राज्य के चुनावी नतीजे 2017 के उत्तर प्रदेश के परिणामों की तरह आश्चर्यजनक रूप से अपने पक्ष में किए जा सकते है। 2017 में किसने सोचा था कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत हासिल करेगी। इसी कोशिश के तहत अमित शाह केरल की करीब 19 प्रतिशत जनसंख्या वाले ईसाई समुदाय से लगातार संपर्क कर रहे हैं। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, केरल के कुल 3.34 करोड़ निवासियों में से लगभग 61.41 लाख ईसाई हैं, जो मुख्य रूप से मध्य केरल में केंद्रित हैं। पारंपरिक रूप से केरल में यह समुदाय

कांग्रेस का सहयोग करता रहा है, लेकिन बीजेपी की कोशिश इस समुदाय को कांग्रेस से तोड़ने की रही है। हालिया अतीत के कुछ चुनावों में यह समुदाय बीजेपी के साथ खड़ा होता नजर आया है। इसकी वजह यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित लव जेहाद का शिकार केरल में यह समुदाय भी होता रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर इस समुदाय में भी कुछ वैसा ही गुस्सा है, जैसा उत्तर भारत में हिंदू समाज में ऐसा नजर आता है। कांग्रेस का संकट है कि वह वाममोर्चा का विरोध और समर्थन की उलटबांसी की सटीक काट नहीं खोज पा रही है। इस वजह से राज्य का चुनावी मुकाबला लगातार दिलचस्प होता जा रहा है। वैसे बीजेपी जिस तरह की कोशिश करती नजर आ रही है, उससे सबसे ज्यादा संकट में कांग्रेस की संभावनाएँ ही नजर आ रही है। ऐसा लगता है कि बीजेपी की रणनीति कांग्रेस को इस राज्य की सत्ता से दूर रखने की ही है।

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है। जिस तरह उनकी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन-तीन पासपोर्ट हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का आरोप है कि रिन्की भुइयां सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरता, एंटीगुआ और बारबुडा एवं मिस्र का पासपोर्ट है। कांग्रेस ने इसके समर्थन के कुछ दस्तावेजों की कॉपी भी दिखाई है। हालांकि हिमंत विस्वसरमा का कहना है कि कांग्रेस हताशा में है और उनकी ओर से कांग्रेस के नेताओं पर मानहानि का केस दायर करने की भी बात कही जा रही है। कांग्रेस एक तरह से अपने इस पुराने सिपाही को भ्रष्टतम साबित करने की कोशिश में है। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि हिमंत के पास अमेरिका में भी कंपनी है, जिसमें बावन हजार करोड़ रूपए जमा हैं। कांग्रेस का यह आरोप राहुल गांधी के आरोपों का विस्तार ही लगता है। राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले उन्होंने अपने पुराने सहयोगी को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया था। राहुल गांधी उन्हें सत्ता में वापसी के बाद जेल भेजने की बात कहते रहे हैं। कांग्रेस की इन आरोपों के जरिए कोशिश सिर्फ हिमंत को ही सवालों के घेरे में रखना नहीं है, बल्कि बीजेपी को भी भ्रष्टाचार बताने की भी है। वैसे हिमंत भी राहुल गांधी की आलोचना करते रहे हैं। अपने कांग्रेस छोड़ने की वजह वे राहुल गांधी को ही बताते रहे हैं। दोनों के रिश्तों के संदर्भ में मौजूदा आरोपों को देखें तो यह निजी खुन्नस का भी मामला लगता है। हिमंत इन आरोपों को निजी खुन्नस बताने और असम के लोगों को समझाने की कोशिश में लगे हैं। अगर वे इसमें कामयाब रहे तो असम में कांग्रेस की चुनावी संभावना दूर होगी। अगर ऐसा हुआ तो फिर कांग्रेस के लिए उत्तर पूर्व में अपनी मौजूदगी बनाए रखना दूर की कौड़ी हो जाएगा। इसका कारण यह है कि हिमंत पूर्वोत्तर भारत में बीजेपी का चेहरा और संकट मोचक बन चुके हैं। अगर कांग्रेस की कोशिशें कामयाब रहीं तो पूर्वोत्तर में बीजेपी की राह कठिन हो जाएगी। हिमंत की हार उसकी चुनावी संभावनाओं पर बड़ा प्रश्नचिन्ह बनकर उभरेगी। असम पर काबू पाने के लिए कांग्रेस ने अपने हरावल दस्ते के हर हथियार मैदान में उतार दिए हैं। कांग्रेस की कोशिशों को पलीता उसकी प्रेस कांफ्रेंस में ही लगता दिखा, जब राष्ट्रीय मीडिया के एक पत्रकार ने उस कंपनी की वेबसाइट खोलकर उसकी स्थापना के तथ्य कांग्रेस प्रवक्ता के सामने पेश करने शुरू कर दिए, जो कांग्रेस के दावे के ठीक उलट नजर आ रहे थे। इसका माकूल और संतोषजनक जवाब कांग्रेस प्रवक्ता नहीं दे पाए।

असम से सटे पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। वहां तो वह लड़ती भी नहीं दिख रही। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कभी कांग्रेस की सिपाही रहीं। केरल की तरह पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस विरोधाभास से जूझ रही है। राष्ट्रीय स्तर पर वह ममता के साथ है, लेकिन राज्य में उसकी पूरी कोशिश ममता को हिमंत की तरह सबक सिखाने की ही लग रही है। दरअसल राज्य में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। हालांकि 2023 में मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले की सगरदीघी सीट के उपचुनाव में कांग्रेस तृणमूल कांग्रेस को हराकर विधानसभा में अपना खाता खोलने में सफल रही थी। मुस्लिम बहुल विधानसभा में कांग्रेस की जीत से ममता की नींद उड़ गई थी। राज्य के करीब पैंतीस फीसद मुस्लिम वोट बैंक में सेंध का डर उन्हें सताने लगा। इसके लिए उन्होंने ऑपरेशन सगरदीघी शुरू किया और यहां से जीते कांग्रेसी विधायक बायरन विश्वास को तृणमूल कांग्रेस में शामिल करा दिया। कांग्रेस ने इसे विश्वासघात माना और लगता ऐसा है कि वह ममता को इन चुनावों में सबक सिखाने की कोशिश कर रही है। वैसे पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य की ग्यारह मुस्लिम बहुल विधानसभा सीटों पर उसके प्रत्याशी पहले नंबर पर रहे थे। इसलिए कांग्रेस यह मानकर चल रही है कि विधानसभा चुनावों में उसे मुस्लिम वोटरों का साथ मिल सकता है। उसकी पूरी रणनीति इसी लिहाज से आगे बढ़ रही है।

साफ है कि इस बार के चुनावों में कांग्रेस जहां अपने पुराने सिपाहियों को सिखाने की कोशिश में है, वहीं खुद की संभावनाएं बेहतर करने का भी प्रयास कर रही है।

संपादकीय

ट्रंप के बिगड़े बोल

अमेरिका के इतिहास में शायद ही कोई डोनाल्ड ट्रंप जैसा अधीर, अपरिपक्व बयानवीर और व्यापारी सोच का राष्ट्रपति हुआ हो। संयम व गरिमा शब्द उनके शब्दकोश में ही नहीं हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका-इस्त्राइल युद्ध के चरम के बीच उन्होंने जिन अपशब्दों का प्रयोग ईरान के लिये किया, वो उनकी हताशा को ही दशार्ता है। उनके बयानों की पूरी दुनिया के साथ अमेरिका के भीतर भी कड़ी आलोचना हुई है। आज अमेरिका के नागरिक भी सोचते होंगे कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में राष्ट्रपति को इतने निरंकुश अधिकार देना क्या प्रजातंत्र के हित में है? निश्चित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर, अपशब्दों और धार्मिक संदर्भों के साथ तेहरान को दी गई चेतावनी, ट्रंप के आवेगपूर्ण उकसावे के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। एक महाशक्ति के मुखिया द्वारा ऐसी सतही भाषा का प्रयोग न केवल अशोभनीय है बल्कि घातक परिणामों की ओर ले जाने वाला भी है। जाहिरा तौर उनकी धमकियां ईरान को बातचीत की मेज पर लाने के बजाय, उसे और आक्रामक तरीके से जवाबी कार्रवाई करने को उकसाएंगी। दरअसल,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह जताने की असफल कोशिश कर रहे हैं कि मौजूदा युद्ध मध्ययुगीन धर्मयुद्ध का विस्तार है। जिसमें सदियों तक ईसाई और मुसलमान आपस में वर्चस्व के लिये युद्ध करते रहे हैं। उन्होंने राजनीति में धार्मिक भावनाओं का भरपूर इस्तेमाल करते हुए ईरान में मार गिराए गए अमेरिकी फाइटर जहाज के पायलट के बचाव को ह्यईस्टर का चमत्कारह्ल बताने से भी गुरेज नहीं किया। जाहिरा तौर पर पुनरुत्थान और आशा का प्रतीक माने जाने वाले ईसाई धर्मावलंबियों के एक पवित्र दिन का हवाला देना, सैन्य अभियान को नैतिक और दैवीय रंग देने का ही एक असफल प्रयास है। निश्चित तौर पर इस तरह की सतही बयानबाजी एक जटिल भू-राजनीतिक संघर्ष को धार्मिकता की एक सरल कहानी में बदलने का जोखिम पैदा करती है। जो ट्रंप की सैन्य अभियान की तार्किकता सिद्ध करने की विफलता को भी दशार्ती है। यही वजह है कि अमेरिकी सांसदों ने यह पता लगाने के लिये जांच की मांग की है कि क्या धार्मिक मान्यताओं का प्रयोग सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने के लिये किया जा सकता है? निश्चित रूप से उन सांसदों की चेतावनी एक मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांत पर आधारित है, वो है चर्च और राज्य का पृथक्करण का सिद्धांत। उनका तर्क है कि सैन्य निर्णय कानून,रणनीति और जवाबदेही द्वारा निर्देशित होने चाहिए, न कि ईश्वर या बाईबल की भविष्यवाणियों का हवाला देकर। निश्चित रूप से ट्रंप की इन आक्रामक ब्यानबाजियों और कारगुजारियों की कीमत आने वाले वर्षों में अमेरिकियों को चुकानी पड़ सकती है।

चिंतन-मनन

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है।

जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान में आगे बढ़ जाता है। यह शरीर परमात्मा के निदेर्शानुसार प्रकृति द्वारा बनाया गया है और मनुष्य के शरीर के जितने भी कार्य संपन्न होते हैं, वे उसके द्वारा नहीं किए जाते। मनुष्य जो भी करता है, चाहे सुख के लिए करे या दुख के लिए, वह शारीरिक रचना के कारण उसे करने के लिए बाध्य होता है।

नई उम्मीद वाली आप पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों ?

सौरभ वार्ष्णेय

आम आदमी पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक नई उम्मीद जगाई थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से उपजी पार्टी पारदर्शिता, ईमानदारी और जनभागीदारी के वादों के साथ आजादी वाले तेवर के साथ नायक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी जैसे मुख्य मुद्दों पर उल्लेखनीय काम कर लोगों का विश्वास जीता। लेकिन समय के साथ कई ऐसे कारण सामने आए हैं, जिनसे जनता के एक वर्ग में आप पार्टी मोहभंग की स्थिति बनी है। शुरूआत में आपइ ने नई राजनीतिइ का दावा किया था, लेकिन समय के साथ वही परंपरागत राजनीतिक रणनीतियां अपनाने के आरोप लगे। दल-बदल, राजनीतिक समझौते और सत्ता बनाए रखने की प्राथमिकता ने इसके मूल आदर्शों पर सवाल खड़े किए। जिस पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई से शुरूआत की, उसी पर अब विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं। खासकर दिल्ली की शराब नीति को लेकर उठे विवाद ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इससे जनता के बीच भरोसे में कमी आई है। समय-समय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का बाहर होना या निष्कासन, जैसे कि योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण का अलग होना, संगठन के भीतर असहमति और केंद्रीकरण की ओर इशारा करता है। धीरे -धीरे यह नई उम्मीद वाली पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों हैं यह चिंतन का विषय है।

दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और उसके युवा चेहरे राज्यसभा राघव चड्ढा के बीच उभरे विवाद ने फिर एक बार पुरानी बोतल में नई शराब वाली स्थिति व इसको लेकर आम आदमी पार्टी पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला केवल एक व्यक्ति और पार्टी के बीच मतभेद का नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों में अनुशासन, पारदर्शिता और नेतृत्व शैली की भी परीक्षा है। इसका जीता जागता उदाहरण पहले भी सामने आए हैं जिनमें प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास सहित अन्य चेहरे अलग हो गए। कुमार आप पार्टी के वह नेता थे जो अरविंद केजरीवाल के साथ उस दौर से थे जब उन्होंने अपनी नौकरी सहित सब कुछ दांव पर लगाकर साथ दिया था। उनके बाद आम आदमी पार्टी में कई दौर ऐसे आ चुके हैं जिनमें अन्य कद्दावर नेतागण योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इल्मी, आशुतोष, कपिल मिश्रा, अलका लांबा, कैलाश गहलोत, मयंक गांधी, अंजलि दमानिया, सुभाष वारे, आनंद कुमार सहित अन्य नाम भी साथ छोड़ चुके हैं व स्वाति मालीवाल आम आमदी पार्टी को छोड़ चुके हैं। अब एक नाम और शामिल हो रहा है वह हैं राघव चड्ढा, जो कि प्रमुख युवा नेताओं में गिने जाते हैं, कम समय में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच खिंचाव की स्थिति को उजागर मनभेद को उजागर किया है। आरोप-प्रत्यारोप, निर्णय प्रक्रिया में मतभेद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा–ये सभी तत्व इस विवाद को जटिल बनाते हैं।

राजनीतिक दल किसी एक व्यक्ति से बड़े होते हैं। आप ने हमेशा सामूहिक नेतृत्व और पारदर्शिता की बात की है। ऐसे में यदि पार्टी का कोई वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से अलग रुख अपनाता है, तो यह संगठनात्मक अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है। दूसरी ओर, लोकतंत्र में व्यक्तिगत विचारों की अभिव्यक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।आप ने खुद को एक वैकल्पिक और स्वच्छ राजनीति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया था। इस तरह के विवाद पार्टी की उस छवि को धक्का पहुंचा सकते हैं। विपक्ष के लिए यह एक अवसर बन जाता है कि वह पार्टी की आंतरिक एकता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। यह विवाद आप नेतृत्व के सामने एक बड़ी चुनौती भी है–कैसे वे असहमति को संभालते हैं। क्या पार्टी संवाद के जरिए समाधान निकालती है या अनुशासनात्मक कार्रवाई का रास्ता अपनाती है, इससे भविष्य की राजनीति तय होगी। आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच का यह टकराव भारतीय राजनीति के उस व्यापक सच को सामने लाता है, जहां व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। यदि इसे समझदारी और संवाद से सुलझाया गया, तो यह पार्टी को और मजबूत बना सकता है; लेकिन अगर विवाद बढ़ता है, तो इसका असर न केवल पार्टी बल्कि उसकी विश्वसनीयता पर भी पड़ेगा।

आप पर यह आरोप भी लगता रहा है कि पार्टी में निर्णय लेने की शक्ति कुछ लोगों तक सीमित होती जा रही है। इससे सामूहिक नेतृत्वइ की अवधारणा कमजोर पड़ी है हालांकि दिल्ली में कुछ क्षेत्रों में प्रगति हुई है, लेकिन अन्य राज्यों में विस्तार के दौरान आप को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। पंजाब में सत्ता मिलने के बावजूद चुनौतियां बरकरार हैं, जिससे पार्टी की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर असर पड़ा है। आम आदमी पार्टी का उदय भारतीय लोकतंत्र में एक सकारात्मक प्रयोग था, जिसने राजनीति में नई सोच और उम्मीद पैदा की। लेकिन यदि पार्टी को जनता का विश्वास बनाए रखना है, तो उसे अपने मूल सिद्धांतों पर लौटना होगा, पारदर्शिता बढ़ानी होगी और आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना होगा। अन्यथा, आम आदमीइ की उम्मीदों पर खरा उतरने का दावा धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जाएगा।

अगर हम आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसदों पर नजर डाले तो अप्रैल 2026 तक, आम आदमी पार्टी के पास राज्यसभा में 10 सांसद हैं, जो मुख्य रूप से पंजाब और दिल्ली से हैं। हाल ही में हुए बदलावों में, अशोक मित्तल को राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में पार्टी का नया उपनेता नियुक्त किया गया है। अब ऐसे में अगर अरविंद केजरीवाल के पुराने साथियों की बात करें तो अब कुछ ही साथी शेष बचे हैं। ऐसे में क्या पार्टी इस अंतकलह को बचायेगी ? क्या राघव चढ्डा से सुलह हो जायेगा ? आदि ऐसे विषय हैं जिनका हल सिर्फ सिर्फ अरविंद केजरीवाल के पास है।

लेखक जाने माने पत्रकार है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक : मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

ललित गर्ग

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं-मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है।

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे 'हम लोग', 'बुनियाद', 'संजीवनी', 'बालिका वधू', 'उड़ान', 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है। आज समाज में मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। उन्हें ऐसे धारावाहिक और फिल्में बनानी चाहिए जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनने की प्रेरणा दें, सकारात्मक सोच का निर्माण करें, योग, ध्यान, संवाद, परिवार, मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएं। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है।

यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास-बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निमार्ता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छा, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं। इसका

अर्थ है कि समस्या दर्शकों की पसंद में नहीं, बल्कि कंटेंट की दिशा में है। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। उन्हें यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे समाज को संवेदनशील, सकारात्मक और स्वस्थ बना रहे हैं, या केवल मनोरंजन के नाम पर नकारात्मकता, हिंसा और षड्यंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं? मनोरंजन उद्योग केवल उद्योग नहीं है, वह समाज निर्माण का माध्यम भी है।

कोरियन ड्रामा हमें यह सिखाते हैं कि मनोरंजन भी समाज को शिक्षित कर सकता है, प्रेरित कर सकता है, भावनात्मक रूप से परिपक्व बना सकता है और जीवन को समझने की दृष्टि दे सकता है। भारतीय सिनेमा और टेलीविजन यदि इस दिशा में काम करें, तो वे केवल मनोरंजन नहीं करेंगे, बल्कि समाज को बेहतर बनाएंगे। मनोरंजन का सर्वोच्च रूप वही है जो मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाए, जो निराशा में आशा दे, जो टूटते परिवारों को जोड़ने की प्रेरणा दे, जो तनावग्रस्त व्यक्ति को शांति दे, जो जीवन की समस्याओं का समाधान सिखाए। जब भारतीय धारावाहिक और फिल्में इस दिशा में बननी शुरू होंगी, तब मनोरंजन वास्तव में समाज निर्माण का माध्यम बन सकेगा। यही समय की आवश्यकता है और यही भविष्य की दिशा भी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

इंदिरापुरम की जयपुरिया सोसाइटी में 16वीं मंजिल से गिरकर युवती की मौत, चश्मदीद का दावा- फटे थे कपड़े

महानगर मेट्रो

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद में इंदिरापुरम की एक हाईराइज सोसाइटी में मंगलवार को एक दुखद हादसा हो गया। यहां जयपुरिया सनराइज ग्रीन सोसाइटी की 16 वीं मंजिल से गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवती की मौत हो गई। युवती की उम्र करीब 18 साल बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, युवती के परिजन इसी सोसाइटी में कपड़े प्रेस करने का काम करते हैं। परिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी के साथ कुछ गलत हुआ है। घटना को लेकर सोसाइटी में सनसनी फैल गई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन परिजनों और वहां मौजूद लोगों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाने से इंकार कर दिया। युवती के कपड़ों की हालत देखकर उसके साथ कुछ गलत किए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने जब आश्वासन दिया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी, तब जाकर परिजन माने और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। गाजियाबाद के महागुनपुरम में भी कुछ दिन पहले एक एस्ट्रोलोजर की मौत 13वीं से गिरने से हुई थी।

जानकारी के मुताबिक, ये हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ। घटना के वक्त मौजूद स्थानीय निवासी जितेंद्र कुमार ने बताया कि अचानक कुछ गिरने की आवाज सुनकर वह बेसमेंट से दौड़कर सबसे पहले मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने देखा कि करीब 18-19 साल की एक युवती नीचे गिरी पड़ी है। उसकी नाक से खून बह रहा था और वह दम तोड़ चुकी थी।

फटे हुए थे युवती के कपड़े- चश्मदीद

जितेंद्र ने बताया कि युवती के कपड़ों की हालत देख कर लग रहा था कि उसके साथ कुछ गलत करने का प्रयास किया गया हो। उसके कपड़े फटे हुए थे और पेंट भी काफी हद तक उतरी हुई थी। युवती की पहचान सोसायटी में ही कपड़े प्रेस करने वाले व्यक्ति की बेटी के रूप में हुई है। वह यहां कनावनी में अपने परिवार के साथ रहती थी और सुबह ही पिता के साथ सोसाइटी में पहुंची थी। परिवार मूल रूप से यूपी के हरदोई का रहने वाला है।

हादसा या हत्या? जांच में जुटी पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही युवती के परिजन मौके पर पहुंचे। धीरे-धीरे सोसाइटी में लोग भी जमा हो गए और हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने काफी देर तक युवती के शव को मौके से उठने नहीं दिया। लोग मांग कर रहे थे कि उन्हें सोसाइटी की सीसीटीवी फुटेज दिखाई जाए और दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। ये हादसा है या हत्या, फिलहाल कुछ भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है

नई दुल्हन की साड़ी खींची, घर में घुसकर रिश्तेदारों ने सास- बहू से की मारपीट

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। भदोही जिले में रिश्तों के बीच चल रहा पुराना विवाद उस समय हिंसक रूप ले बैठा, जब एक ही परिवार के कुछ लोगों ने घर में घुसकर महिला और उसकी नवविवाहित बहू पर हमला कर दिया. घटना ने इलाके में तनाव का माहौल पैदा कर दिया है. पीड़ित पक्ष का आरोप है कि न सिर्फ मारपीट की गई, बल्कि बहू के साथ अभद्र व्यवहार भी किया गया, जिससे मामला और गंभीर हो गया. यह घटना ऊंज थाना क्षेत्र के मीना बाजार इलाके की है. पुलिस के मुताबिक, बीते गुरुवार शाम को एक ही परिवार के पांच सदस्य कथित तौर पर अपने रिश्तेदार रमेश चंद्र बिंद के घर में घुस आए. आरोप है कि सावित्री, उसका बेटा अनुज और बेटियां आराधना, कंचन और आरती ने घर में मौजूद इसरावती देवी और उनकी बहू पुष्पा के साथ मारपीट की. शिकायत के अनुसार, हमले के दौरान अनुज ने बहू के साथ अभद्रता करते हुए उसकी साड़ी खींची, जिससे वह दहशत में आ गई. अचानक हुए इस हमले से घर में अफरा-तफरी मच गई. शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर दोनों महिलाओं को आरोपियों से बचाया. ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके.

अविमुक्तेश्वरानंद के 'सनातन धर्म संवाद' कार्यक्रम पर एक्शन, आयोजक समेत 3 पर FIR; कोविड रूल तोड़ने का आरोप

महानगर मेट्रो

बस्ती। जिले में आयोजित स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का 'सनातन धर्म संवाद' कार्यक्रम विवादों में घिर गया है. पुलिस ने कार्यक्रम के मुख्य आयोजक व राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत पांडेय और उनके दो अन्य साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है. ये कार्रवाई कार्यक्रम के पांच दिन बीत जाने के बाद हुई है. कोतवाली पुलिस के मुताबिक, यह एक्शन कार्यक्रम में दिए गए भाषणों से सामाजिक सौहार्द बिगड़ने और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित प्रयोग को लेकर लिया गया है. गौर करने वाली बात यह कि प्रशांत पांडेय को कोविड महामारी गाइडलाइन का पालन न करने का भी आरोपी बनाया गया है. इसको लेकर जिला प्रशासन की सोशल मीडिया पर लोग जमकर ट्रोलिंग कर रहे हैं. दरअसल, बीते 29 मार्च को जिले के राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के सानिध्य में 'सनातन धर्म संवाद' का आयोजन किया गया था. इस कार्यक्रम की कमान प्रशांत पांडेय संभाल रहे थे. आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं द्वारा दिए गए कुछ भाषणों की भाषा मर्यादित नहीं थी, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों के बीच वैमनस्यता फैलने की आशंका जताई गई. लेकिन सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि कार्यक्रम के आयोजकों को कोरोना महामारी के गाइडलाइन का पालन न करने का भी आरोपी बनाया गया है.इसको लेकर आरोपी प्रशांत पाण्डेय ने तंज कसते हुए हुए कहा कि देश के कई राज्यों में चुनाव हो रहे हैं और प्रचार-प्रसार भी चल रहा है. पीएम से लेकर सीएम और मंत्री तक बड़ी-बड़ी रैली संबोधित कर रहे हैं मगर वहां कोविड गाइडलाइन का कोई पालन नहीं हो रहा. उन्होंने कहा कि ये FIR सिर्फ और सिर्फ द्वेषपूर्ण तरीके से की गई है. फिर भी हम सभी इसका सामना करेंगे. बता दें कि मामले ने तब तूल पकड़ा जब उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला ने कार्यक्रम के दो दिन बाद एक प्रेस वार्ता के दौरान इस कार्यक्रम और इसके आयोजकों पर सवाल उठाए. उनके कड़े रुख के बाद प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई और अंत में राजनैतिक दबाव में पुलिस ने कोतवाली थाना प्रभारी की तहरीर पर कानूनी शिकंजा कस दिया.

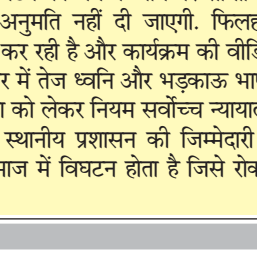

वहीं, इस पूरे मामले में डिप्टी एसपी सदर सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि जिले में कानून व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना प्राथमिकता है. किसी भी व्यक्ति या संगठन को धर्म के नाम पर सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जाएगी. फिलहाल पुलिस मामले की गहनता से विवेचना कर रही है और कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग खंगाली जा रही है.एफआईआर में तेज ध्वनि और भड़काऊ भाषण को आधार बनाया गया है. ध्वनि प्रदूषण को लेकर नियम सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्पष्ट हैं, जिनका पालन कराना स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी है. वैमनस्यता फैलाने वाले भाषण से समाज में विघटन होता है जिसे रोकना प्राथमिकता है.

यूपी के शिक्षामित्रों को इसी माह से मिलेंगे 18 हजार रुपये मानदेय, योगी कैबिनेट ने दी हरी झंडी

महानगर मेट्रो

लखनऊ।उत्तर प्रदेश के शिक्षामित्र की मानदेय में बढ़ोतरी पर योगी सरकार ने बड़ा फैसला ले लिया है। योगी कैबिनेट की बैठक में शिक्षामित्रों के मानदेय की बढ़ोतरी पर मुहर लग गई। अब तक शिक्षामित्रों को हर माह 10,000 रुपये मानदेय मिलता था। योगी कैबिनेट के फैसले के बाद शिक्षामित्र का मानदेय 18,000 रुपये प्रतिमाह मिलना शुरू होगा। कैबिनेट ने इसी माह यानी अप्रैल से ही शिक्षामित्र के बढ़े मानदेय के भुगतान का निर्णय लिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 22 प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसमें मदरसा शिक्षकों की भर्ती परीक्षा आयोग के जरिए करने को लेकर निर्णय लिया गया भर्ती परीक्षा के जरिए होगी।

मंत्री ने दी जानकारी

सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में शिक्षामित्रों का मानदेय 18 हजार रुपये और अंशकालिक अनुदेशकों का मानदेय 17 हजार रुपये करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। शिक्षामित्रों को 10 हजार और अनुदेशकों को 9000 रुपये मासिक मानदेय अब तक दिया जा रहा था। बैठक के बाद प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने प्रस्ताव के बारे में जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का बढ़ा हुआ मानदेय अप्रैल माह से मिलेगा। यानी बढ़ी हुई सैलरी 1 मई से शिक्षामित्रों के खाते में पहुंचेगी।

योगी ने दो बार की वृद्धि

शिक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने दो बार शिक्षामित्रों के मानदेय में वृद्धि की है। योगी सरकार बनने के बाद वर्ष 2017 में शिक्षामित्रों का मानदेय 3500 रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया था। इसे अब 18 हजार रुपये किया जा रहा है। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले ही कर दी थी। मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा हुई और इसे मंजूरी दे दी गई।

योगी कैबिनेट के निर्णय

कैबिनेट की बैठक में कुल 22 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

छात्रों को वितरित करने के लिए 25 लाख टैबलेट की खरीद को भी मंजूरी दी गई। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि अभी तक प्रदेश में 60 लाख स्मार्ट फोन और टैबलेट वितरित किए जा चुके हैं। अब 25 लाख टैबलेट और खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।यूपी सरकार ने 'एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज' योजना के तहत बलिया में मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दी गई। कॉलेज कारागार विभाग की जमीन पर खोला जाएगा। बलिया जिला अस्पताल को मेडिकल कॉलेज के अस्पताल के रूप में मर्ज किया जाएगा। जिला मुख्यालय के पास जमीन चिन्हित कर काम शुरू किया गया है। बुनियादी ढांचा पूरा होते ही यहां एमबीबीएस की 100 सीटों के लिए मान्यता ली जाएगी और शैक्षणिक सत्र शुरू किया जाएगा।

बलिया जिले में ही ट्रॉमा सेंटर और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सुविधा उपलब्ध होगी।प्रदेश में 'डॉ. बी.आर. अंबेडकर मूर्ति विकास योजना' के तहत समाज सुधार में योगदान देने वाले महापुरुषों की सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित मूर्तियों का विकास किया जाएगा। इसके तहत डॉ. अंबेडकर और अन्य समाज सुधारकों की मूर्तियों के आसपास छतरी, बाउंड्री और सौंदर्यीकरण का काम होगा। एक मूर्ति पर लगभग 10 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। प्रत्येक विधानसभा के लिए 1 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा गया है। 14 अप्रैल को योजना की विस्तृत जानकारी जारी होगी।प्रदेश में पाकिस्तान से आए 12 हजार परिवारों को भूमि का अधिकार मिला है। पीलीभीत में 4000, लखीमपुर खीरी में 2350, बिजनौर में 3856 और रामपुर में 2170 परिवारों को भूमि अधिकार दिए जाने की बात वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कही। कैबिनेट बैठक के बाद मंत्री ने कहा कि ये परिवार नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 के तहत भारतीय नागरिकता के पात्र हैं। 50-60 वर्षों से प्रदेश में रह रहे हैं। अब वे अपनी जमीन के मालिक होंगे।सरकार अब 49 बस स्टैंड को पीपीपी मॉडल पर विकसित करेगी। योजना के तहत हर जिले में कम से कम एक बस स्टैंड पीपीपी मॉडल पर बनाया जाए। इससे करीब 4000 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। गोरखपुर में बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय का निर्माण 491.0777 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैंपियरगंज में 50 हेक्टेयर भूमि पर विकसित किया जाएगा।

कन्नौज के छिबरामऊ विधानसभा क्षेत्र में विकासखंड गुगरापुर के गांव चियॉसर के पास गंगा नदी पर चियौसर घाट पर पुल, लिंक रोड और बंधा निर्माण के लिए 288.99 करोड़ रुपये को मंजूरी दी गई। योजना से करीब 4 लाख की आबादी को लाभ मिलेगा।

शिक्षकों के लिए भर्ती प्रक्रिया

योगी कैबिनेट ने सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शिक्षा सेवा चयन आयोग से पूरा कराने का निर्णय लिया है। अब मदरसा शिक्षक बनने के लिए अब परीक्षा देनी होगी। वर्तमान में मदरसा स्तर पर ही शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया को पूरा कराया जाता था। साथ ही मदरसों के संचालन के लिए नई गाइडलाइन तैयार होगी। इसमें मदरसों में भी स्कूलों की तरह 8 घंटे पढ़ाई अनिवार्य होगी। मदरसा प्रिंसिपल, शिक्षकों और बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज होगी। बच्चों का पूरा डेटा रखा जाएगा।

दिल्ली में इन 6 फ्लाईओवर के नीचे का नजारा होगा खूबसूरत, बदलेगी तस्वीर

महानगर मेट्रो

दिल्ली। दिल्ली में अब फ्लाईओवर के नीचे की खाली जगहें नई पहचान के साथ नजर आएंगी। सरकार ने इन जगहों को साफ-सुथरा और आकर्षक बनाने के लिए निजी कंपनियों के साथ मिलकर काम शुरू किया है। यहां हरियाली, बैठने की व्यवस्था, वॉकिंग पाथ और सुंदर दीवार चित्र बनाएं जाएंगे।

फ्लाईओवर का सौंदर्यीकरण

दिल्ली मे फ्लाईओवर के नीचे का नजारा अब बदला-बदला नजर आएगा। अब यहां हरियाली दिखेगी, सेल्फी पॉइंट मिलेगा और वॉक करने के लिए पाथ-वे बनेंगे। जी हां, दिल्ली सरकार फ्लाईओवर के नीचे और आसपास हो रहे अतिक्रमण और गंदगी से निपटने के लिए उन जगहों के रखरखाव की जिम्मेदारी अब कॉरपोरेट घरानों को दे रही है। सीएम रेखा गुप्ता ने सोमवार को ऐसे ही 6 फ्लाईओवर की जिम्मेदारी सीएसआर के तहत डालमिया भारत लिमिटेड, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप और ईजमाय ट्रिप फाउंडेशन को देने के लिए समझौता किया है। कार्यक्रम में पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद रहे।

3 कंपनियों के साथ समझौता

सीएम ने कहा कि सरकार जनहित में कामों को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्राइवेट कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि शहर को और बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि इस समझौते के तहत फ्लाईओवरों के नीचे खाली पड़ी और उपेक्षित जगहों पर हरियाली बढ़ाई जाएगी, दीवारों पर आकर्षक चित्र बनाए जाएंगे, बैठने की सुविधा होगी, साफ-सफाई का अच्छा इंतजाम होगा और लोगों के लिए अन्य सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि यह पहल दिल्ली के शहरी ढांचे को नया स्वरूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फ्लाईओवर के नीचे के खाली जगह का सौंदर्यीकरण न केवल शहर को सुंदर बनाएगा।

किसे मिला कौन सा फ्लाईओवर

ईजमाय ट्रिप फाउंडेशन- अप्सरा बॉर्डर फ्लाईओवर, मयूर विहार फेज-1 फ्लाईओवर

गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप- नेताजी सुभाष पैलेस फ्लाईओवर,डालमिया भारत लिमिटेड- ओबरॉय फ्लाईओवर, लोदी फ्लाईओवर हनुमान सेतु, CM का सफाईकर्मियों को भर्ती, वेतन और सुरक्षा का भरोसा, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर उनसे संवाद किया जिसमें कर्मचारियों के विभिन्न यूनियन के प्रतिनिधि शामिल हुए। संवाद के दौरान सफाई कर्मचारियों की भर्ती और नियमितीकरण का मुद्दा प्रमुख रहा। कर्मचारियों ने कार्यस्थल पर सुरक्षा की कमी, वेतन और सेवा से संबंधित अन्य परेशानियों पर अपनी बात रखी। सीएम ने सफाईकर्मियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। सीएम ने सफाईकर्मियों के प्रतिनिधियों की बातें सुनने के बाद कहा कि दिल्ली सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है।

दो हफ्ते में सुलझेंगे पुलिस थानों में CCTV से जुड़े सभी मुद्दे

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र ने दिलाया भरोसा

महानगर मेट्रो

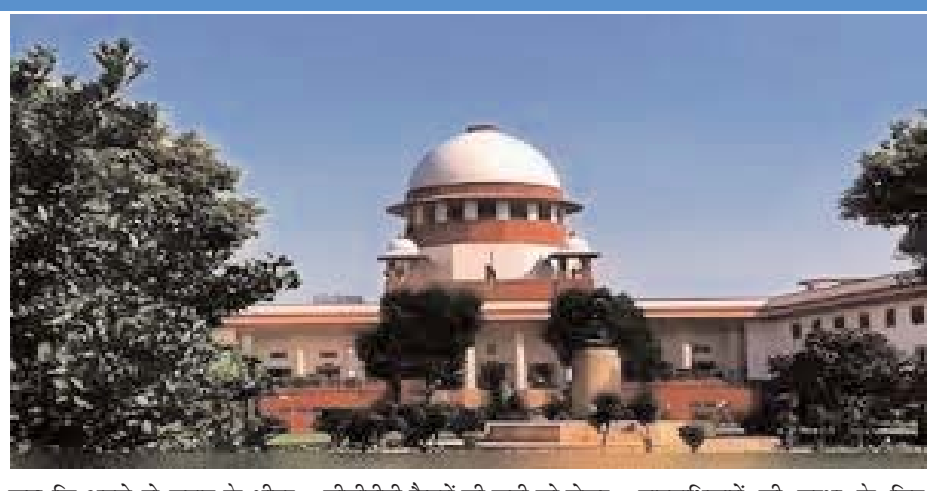

नई दिल्ली।नई दिल्लीः देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों के इंस्टॉलेशन और उनके सुचारु संचालन को लेकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को भरोसा दिलाया है कि इस संबंध में लंबित सभी समस्याओं का समाधान अगले दो हफ्तों में कर लिया जाएगा। मंगलवार को सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने शीर्ष अदालत को बताया कि वह खुद इस पूरे मामले की समीक्षा कर रहे हैं और कई स्तरों पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता ने इससे पहले 6 अप्रैल को केंद्र सरकार के गृह सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया था, ताकि पुलिस थानों में सीसीटीवी लगाने की योजना के क्रियान्वयन पर उनसे आवश्यक सहायता ली जा सके। आदेश के अनुपालन में गृह सचिव मंगलवार को अदालत में मौजूद थे। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल ने अदालत से कहा कि अगले दो सप्ताह के भीतर नियमित बैठकों के जरिए सभी लंबित मुद्दों को सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में न्यायालय द्वारा नियुक्त एमिकस क्यूरी और संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय किया जाएगा, ताकि किसी भी स्तर पर देरी न हो और व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू हो सके। यह मामला पुलिस थानों में कार्यशील सीसीटीवी कैमरों की कमी को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्वतः संज्ञान के तहत सुना जा रहा है।

सीसीटीवी कैमरे बेहद जरूरी

अदालत पहले भी स्पष्ट कर चुकी है कि पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी हैं।हिरासत में होने वाली घटनाओं, पूछताछ की प्रक्रिया और पुलिस कार्रवाई की निगरानी के लिए यह व्यवस्था अहम मानी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के आश्वासन को रिकॉर्ड पर लेते हुए मामले की अगली सुनवाई 28 अप्रैल के लिए तय कर दी है।

दिल्ली के कमला मार्केट में चाकू मार कर ऑटो ड्राइवर की हत्या

महानगर मेट्रो

दिल्ली। कमला मार्केट इलाके में 22 साल के ऑटो ड्राइवर सूरज कुमार की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। युवक का शव मिंटो रोड के शिवाजी पार्क के पास मिला, जबकि उसका ऑटो और मोबाइल गायब थे, जिससे लूट के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के कमला मार्केट इलाके में एक 22 साल के ऑटो ड्राइवर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जांच में मृतक की पहचान सूरज कुमार के रूप में हुई है। युवक का शव रविवार सुबह मिंटो रोड स्थित शिवाजी पार्क के पास पड़ा मिला। पुलिस जांच में सामने आया कि सूरज का ऑटो और मोबाइल फोन मौके से गायब हैं, जिससे लूट के बाद हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मूल रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी सूरज कुमार अपनी बहन और जीजा के साथ मंडावली के सेवा सदन ब्लॉक में रहते थे। परिवार में पत्नी, डेढ़ साल का बेटा और माता-पिता हैं, जो बिहार में ही रहते हैं। सूरज इसी साल फरवरी में काम की तलाश में दिल्ली आए थे और यहां ऑटो खरीदकर चलाने लगे। परिजनों ने बताया कि शनिवार रात सूरज ऑटो लेकर निकले थे, लेकिन नहीं लौटे। रविवार को उनकी हत्या की सूचना मिली।

हत्या का शक

परिजन एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने शव की पहचान की। मृतक के भतीजे रोशन ने आरोप लगाया है कि तीन दिन पहले सूरज का कुछ लोगों से झगड़ा हुआ था और उन्हीं लोगों ने उसकी हत्या की है। पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि सूरज की हत्या कहीं और की गई और शव को शिवाजी पार्क के पास लाकर फेंका गया है।

किसान आंदोलन को लेकर किए थे कई पोस्ट, फिर हटाए...

महानगर मेट्रो

दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में कार घुसाने के मामले में पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है. पकड़ा गया आरोपी पूरी रात थाने की लॉकअप के रॉड हिलाता रहा, चिल्लाता रहा. पुलिस के मुताबिक लॉकअप में उसका व्यवहार काफी उग्र रहा. दिल्ली विधानसभा में एक दिन पहले सुरक्षा में सेंध का मामला सामने आया था. एक शख्स ने बैरिकेड तोड़ते हुए यूपी नंबर की टाटा सिएरा गाड़ी विधानसभा में घुसा दी थी और फिर वापस निकल फरार हो गया था. इस घटना के बाद दिल्ली पुलिस के साथ ही बम निरोधक दस्ते, फॉरेंसिक टीम ने विधानसभा परिसर की गहन जांच की थी. दिल्ली पुलिस ने कार घुसाने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस टीम उससे पूछताछ कर रही है. पांच से सात मिनट के भीतर हुई सिक्योरिटी ब्रीच की इस घटना के पीछे आरोपी की मंशा क्या थी, इसका पता अब तक नहीं चल सका है. पुलिस के अनुसार पकड़ा गया सरबजीत सिंह खुद को किसान आंदोलन का समर्थक बताता है. उसने सोशल मीडिया पर 2020-21 के आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले किसानों के समर्थन में कई पोस्ट भी किए थे. इनमें से कुछ बाद में हटा दिए गए. कहा यह भी जा रहा है कि सरबजीत का भांजा एक अप्रैल से मिसिंग था. हरिनगर थाने में उसकी मिसिंग रिपोर्ट भी दर्ज है. उस केस की तरह ध्यान खींचने के लिए सरबजीत ने विधानसभा में गाड़ी घुसाई. सरबजीत ने पूछताछ के दौरान कहा कि विधानसभा में कोई बड़ा अधिकारी होगा, जो इस केस पर ध्यान देगा, उसकी बात सुनेगा. वहीं, परिवार उसे मानसिक रूप से विक्षिप्त बता रहा है, लेकिन पुलिस को इस थ्योरी पर यकीन नहीं है. सरबजीत हट्ठा-कट्ठा शख्स है, पैसे से भी मजबूत है और अभी फरवरी में ही नई टाटा सियारा गाड़ी निकलवाई थी. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बेशक इसके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ, ना ही गाड़ी में हथियार था. लेकिन ये अपनी गाड़ी को ही हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा था. गाड़ी किसी के ऊपर चढ़ सकती थी. पुलिस के मुताबिक सरबजीत अकेला ही दिल्ली विधानसभा के अंदर गया था. इसके साथ तब कोई नहीं था. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक सरबजीत को दिल्ली के रास्ते भी नहीं पता थे. इसलिए इसने दो टैक्सी वालों को दो हजार रुपये देकर रास्ता बताने के लिए विधानसभा से निकलने के बाद अपनी गाड़ी में बैठा लिया था. सरबजीत ने इन दोनों से यह भी कहा कि पार्लियामेंट जाना चाहता हूं.

मैंने तो 6 सनातनी पैदा कर लिए, हर हिंदू के 3 बच्चे जरूर हों'

महानगर मेट्रो

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बीच हिंदू मुस्लिम का मुद्दा लगातार गर्मा रहा है। इस बीच हिंदुओं की घटती आबादी और कम बच्चों के मुद्दे पर कई तरह के बयान सामने आ रहे हैं। पिछले दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने प्रदेश में कई जगहों पर कार्यक्रमों में सनातनी परिवार में तीन बच्चे की बात कही थी। अब इसी तरह की बात पाकिस्तान से आई सीमा हैदर भी करती दिख रही है। उसने भी तीन बच्चों के मसले को जोरदार तरीके से उठाया है। सीमा हैदर ने कहा कि हमने तो देश को छह सनातनी बच्चे दिए हैं।

सीमा हैदर ने क्या कहा?

सीमा हैदर ने दिए गए इंटरव्यू में कहा कि हर हिंदू को दो से तीन बच्चे होने ही चाहिए। अभी देश के लोगों की मानसिकता है कि एक-दो बच्चे करेंगे बस। ऐसा करके हिंदू आबादी को कम कर दिया गया है। वहीं, दूसरे लोग जो हैं, छह-आठ बच्चे पैदा करके अपनी आबादी बढ़ा रहे हैं। इससे अंतर बढ़ रहा है। उन्होंने अपने बारे में कहा कि हमने तो छह सनातनी बच्चे देश को दिए हैं। लेकिन, हिंदू धर्म के परिवार में तीन बच्चे तो होने ही चाहिए। पिछले दिनों पैदा हुआ बेटा सीमा हैदर पाकिस्तान से तीन साल पहले नेपाल के रास्ते ग्रेटर नोएडा आई। वह रबूपुरा में सचिन मीणा के साथ शादी करके रह रही है। सीमा हैदर पाकिस्तान से 4 बच्चों के साथ आई थी। सचिन मीणा के साथ उनके दो और बच्चे हुए हैं। पिछले दिनों सीमा हैदर के पांचवें और छठे बच्चे को गोद में लेकर वकील एपी सिंह उनका लोगों से परिचय करवाया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। एपी सिंह दोनों बच्चों को मामा कहलवाते हुए भी दिखे।वीडियो में वकील एपी सिंह कहते है कि एक तरफ भारती मीणा, दूसरी तरफ भारत मीणा। एक तरफ उनकी माता सीमा मीणा। ये दोनों बच्चे भारत के हैं और मीणा समाज का सम्मान रखते हैं। ये सनातन धर्म से जुड़े हैं। दरअसल, पिछले दिनों सीमा हैदर को छठा बच्चा हुआ था। इसके बाद वह फिर सुर्खियों में आई।

एमपी में अंबेडकर जयंती पर जेलों से 87 कैदियों की होगी रिहाई, गृह विभाग ने लिया बड़ा फैसला

महानगर मेट्रो

गुना। अंबेडकर जयंती के अवसर पर एमपी में गृह विभाग ने 87 कैदियों की रिहाई का फैसला दिया है। ये सभी कैदी आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। प्रदेश में पांच अवसर पर अच्छे आचरण वाले कैदियों की रिहाई होती है।

जेलों के होगी कैदियों की रिहाई

मध्यप्रदेश गृह विभाग ने 7 अप्रैल को बंदियों को लेकर बड़ा निर्णय किया। विभाग ने 14 अप्रैल डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर आजीवन कारावास की सजा से दंडित 87 बंदियों की समयपूर्व रिहाई और गैर-आजीवन कारावास की सजा से दंडित 7 बंदियों को सजा में छूट-विशेष परिहार देने का निर्णय किया है।

पांच अवसरों पर होती है कैदियों की रिहाई

गृह विभाग के आदेश के अनुसार, प्रदेश की जेलों में निरूद्ध अच्छे आचरण वाले बंदियों को वर्ष में 5 अवसरों, 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस, 14 अप्रैल यानी डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती, 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस, 2 अक्टूबर यानी (महात्मा गांधी जयंती) और 15 नवंबर यानी राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस पर आजीवन कारावास के दंडितों को उनकी सजा में छूट प्रदान कर समय पूर्व रिहाई और सजा में छूट-विशेष परिहार दिए जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

अच्छे आचरण वाले कैदियों की पांच मौके पर होती है रिहाई

अंबेडकर जयंती पर अलग-अलग जेलों से 87 कैदियों की होगी रिहाई

बंदियों के पुनर्वास में आसानी

गौरतलब है कि 26 जनवरी- 2026 को भी 94 दंडित बंदियों को समय-पूर्व रिहाई-सजा में छूट प्रदाय की गई थी। शासन आदेश के माध्यम से 5 अवसरों पर दंडित बंदियों को समय-पूर्व रिहाई/सजा में छूट प्रदाय किए जाने से, बंदियों के द्वारा जेल में अच्छा आचरण किया जाता है। इससे जेलों में प्रशासनिक व्यवस्था अच्छी रहती है। बंदियों को जेल से छूटने के पश्चात् पुनर्वास में आसानी होती है। साथ ही इससे जेलों में ओवरक्राउडिंग में भी कमी आती है। गौरतलब है कि जेलों से उन्हीं कैदियों की रिहाई होती है जो सजायाफ्ता हैं। सजा मिलने के बाद उनके आचरण में अगर सुधार हो जाता है तो जेल प्रशासन की रिपोर्ट के आधार पर गृह विभाग इन कैदियों की रिहाई का फैसला लेता है। इससे पहले 26 जनवरी 2026 को भी एमपी के जेलों से 27 कैदियों की रिहाई हुई थी।

12 लाख रुपए किलो देंगे सोना', मरीज बनकर आए हरियाणा के ठगों ने जबलपुर के तीन डॉक्टरों को फंसाया, 1.60 करोड़ रुपए ठगे

महानगर मेट्रो

जबलपुर। जमीन की खुदाई में गड़ा सोना मिला है। आपको सस्ते दाम पर दे देंगे। इस नाम पर हरियाणा के गैंग ने जबलपुर के कई डॉक्टरों से बड़ी ठगी की है। जबलपुर पुलिस ने इस मामले में हरियाणा के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनलोगों ने जबलपुर निवासी डॉक्टर समेत तीन लोगों से ठगी की है। सभी को झांसी से गिरफ्तार किया गया है।

एक करोड़ 55 लाख रुपए नकद बरामद

वहीं, जबलपुर पुलिस ने आरोपियों के पास से 1 करोड़ 55 लाख रुपए नगद बरामद किए हैं। साथ 84 ग्राम असली असली सोने की गिन्नियां, 20 किलो नकली गिन्नियां और 11 मोबाइल बरामद बरामद हुए हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पीड़ित ने जबलपुर क्राइम ब्रांच में की थी शिकायत

जबलपुर एसपी संपत उपाध्याय ने कहा कि पीड़ित ने क्राइम ब्रांच थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि एक व्यक्ति उसके क्लिनिक पर इलाज कराने आया था। उसने अपना नाम सोनू प्रजापति बताया था। साथ ही खुद को गरीब बताया। साथ ही कहा कि मैं मजदूरी करता हूं और मुझे गड़ा हुआ सोना मिला है।

पांच सोने की गिन्नियां देकर एक लाख रुपए लिए

आरोपी ने आठ मार्च को डॉक्टर को पांच नग सोने की गिन्नियां दी और एडवांस में एक लाख रुपए लिए। पीड़ित ने जब उन्हें चेक करवाया तो 75 प्रतिशत शुद्ध पाया गया था। आरोपी दूसरे दिन अपने पिता के साथ के साथ पहुंचा और 12 लाख रुपये प्रति किलो के भाव से सौदा तय हुआ था।

12 लाख रुपए किलो के हिसाब से दिए सात किलो सोना

वहीं, सोनू प्रजापति द्वारा उसे कटनी बस स्टैंड में बुलाकर 07 किलो सोना बारह लाख रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से दिया था। पीड़ित ने नौ लाख रुपए से भरा बैग दिया और बचे हुए रुपए तीन महीने में देने का वादा किया। आरोपियों ने डॉक्टर को सात किलो नकली सोने की गिन्नियां देकर उनके साथ 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी की।

दूसरे पीड़ित से 50 लाख रुपए की ठगी

वहीं, दूसरे पीड़ित की शिकायत है कि सोनू प्रजापति उसके पास वीरेंद्र राठौर नाम के व्यक्ति का इलाज कराने के बहाने आया। दूसरे दिन वह अपने पिता, मां और भाई के साथ आया। पिता बनकर आए पन्ना लाल ने बताया कि मैं बाहरी व्यक्ति हूं और मजदूरी करता हूं। खुदाई के दौरान भेड़ाघाट में मुझे गड़ा हुआ धन मिला है। चेक करने के लिए उसे असली सोने की गिन्नियां देकर चले गए। इससे संतुष्ट होकर दूसरे डॉक्टर ने 12 लाख रुपए किलो के हिसाब से पांच किलो सोना का सौदा किया। सोने की गिन्नियां लेकर 50 लाख रुपए नगद दे दिए।

तीसरे से एक करोड़ रुपए की ठगी

इसके साथ ही तीसरे पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई है कि वीरेंद्र, पन्ना लाल, रामादेवी और धर्मेंद्र नाम का एक व्यक्ति इलाज कराने के बहाने आए। 12 मार्च को 12 लाख रुपए किलो सोना देना के नाम पर एक करोड़ रुपए की ठगी की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चारों आरोपी एक ही परिवार के है। आरोपियों ने पूछताद के दौरान ठगी की वारदात को कबूल करते हुए बताया कि उन्होंने पनागर में किराए का मकान लिया है। ठगी की रकम घर में छुपाकर रखी है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने पनागर स्थित किराए के मकान की तलाशी लेते हुए 1 करोड़ 55 लाख रुपये नगद, 84 ग्राम असली सोने की गिन्नी, 20 किलो नकली गिन्नियां और 11 मोबाएल जब्त किए। संपत उपाध्याय, जबलपुर एसपी

हरियाणा के चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

इन शिकायतों के बाद जबलपुर क्राइम ब्रांच की टीम झांसी गई। झांसी से पन्नालाल राठौर, धर्मेंद्र, वीरेंद्र और रानमादेवी को गिरफ्तार किया। ये सभी हरियाणा के फरिदाबाद जिले स्थित आदर्श नगर बल्लभगढ़ के रहने वाले हैं।

पुणे में धर्म परिवर्तन, अचानक गायब हो गईं मिस इंडिया अर्थ सायली सुर्वे, परिवार का पति पर किडनैपिंग का आरोप

महानगर मेट्रो

पुणे। महाराष्ट्र राज्य के पुणे के पिंपरी चिंचवाड में बीते दिनों एक बड़ा आयोजन किया गया। यह आयोजन था घर वापसी का। मिस इंडिया अर्थ रहीं सायली सुर्वे के लिए यह आयोजन किया गया था। नैशनल मीडिया यहां पहुंची थी। सायली सुर्वे ने मुंबई के एक मुस्लिम कारोबारी से निकाह करके इस्लाम धर्म कुबूल किया था लेकिन कई सालों बाद वापस हिंदू बनी थीं।

मिस इंडिया अर्थ 2019 की विजेता सायली सुर्वे पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ से लापता हो गई हैं। यह घटना उनके हाई-प्रोफाइल 'घर वापसी' समारोह के कुछ ही दिनों बाद हुई है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से हिंदू धर्म में वापसी की थी। सायली ने हिंदू धर्म में वापसी करते हुए अपने मुस्लिम पति पर दुर्व्यवहार तथा 'लव जिहाद' का आरोप लगाया था। उनके माता-पिता का आरोप है कि उनके ससुराल वालों ने उन्हें और उनके चार बच्चों को अगवा कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एविएशन में मास्टर डिग्री वाली मॉडल सायली सुर्वे काफी समय से लाइमलाइट से दूर थीं। कुछ हफ़्ते पहले वह अचानक सामने आईं। उन्होंने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने हिंदू धर्म में वापसी की। नाम बदलकर आद्या सुर्वे रख लिया और हिंदू धर्म में अपनी नाटकीय वापसी के साथ राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गईं। सायली ने अपने अलग रह रहे पति पर सालों तक शारीरिक और मानसिक शोषण करने का आरोप लगाया। और अब वह गायब हो गई हैं। सायली के साथ उनके चारों बच्चे भी लापता हैं। इधर सायली उर्फ आद्या सुर्वे के माता-पिता का आरोप है कि उनकी बेटी के ससुराल वालों ने उन्हें अगवा कर लिया है। पिंपरी-चिंचवड पुलिस मामले की जांच कर रही है। 'लव जिहाद' का आरोप लगाया था।

सायली सुर्वे का क्या है मामला

अपने परिवार के कड़े विरोध के बावजूद, सायली सुर्वे ने मीरा-भायंदर के रहने वाले मुस्लिम कारोबारी आतिफ़ तासे से लव मैरेज कर ली थी। सायली के माता-पिता ने भी इस शादी का विरोध किया था लेकिन उन्होंने किसी की नहीं सुनी। शादी के बाद उन्होंने हिंदू धर्म छोड़कर इस्लाम कुबूल कर लिया था। उसके बाद उनका नाम सायली से अतेजा तासे हो गया था। सायली के एक के बाद एक चार बच्चे हुए। इन वर्षों में वह लाइमलाइट से दूर रहीं।

शादी को बताया सबसे बड़ी भूल

सायली सुर्वे बीते दिनों अचानक मीडिया के सामने आईं और आतिफ तासे से शादी करना अपनी ज़िंदगी की सबसे बड़ी गलती बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के कुछ समय बाद ही उनका शोषण होने लगा। उन्होंने कहा कि उनके साथ जबरदस्ती की गई। जबरन धर्म परिवर्तन कराककर इस्लाम धर्म कुबूल करवाया गया। उन्हें कलमा पढ़ने पर मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि उनके चार बच्चे हैं और उनके लिए उन्होंने कई सालों तक सब कुछ चुपचाप सहा।

लव जिहाद का मामला

सायली सुर्वे ने बताया था कि जब आपको 24 घंटे गालियों के अलावा कुछ सुनने को नहीं मिलता, और बिना किसी गलती के मार-पीट होती है, तो जो चीजें आपके लिए पहले नॉर्मल नहीं होतीं, वो धीरे-धीरे नॉर्मल हो जाती हैं। इसे लव जिहाद का मामला बताते हुए सायली सुर्वे ने कहा था कि पक्का लव जिहाद का मामला है। कई लोग मानते हैं और बोलते हैं कि जब मैंने खुद यह किया था, तो आज क्या बोलना। जब मैंने यह फैसला लिया था, तब इतनी समझ नहीं थी।

IAS जयति सिंह का अलर्ट, बोलीं- मेरे नाम पर कोई लेन-देन न करें; WhatsApp हैक होने के बाद फेसबुक पर दी जानकारी

महानगर मेट्रो

पुणे। बड़वानी जिले की कलेक्टर जयति सिंह का WhatsApp अकाउंट साइबर जालसाजों ने हैक कर लिया. हैकर्स ने कलेक्टर की पहचान का इस्तेमाल कर उनके कॉन्टैक्ट्स से पैसों की मांग शुरू कर दी. मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले की कलेक्टर का WhatsApp अकाउंट कुछ अज्ञात साइबर जालसाजों ने हैक कर लिया और उनके कॉन्टैक्ट्स को पैसे मांगने वाले मैसेज भेजे. कलेक्टर जयति सिंह ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, 'अत्यंत महत्वपूर्ण सूचना, सभी नागरिकों को सूचित करना चाहती हूं कि मेरा वॉट्सएप अकाउंट से संबंधित फ्रॉड की सूचना प्राप्त हुई है. यदि मेरे नंबर से किसी भी प्रकार की धनराशि या अन्य संदिग्ध मांग की जाती है, तो कृपया उस पर बिल्कुल भी विश्वास न करें और कोई ट्रांजेक्शन न करें. इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है. कृपया सतर्क रहें और इस सूचना को अधिक से अधिक साझा करें.' IAS अफसर जयति सिंह ने इस पोस्ट के साथ WhatsApp चैट के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए, जिनमें साइबर अपराधियों की ओर से उनके कॉन्टैक्ट्स को भेजे गए मैसेज दिख रहे थे.

इस हाई-प्रोफाइल हैकिंग के बाद बड़वानी पुलिस तुरंत एक्टिव हो गई है. जिले के एसपी पद्मविलोचन शुक्ला ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि पुलिस कलेक्टर के WhatsApp अकाउंट की हैकिंग की जांच कर रही है. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अकाउंट किस आईपी एड्रेस से ऑपरेट किया गया और लिंक के जरिए या ओटीपी फिशिंग के जरिए इसे हैक किया गया.

RSS मुख्यालय के पास विस्फोटक मिलने से हड़कंप, नागपुर में हाई अलर्ट...

महानगर मेट्रो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय है। रेशीम बाग के इस बेहद संवेदनशील इलाके के नजदीक बड़े पैमाने पर विस्फोटक की बरामदगी हुई है। इसके बाद नागपुर में पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। इस खुलासे से नागपुर में दहशत भी है।

देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के बीच महाराष्ट्र के नागपुर से चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पुलिस ने नागपुर के रेशीमबाग स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुख्यालय के पास ने विस्फोटक बरामद किया है। जिलेटिन स्टिक और डेटोनेटर समेत भारी मात्रा में विस्फोटक मिलने के बाद नागपुर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार RSS मुख्यालय से करीब 3 किलोमीटर दूर एक घर से जिलेटिन स्टिक, 58 डेटोनेटर, कई कनेक्टर और 15 जिंदा कारतूस समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है।

फैली दशहत, पुलिस अलर्ट

विस्फोट की बरामदगी के बाद नागपुर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई और सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू कर दी। घर के मालिक ने ही इन विस्फोटकों को देखा और सुबह करीब 9:45 बजे पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद बम निरोधक दस्ते और फोरेंसिक टीमों को तुरंत मौके पर तैनात कर दिया गया। पूरे इलाके को तुरंत सील कर दिया गया और यह सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत तलाशी अभियान चलाया गया कि कहीं कोई और विस्फोटक उपकरण तो मौजूद नहीं है।

अटैक के बाद मिला विस्फोटक

नागपुर स्थित RSS मुख्यालय, जो कि एक अति-सुरक्षित और संवेदनशील प्रतिष्ठान है। यही वजह है कि उसके इतने करीब विस्फोटक मिलने की इस घटना को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है। यह घटना चंडीगढ़ में बीजेपी कार्यालय पर हुए ग्रेनेड हमले के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है। इस घटना ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया था। चड़ीगढ़ की घटना में कथित तौर पर कुछ अज्ञात हमलावरों ने पार्टी कार्यालय परिसर में ग्रेनेड फेंका था, जिससे इमारत को नुकसान तो पहुंचा, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। उस हमले के बाद पूरे देश में अलर्ट जारी कर दिया गया था और कई राज्यों में राजनीतिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

खुले जंगल में घूम रहे 12 चीते, 6 ने लांघ दी कूनो की सीमाएं, खौफ में एमपी-राजस्थान के किसान

खुले जंगल में घूम रहे है 12 चीते, 17,000 वर्ग किमी का नया साम्राज्य

महानगर मेट्रो

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क के 12 चीते अब खुले आसमान के नीचे आजाद घूम रहे हैं। इनमें से 6 चीते पार्क की सीमाएं लांघकर ग्वालियर, शिवपुरी और राजस्थान के बारां तक पहुंच गए हैं। सरकार ने 17,000 वर्ग किमी का विशाल चीता लैंडस्केप तैयार किया है, जो 25 जिलों को कवर करेगा।

खुले जंगल में घूम रहे 12 चीते

श्योपुरः भारत के चीता प्रोजेक्ट ने एक ऐसी लंबी छलांग लगाई है, जिसकी गूंज अब मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से निकलकर राजस्थान के जंगलों तक सुनाई दे रही है। कूनो के 12 चीते अब पूरी तरह फ्री-रेंज यानी खुले जंगल में घूम रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से आधे यानी 6 चीते पार्क की हदें पार कर ग्वालियर, मुरैना, शिवपुरी और राजस्थान के बारां जिले तक पहुंच चुके हैं।

17,000 वर्ग किमी का साम्राज्य

केंद्र सरकार ने चीतों के कुनबे को बसाने के लिए 17,000 वर्ग किमी का एक विशाल चीता लैंडस्केप नोटिफाई किया है। यह कॉरिडोर मध्य प्रदेश के 12 और राजस्थान के 13 जिलों को आपस में जोड़ता है। इस मास्टर प्लान का मकसद कूनो, गांधी सागर अभयारण्य और मुकुंदरा हिल्स रिजर्व के बीच चीतों की बेरोक-टोक आवाजाही सुनिश्चित करना है।

आमने-सामने,इंसान और चीते

चीतों का कूनो से बाहर निकलना उनकी सफलता का प्रतीक तो है, लेकिन यह 'मानव-वन्यजीव संघर्ष' की नई चुनौती भी लाया है। हाल ही में सबलगढ़ से एक वीडियो सामने आया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक ग्रामीण अपनी भैंस को चीते से बचाने के लिए उसे खदेड़ता नजर आया।

रिहाइशी इलाकों के पास चीतों की मौजूदगी से ग्रामीणों में डर है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि यह उनकी प्राकृतिक बसावट का हिस्सा है। चीतों का पार्क से बाहर निकलना उनके अनुकूलन का संकेत है। हम हर मूवमेंट पर रियल-टाइम नज़र रख रहे हैं।

ग्रामीणों को डरने की जरूरत नहीं है, वे हमारे इकोसिस्टम का हिस्सा बन रहे हैं।

ग्रामीणों को मनाना बड़ी चुनौती

कूनो प्रोजेक्ट का यह दूसरा चरण सबसे कठिन है। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से आए इन मेहमानों के लिए अब अस्तित्व की परीक्षा है। 2022 से अब तक कई मौतों और चुनौतियों के बाद, 12 चीतों का खुले में घूमना एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन 25 जिलों के ग्रामीणों को इसके लिए तैयार करना प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

ठाणे से मुंबई जाने वालों के लिए गुड न्यूज, 'मेट्रो 9 और 2B' का उद्घाटन

महानगर मेट्रो

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को मेट्रो लाइन 9 और मेट्रो लाइन 2B का उद्घाटन किया। इस दौरान दोनों ने मेट्रो के सफर का भी आनंद लिया। उद्घाटन के बाद ये दोनों लाइनें 8 अप्रैल से यात्रियों के लिए खुल जाएंगी। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार करने के लिए मंगलवार को दो नई मेट्रो लाइनों मेट्रो लाइन 9 (दहिसर से मीरा-भायंदर) और मेट्रो लाइन 2B (अंधेरी से मानखुर्द) का तोहफा दिया।

इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मेट्रो लाइन 9 और मेट्रो लाइन 2B का उद्घाटन किया। इसके साथ ही ये दोनों मेट्रो कल यानी बुधवार से एक नए ऑपरेशनल शेड्यूल के साथ यात्रियों के लिए खुल जाएंगी।

ठाणे में पहली मेट्रो सेवा शुरू

ठाणे जिले में पहली मेट्रो सेवा शुरू होने के साथ ही हार्बर लाइन क्षेत्र को भी मेट्रो कनेक्टिविटी मिलने वाली है। मेट्रो लाइन 7 अब मेट्रो लाइन 9 के साथ एक इंटीग्रेटेड कॉरिडोर के रूप में चलेगी। इससे अंधेरी ईस्ट से मीरा-भायंदर (काशीगाँव) तक सीधी और बिना किसी रुकावट के यात्रा संभव हो पाएगी। इसके परिणामस्वरूप मेट्रो 7 और मेट्रो 2 के रूट में बदलाव होंगे। जो पहले एक संयुक्त सेवा के रूप में चलते थे। अब ये दोनों लाइनें स्वतंत्र कॉरिडोर के रूप में चलेंगी और दहिसर स्टेशन पर इंटरचेंज की सुविधा उपलब्ध होगी। नतीजतन, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे को लिंक रोड से जोड़ने वाला सीधा लिंक अब मौजूद नहीं रहेगा। यात्री अब दहिसर स्टेशन पर स्टेशन परिसर से बाहर निकले बिना ही मेट्रो लाइनें बदल सकेंगे।

अंधेरी वेस्ट से दहिसर ईस्ट (मेट्रो 2)
रूट की लंबाई: 18.6 किमी
पहली ट्रेन: सुबह 5:50 बजे
आखिरी ट्रेन: रात 10:35 बजे
फ्रीक्वेंसी: पीक आवर्स में हर 6 मिनट पर; ऑफ-पीक आवर्स में हर 8-10 मिनट पर
कुल ट्रिप: सोमवार से शुक्रवार - 289, शनिवार - 231, रविवार - 213
अंधेरी ईस्ट से काशीगांव (मेट्रो 7 और 9 संयुक्त)
लंबाई: 19.79 किमी
पहली ट्रेन: सुबह 5:50 बजे
आखिरी ट्रेन: रात 11:00 बजे
फ्रीक्वेंसी: पीक आवर्स में हर 5.50 मिनट पर, ऑफ-पीक आवर्स में हर 8-10 मिनट पर
कुल ट्रिप: सोमवार से शुक्रवार - 276, शनिवार - 223, रविवार - 205
महाराष्ट्र नगर - मंडला से देशभक्त एन. जी. आचार्य उद्यान - डायमंड गार्डन (मेट्रो 2B)
रूट की लंबाई - 5.38 किमी
पहली ट्रेन - सुबह 6:00 बजे
आखिरी ट्रेन - रात 10:30 बजे
फ्रीक्वेंसी - 9 मिनट 30 सेकंड
कुल ट्रिप - 209
इंटरचेंज - दहिसर स्टेशन पर मेट्रो 2 और मेट्रो 7/9 के बीच इंटरचेंज संभव है।

ठाणे से मुंबई जाने वालों के लिए गुड न्यूज, 'मेट्रो 9 और 2B' का उद्घाटन

महानगर मेट्रो

नासिक। बारामती उपचुनाव ने महाराष्ट्र की राजनीति में नया मोड़ ला दिया है, जहां कांग्रेस पार्टी ने महा विकास अघाड़ी की परंपराओं से अलग रास्ता अपनाते हुए उम्मीदवार उतार दिया. इस फैसले से गठबंधन के भीतर भरोसे की कमी खुलकर सामने आई है. महाराष्ट्र की बारामती विधानसभा सीट पर होने वाला उपचुनाव अब सिर्फ एक स्थानीय चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि राज्य की बदलती राजनीति का केंद्र बन गया है. कांग्रेस ने डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार के खिलाफ आकाश मोरे को उम्मीदवार बनाकर, परंपरागत 'निर्विरोध' राजनीति से अलग रुख अपनाया है. आकाश मोरे, पूर्व एमएलसी विजय राव मोरे के बेटे हैं और प्रभावशाली धनगर समुदाय से आते हैं. यह? दिखाता है कि कांग्रेस अपने मजबूत गढ़ को वापस हासिल करने के इरादे से यह उपचुनाव लड़ रही है. कांग्रेस का यह कदम महा विकास अघाड़ी के भीतर बढ़ती खाई को भी उजागर करता है. साल 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद, विधानसभा चुनाव में खराब नतीजों के बाद कांग्रेस अब राज्य में गठबंधन पर निर्भर रहने की रणनीति पर पुनर्विचार कर रही है. नागपुर और नंदुरबार जैसे इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत करने के बाद पार्टी अब स्वतंत्र पहचान बनाने की ओर बढ़ रही है. सीट बंटवारे में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के साथ तनाव भी बढ़ा है, खासकर बीएमसी चुनाव में कथित तौर पर एमएनएस के साथ नजदीकी को लेकर. राहुरी सीट पर भी सियासी हलचल देखने को मिली, जहां एनसीपी (एसपी) के गोविंदराव मोकाटे ने नामांकन दाखिल किया. यहां तक कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी हस्तक्षेप किया, प्राजक्त तनपुरे ने अंतिम फैसला टाल दिया.

महाराष्ट्र में शिवसेना पदाधिकारी सोनू कल्याणकर की हत्या

महानगर मेट्रो

मुंबई। महाराष्ट्र के नांदेड़ शहर में सोमवार तड़के तीन लोगों ने 35 वर्षीय एक शिवसेना कार्यकर्ता की हत्या कर दी। पिछले तीन दिनों में यह नांदेड़ में किसी सार्वजनिक जगह पर हुई हत्या की पांचवीं घटना है। अधिकारी के मुताबिक, पीड़ित सोनू कल्याणकर तड़के श्रीनगर इलाके में सैर पर निकला था, तभी तीन लोगों ने उस पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया।

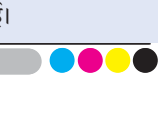

सोनू कल्याणकर की हत्या

छत्रपति संभाजीनगरः महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक बड़ी घटना सामने आई है। यहां पर शिवसेना के पदाधिकारी सोनू कल्याणकर की हत्या कर दी गई। चौंकानेवाली बात है कि पिछले तीन दिनों में नांदेड़ शहर में पब्लिक प्लेस पर हुई यह पांचवीं हत्या है। हालांकि पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों के भीतर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से एक आरोपी को शहर के बाहरी इलाके में पीछा करने के दौरान पुलिस ने पैर में गोली मारकर पकड़ा। 35 साल के सोनू कल्याणकर सुबह 5:30 बजे के बाद व्यस्त श्रीनगर इलाके में सैर पर निकले थे। घात लगाए बैठे आरोपियों ने उनके ऊपर हमला किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी उसकी दिनचर्या पर पहले से नज़र रखे हुए थे। उन्होंने 'कुमार ड्रेसेस' के पास सोनू को रोका। उन्होंने सोनू कल्याणकर पर 17 से ज़्यादा बार चाकू से वार किए।

शरीर पर चाकू से 17 वार

शरीर पर 17 घाव होने के चलते उसका बहुत ज़्यादा खून बह गया। वहां से गुज़र रहे लोगों ने सोनू को ITI चौक के पास एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि कल्याणकर के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज थे।

कनाल रोड पर हुआ था ट्रिपल मर्डर

नांदेड़ में यह ताज़ा हत्या शनिवार तड़के 'कनाल रोड' पर हुई तिहरे हत्याकांड के बाद हुई है। वह तिहरा हत्याकांड दो गुटों के बीच हुई गैंगवार का नतीजा था। इसके 24 घंटे के भीतर ही रविवार को 'मुरमुरा गली' इलाके में एक और युवक, रणजीतसिंह तबेलेवाले की हत्या कर दी गई।

लाभदायक व्यवसाय है भारत में पोल्ट्री फार्मिंग

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।

विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्चा करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए द्यथभद्गन-मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर पैसे कमाने के इच्छुक हैं तो मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से ख्याल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कमर्शियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूंढे। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

कोर्स व योग्यता

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्ट्री, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं।

कॅरियर स्कोप

वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप बागवानी, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग में नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में स्नातक पूरा करने और कुछ अनुभव के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जैसे कृषि फर्म, कृषि उत्पाद की दुकान, कृषि उद्योग, आदि। एग्रीकल्चर में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद, आप पर्यवेक्षक, वितरक, शोधकर्ता और इंजीनियर के रूप में काम कर सकते हैं।

वेतन और पे-स्केल

एग्रीकल्चर क्षेत्र स्मार्ट और मेहनती लोगों को एक अच्छा वेतन पैकेज देता है। भारत में कई सरकारी और निजी उद्योग कृषि इच्छुक लोगों को अच्छे वेतन पैकेज प्रदान करते हैं। बीएससी (कृषि) स्नातक के रूप में, आप आसानी से भारत में प्रति वर्ष लगभग 3 से 4 लाख कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना
- अमृतसर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अमृतसर
- देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, कृषि विद्यालय, नई दिल्ली

महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं स्गायनेकोलॉजिस्ट

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

योग्यता - स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/ एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/ डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटर्नशिप करने के बाद आप गायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/एमएस/डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। निजी मेडिकल कॉलेजों के मामले में संस्थानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

व्यक्तिगत गुण - स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों। इसके अलावा उनमें मजबूत नैतिकता, सेवा मानसिकता, आत्म-प्रेरित और जल्दी से निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। इन सभी गुणों के अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास अच्छी याददाश्त और याद रखने की क्षमता होनी चाहिए। एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए, क्योंकि रोगी का जीवन पूरी तरह से उस पर निर्भर करता है।

आमदनी - स्त्री रोग विशेषज्ञ का वेतन उनकी शैक्षिक डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, रोजगार के स्थान पर निर्भर करता है। एक फ्रेशर का वेतन 15000 से 30000 रूपए प्रतिमाह हो सकता है। वहीं चार-पांच वर्षों के अनुभव के बाद आपकी सैलरी 40000 से 80000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। सीनियर लेवल पर यह सैलरी 100000 से 200000 प्रतिमाह हो सकती है।

कॅरियर की संभावनाएं

स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जॉब की कोई कमी नहीं होती। आप सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल स्कूल या संस्थान में बतौर गायनेकोलोजी लेक्चरर के रूप में काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद का क्लीनिक भी खोल सकते हैं।

शेयर बाजार में हरियाली.सेंसेक्स 510 अंक बढक़र 74617 पर बंद, निफ्टी 155 अंक चढक़र 23124 पर पहुंचा; आईटी और मेटल शेयर्स में खरीदारी रही

4 दिन में निवेशकों की झोली में आए 17 लाख करोड़

नई दिल्ली।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और वैश्विक बाजारों में तेजी के कारण निवेशकों का मनोबल बढऩे से मंगलवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई।

आईटी शेयरों में खरीदारी ने शुरुआती नुकसान के बाद बाजारों में रिकवरी में मदद की। घरेलू शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन हरे निशान पर क्लोजिंग हुई है। खास बात तो ये है कि लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार ने इस तरह यूटर्न लिया। जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। इन चार दिनों में शेयर बाजार में 3.50 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। जिसकी वजह से निवेशकों की झोली में करीब 17 लाख करोड़ रुपए आ गए हैं। इसका मतलब है कि अप्रैल के महीने में शेयर बाजार बिल्कुल भी फेल नहीं हुआ है। ये तेजी और भी बेहतर हो सकती थी, अगर विदेशी निवेशकों की बिकवाली ना हुई होती। लेकिन लगातार एफआईआई की बिकवाली की वजह से बाजार की तेजी को थोड़ा थामकर ही रखा है।मंगलवार को शुरुआती गिरावट से ऊबरकर 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 509.73 अंक या 0.69 प्रतिशत बढक़र 74,616.58 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान, इसने 74,686.32 का उच्च और 73,282.41 का निम्न स्तर छुआ, जिसमें 1,403.91 अंकों का उतार-चढ़ाव आया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 155.40 अंक या 0.68 प्रतिशत चढक़र 23,123.65 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, इंफोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। इंटरग्लोब एविएशन, अदानी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन पिछडऩे वालों में शामिल थे।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत गिरकर 109 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल

अप्रैल के महीने में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल देखने को मिल चुका है। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार सेंसेक्स में अप्रैल के 4 कारोबारी दिनों में 2,669.03 अंकों की तेजी यानी 3.71 फीसदी की बढ़त देखने को मिल चुकी है। इसका मतलब है कि सेंसेक्स 72 हजार अंकों से नीचे के लेवल से उबरते हुए 75 हजार अंकों के करीब पहुंच चुके हैं।

अगर बात मंगलवार की करें तो सेंसेक्स 509.73 अंकों की तेजी के साथ 74,616.58 अंकों पर बंद हुआ। वैसे सेंसेक्स 73,734.36 अंकों पर ओपन हुआ था। जोकि ट्रेडिंग डे के दौरान 74,686.32 अंकों के साथ हाई पर पहुंच गया। वैसे सबह के वक्त शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी और कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 73,282.41 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर पहुंच गया था।

निफ्टी में भी आई तेजी

वहीं दूसरी ओर अप्रैल के महीने में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक निफ्टी में भी काफी तेजी देखने को मिल चुकी है।

एनएसई के आंकड़ों के अनुसार निफ्टी में लगातार चार कारोबारी दिनों में 3.50 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिल चुकी है। इसका मतलब है कि निफ्टी में 792.25 अंकों का इजाफा देखने को मिल चुका है। पिछले महीने के आखिरी कारोबारी दिन निफ्टी 22,331.40 अंकों पर बंद हुआ था, जोकि 23,100 अंकों के लेवल को पार कर चुका है। अगर बात बुधवार की करें तो निफ्टी 155.40 अंकों की तेजी के साथ 23,123.65 अंकों पर बंद हुआ। वैसे निफ्टी 22,838.70 अंकों पर ओपन हुआ था।

जोकि कारोबारी सत्र के दौरान 23,153.85 अंकों के साथ दिन के हाई पर आ गया था। जबकि सुबह के समय निफ्टी नेगेटिव था, और कारोबारी दिन 22,719.30 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर चला गया था।

एयर इंडिया ने बढ़ाया फ्यूल सरचार्ज, दूरी के अनुसार अब अलग शुल्क लागू

मुंबई ।

एयर इंडिया ग्रुप ने दुनिया भर में विमान ईंधन की कीमतों में लगातार उछाल के चलते अपनी उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का फैसला किया है। यह नई व्यवस्था 8 अप्रैल से ज्यादातर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रूटों पर लागू होगी, जबकि यूरोप, उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के लिए यह बढ़ा हुआ शुल्क 10 अप्रैल से लागू होगा। एयरलाइन का कहना है कि यह कदम पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के बीच हुई चर्चाओं के बाद उठाया गया है। घरेलू हवाई ईंधन की बढ़ती कीमतों पर 25 प्रतिशत की सीमा तय की गई थी। कंपनी ने लागत संतुलित करने के लिए यात्रियों से अतिरिक्त शुल्क लेना आवश्यक समझा। घरेलू उड़ानों के लिए एयर इंडिया ने अब फ्यूल सरचार्ज में नई प्रणाली अपनाई है। पहले सभी यात्रियों के लिए एक समान शुल्क लिया जाता था, लेकिन अब यह दूरी के आधार पर तय होगा। यानी जितनी लंबी यात्रा, उतना अधिक शुल्क। एयरलाइन का कहना है कि यह बदलाव ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बोझ को यात्रियों पर संतुलित रूप से बांटने के लिए किया गया है।

हाजिर मांग बढ़ने से तांबे के भाव में तेजी

नई दिल्ली ।

हाजिर मांग बढ़ने से तांबे का वायदा भाव मंगलवार को तीन रुपये की बढ़त के साथ 1,180 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई में आपूर्ति वाले तांबे के अनुबंध का भाव तीन रुपये चढ़कर 1,180 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। इस दौरान 126 लॉट का कारोबार हुआ। विश्लेषकों के अनुसार बाजार प्रतिभागियों के ऊंचे दांव लगाने से तांबे की कीमतों में यह तेजी देखने को मिली।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर, प्रीमियम फ्यूल महंगा

नई दिल्ली ।

दिल्ली में सरकारी पंपों पर 7 अप्रैल को पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रहीं। आम उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात है कि नियमित पेट्रोल 94.77 रुपए और डीजल 87.67 रुपए प्रति लीटर पर कायम हैं। वहीं प्रीमियम ईंधन महंगा है, जिससे उच्च-श्रेणी के वाहन मालिकों की जेब पर असर पड़ा है। नई दिल्ली के मुकाबले हैदराबाद और कोलकाता में पेट्रोल 105 रुपए से ऊपर है। मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई में भी कीमतें 100 के आसपास बनी हुई हैं। शेल इं डिया और नायरा इनर्जी में पेट्रोल 99-100 रुपए और डीजल 92-93 रुपए पर बिक रहा है। एक्सपी 100 और एक्स्ट्रा ग्रीन की बढ़ी कीमतें प्रीमियम उपयोगकर्ताओं को महंगी पड़ रही हैं। मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें उच्च स्तर पर हैं।

रणवीर सिंह बने जिंदल स्टेनलेस के पहले ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर और देशव्यापी सेलिब्रिटी एंडोर्सर घोषित किया है। कंपनी का उद्देश्य अपने ब्रांड और उपभोक्ताओं के बीच मजबूत संबंध स्थापित करना है। कंपनी ने कहा कि रणवीर सिंह का व्यक्तित्व और दर्शकों से जुड़ाव उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है। यह साझेदारी स्टेनलेस स्टील की बहुमुखी उपयोगिता को देशभर के लोगों तक पहुंचाने में मदद करेगी। जेएसएल के पास भारत और विदेशों में 16 विनिर्माण एवं प्रसंस्करण इकाइयां हैं, जिनमें स्पेन और इंडोनेशिया शामिल हैं। मार्च 2025 तक कंपनी का नेटवर्क 12 देशों में फैला हुआ था।

एयर इंडिया में बड़ा बदलाव, सीईओ कैंपबेल विल्सन ने दिया इस्तीफा

- नए सीईओ की तलाश तेज, बढ़ती लागत और चुनौतियों के बीच नेतृत्व परिवर्तन

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन में बड़े नेतृत्व बदलाव की खबर सामने आई है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, हालांकि नए प्रमुख की नियुक्ति तक वह जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। एयर इं डिया में एक अहम बदलाव के तहत सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका इस्तीफा कंपनी के बोर्ड द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। हालांकि, नेतृत्व में किसी प्रकार की अस्थिरता से बचने के लिए विल्सन सितंबर 2026 तक या नए सीईओ की नियुक्ति होने तक पद पर बने रहेंगे। बताया जा रहा है कि विल्सन पहले ही संकेत दे चुके थे कि वे लंबे समय तक इस पद पर नहीं रहेंगे। इसी कारण कंपनी ने जनवरी 2026 से ही नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी थी। इस पद के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई अनुभवी एविएशन लीडर्स के नामों पर विचार किया जा रहा है और जल्द ही इस पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। कैंपबेल विल्सन का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एयर इंडिया कई चुनौतियों से जूझ रही है। एयरलाइन को परिचालन बाधाओं, बढ़ती ईंधन लागत और वैश्विक हालात के चलते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का घाटा 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

निसान मोटर ने महाराष्ट्र में किया अपने नेटवर्क का विस्तार

मुंबई ।

जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी निसान मोटर ने महाराष्ट्र के मुंबई में दो शोरूम और एक सर्विस सेंटर की शुरुआत की है। निसान मोटर इंडिया ने बताया कि घाटकोपर में 2,000 वर्ग फुट और मालाड में 2,100 वर्ग फुट क्षेत्र में दो आधुनिक शोरूम खोले गए हैं। इसके अलावा कांदिवली में 7,000 वर्ग फुट क्षेत्र में एक सर्विस वर्कशॉप शुरू की गई है जहां हर महीने 300 कार तक की सर्विस की जा सकेगी। कंपनी ने कहा कि यह विस्तार भारत के प्रमुख बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने और ग्राहकों को बेहतर बिक्री एवं सेवा अनुभव उपलब्ध कराने की उसकी रणनीति का हिस्सा है। निसान मोटर इंडिया के एक अे धिकारी ने कहा कि मुंबई में नए शोरूम तथा 'वर्कशॉप' के साथ हमने महाराष्ट्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। इस क्षेत्र में ग्राहकों की मांग मजबूत बनी हुई है और निसान ब्रांड के लिए यहां विकास की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह विस्तार कंपनी के देशव्यापी नेटवर्क विस्तार कार्यक्रम का हिस्सा है जो ग्राहकों के और करीब पहुंचने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एसडीएचआई को चार डुअल-फ्यूल अमोनिया मालवाहक जहाज बनाने का ठेका

- भारत में बनेगा पहला अमोनिया ईंधन चालित वाणिज्यिक जहाज

मुंबई ।

स्वान डिफेंस एंड हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसडीएचआई) को एनर्जी वन लिमिटेड से चार डुअल-फ्यूल अमोनिया मालवाहक जहाज बनाने का ठेका मिला है।

यह ठेका श्रेणी-4 का है और 1,501 करोड़ रुपये से 3,000 करोड़ रुपये के बीच है। एसडीएचआई के अनुसार, पहला जहाज अक्टूबर 2029 तक सौंपा जाएगा और उसके बाद के जहाज हर चार महीने पर तैयार होंगे। प्रत्येक जहाज की लंबाई 229.5 मीटर और चौड़ाई 37 मीटर होगी। इनमें अमोनिया ईंधन से चलने वाली डुअल-फ्यूल प्रणोदन प्रणाली होगी।

कंपनी ने बताया कि ये जहाज भारत में बने सबसे बड़े वाणिज्यिक जहाजों में शामिल होंगे। एसडीएचआई के निदेशक ने कहा कि यह परियोजना भारतीय जहाज निर्माण उद्योग के लिए तकनीकी क्षमता और पैमाने दोनों में महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाती है। एसडीएचआई की यह सफलता न केवल पिपावाव शिपयार्ड की क्षमताओं पर वैश्विक भरोसा दिखाती है, बल्कि भारत के ग्रीन शिपिंग क्षेत्र में एक बड़ा कदम भी साबित होती है।

पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारों के लिए 2.5 लाख करोड़ की ऋण गारंटी योजना

- सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कहा है कि वह पे श्चिम ऐ शिया संकट से प्रभो वित कारोबो रियों विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना लाने के बारे में सोच रही है। इस योजना ने कारोबो रियों को राहत मिल सकती है। सूत्रों के मुतो बिक इस योजना के तहत अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण उधारकर्ताओं द्वारा ऋण चुकाने में चूक होने की स्थिति में उधारदाताओं को 100 करोड़ रुपये तक के ऋणों पर करीब 90 प्रतिशत की ऋण गारंटी प्रदान की जाएगी। बैंक ऋण पर यह गारंटी नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) देगी जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इस योजना के लिए सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा। ऐसी ही योजना कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भी लागू की गई थी, जो काफी सफल रही और विभिन्न क्षेत्रों के कई कारोबारों को काम जारी रखने एवं बकाया चुकाने में मदद मिली। सरकार ने मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आपात ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) शुरू की थी। इसका उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न व्यवधान के बीच पात्र एमएसएमई और अन्य कारोबारी इकाइयों को परिचालन देनदारियां पूरी करने और कारोबार फिर से शुरू करने में मदद देना था। इस योजना के तहत अर्थव्यवस्था के करीब सभी क्षेत्रों को शामिल किया गया था और पात्र उधारकर्ताओं को दिए गए ऋण पर सदस्य ऋणदाता संस्थानों को 100 प्रतिशत गारंटी प्रदान की गई थी। योजना की संरचना ऐसी थी कि उधारकर्ताओं को ऋण आसानी से मिल सके।

ऋणदाता संस्थान उधारकर्ता के मौजूदा ऋण के आधार पर पूर्व-स्वीकृत ऋण देते थे और अतिरिक्त ऋण के लिए नया मूल्यांकन नहीं किया जाता था।इसके अलावा ऋण पर ब्याज दर की अधिकतम सीमा तय की गई थी ताकि कर्ज की लागत कम रहे एवं ऋण बिना 'प्रोसेसिंग' (प्रक्रिया) शुल्क, पूर्व भुगतान शुल्क और गारंटी शुल्क के दिए जाते थे। यह योजना 31 मार्च 2023 तक लागू रही। इस बीच सरकार ने आम लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए हाल में कई कदम भी उठाए हैं जिनमें पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती शामिल है।भारत ने पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाया है। साथ ही महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर छूट दी है। विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) इकाइयों को घरेलू शुल्क क्षेत्र में संचालन की अनुमति भी दी गई है। असरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटाया था ताकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के असर से उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से एफएमसीजी और पेंट इंडस्ट्री पर दबाव, बढ़ेगी महंगाई

- बिस्किट, साबुन, खाने का तेल और पेंट जैसे रोजमर्रा के सामान होंगे महंगे, पैकेट साइज घटेगा

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें अब आम उपभोक्ताओं की जेब पर असर दिखा रही हैं। बिस्किट, साबुन, खाने का तेल और पेंट जैसे रोजमर्रा के सामान महंगे होने के कगार पर हैं। कंपनियां लागत बढ़ने से निपटने के लिए कीमतों में बढ़ोतरी या पैकेट साइज घटाने की रणनीति अपना रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लाहोरी जीरा जैसे ब्रांड ने महीने की शुरुआत से चुनिंदा उत्पाद महंगे कर दिए हैं। खाद्य तेल कंपनियों ने 4-5 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। पाम ऑयल की बढ़ती कीमतें बीकाजी, ब्रिटानिया और नेस्ले जैसी कंपनियों के लिए भी चिंता का कारण बनी हैं। पाम ऑयल साबुन निर्माण का अहम कच्चा माल है, जिससे हिंदुस्तान यूनिलीवर और गोदरेज जैसी कंपनियों पर भी लागत का दबाव बढ़ गया है। एलपीजी पर निर्भर पैक्ड फूड कंपनियों ने उत्पादन घटाया या अस्थायी रूप से रोक दिया है। इससे सप्लाई पर असर पड़ सकता है और उपभोक्ताओं को कीमतों में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। जायडस वेलनेस के एक अे धिकारी के अनुसार कंपनियां छोटे पैकेटों का वजन

कम कर सकती हैं, जबकि बड़े पैक के दाम सीधे बढ़ाए जा सकते हैं। पेंट उद्योग में करीब 40 फीसदी कच्चा माल कच्चे तेल से जुड़ा है।

बर्जर पेंट्स, कंसाई नेरोलैक और जेएसडब्ल्यू डुलक्स पहले ही दाम बढ़ा चुके हैं। एशियन पेंट्स आने वाले समय में 6-8 फीसदी तक कीमत बढ़ा सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ती लागत के कारण कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बढ़ेगा। इसका असर वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

एनसीएलएटी ने फ्यूचर लाइफस्टाइल की दिवाला प्रक्रिया तीन महीने में पूरी करने निर्देश दिया

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन की दिवाला समाधान प्रक्रिया को तीन महीनों के भीतर पूरा करने का आदेश दिया है। अदालत ने कंपनी की महत्वपूर्ण संपत्ति को खाली कराने की एक लेनदार की अपील खारिज करते हुए कहा कि यह संपत्ति कंपनी के संचालन और समाधान प्रक्रिया के लिए अनिवार्य है। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने समाधान पेशेवर और एनसीएलटी से कहा कि वे पूरी प्रक्रिया को जल्द से जल्द निपटाएं और यदि संभव हो तो इसे आज से तीन महीने के भीतर पूरा करें। अदालत ने अपने 18 पन्नों के आदेश में बताया कि अपील में शामिल संपत्ति ही कंपनी का वह मुख्य परिसर है, जहां उसका संचालन 'सेंट्रल' ब्रांड के तहत जारी है। अदालत ने यह भी कहा कि कंपनी के कुल कारोबार का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा इसी संपत्ति से आता है। इसलिए इसे कंपनी के पास बनाए रखना और दिवाला समाधान प्रक्रिया के दौरान संचालन जारी रखना जरूरी है। किशोर बियाणी के नेतृत्व में फ्यूचर ग्रुप का खुदरा कारोबार देशभर में सेंट्रल और ब्रांड फैक्ट्री जैसी बड़ी स्टोर श्रृंखलाओं के माध्यम से संचालित होता था। फ्यूचर लाइफस्टाइल के पोर्टफोलियो में ली कूपर, चैंपियन और स्कलर्स जैसे दर्जनों फैशन ब्रांड शामिल थे। बैंक ऑफ इंडिया की याचिका पर 4 मई 2023 को एनसीएलटी मुंबई पीठ ने कंपनी के खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू की थी।

- 2025 में रिकॉर्ड रिटर्न के बाद अचानक बदलाव

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध ने निवेशकों को चौंका दिया है। 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाली कीमती धातुएं सोना और चांदी अब लगातार गिरावट का सामना कर रही हैं। वैश्विक अनिश्चितता और डॉलर की मजबूती ने बुलियन के दामों पर दबाव डाल दिया है। 2025 में सोना और चांदी ने निवेशकों को बड़ा मुनाफा दिया था। चांदी की कीमत में 165 फीसदी से अधिक और सोने में 75 फीसदी से अधिक की बढ़त हुई थी। जनवरी 2026 में यह तेजी जारी रही, जब सोना 5,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया और चांदी 121 डॉलर प्रति औंस तक। इस प्रदर्शन ने संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक और निवेशक अपने पोर्टफोलियो में बड़े बदलाव कर रहे थे। ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध के शुरू होने पर सोना और चांदी में हल्की तेजी देखने को मिली। शुरुआत में निवेशकों ने इसे सुरक्षित निवेश की तरह देखा। हालांकि, यह तेजी ज्यादा समय तक टिक नहीं पाई। युद्ध लंबा खिंचता गया और तेल की कीमतें बढ़ने लगीं। विश्लेषकों का कहना है कि युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक गतिविधियां धीमी हुईं। अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जिससे सोना और चांदी की कीमतों पर दबाव पड़ा। एक्सिस सिक्योरिटीज के एक वे रिष्ठ विश्लेषक के अनुसार अमेरिका ने ईरान की प्रतिक्रिया का गलत आकलन किया था। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने और महंगाई के बढ़ने से फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम हुई। अपने रिकॉर्ड हाई से अब तक सोने की कीमत लगभग 16 फीसदी गिरकर 4,680 डॉलर प्रति औंस पर आ गई है।

चांदी में और तेज गिरावट देखने को मिली है, जो 35 फीसदी से अधिक टूटकर करीब 74 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट करता है कि किसी लंबी अवधि के युद्ध में प्रारंभिक तेजी अक्सर टिक नहीं पाती। ऐतिहासिक डेटा भी यही दिखाता है।

फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष के पहले हफ्ते में सोना 4 फीसदी और चांदी 6 फीसदी बढ़ी थी, लेकिन बाद में कीमतें गिर गईं। इसी तरह भारत-पाकिस्तान संघर्ष 2025 में अपेक्षाकृत छोटा और सीमित प्रभाव वाला रहा, इसलिए कीमतें स्थिर रही।

सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस : पिता-पुत्र की मौत पर 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा

-कोविड के दौरान नियम तोड़ने पर पुलिस हिरासत में किया गया प्रताड़ित

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडू के मदुरै की अदालत ने देश को हिला देने वाले सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में ऐतिहासिक फैसला सुनाकर 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा दी है। यह घटना 19 जून 2020 की है, जब कोविड-19 लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में पी.जयराज को पुलिस ने हिरासत में लिया। उनके बेटे जे. बेनिक्स ने विरोध कर थाने का रुख किया। आरोप है कि इसके बाद दोनों को तमिलनाडु पुलिसकर्मियों ने पूरी रात बेरहमी से प्रताड़ित किया। भारी चोटों के बावजूद पिता-पुत्र को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहाँ उनकी तबीयत बिगड़ती गई। 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना ने पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। घटना की गंभीरता को देखकर मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने स्वत: संज्ञान लेकर जांच की निगरानी की। बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। सीबीआई की चार्जशीट में खुलासा हुआ कि दोनों को बिना ठोस कारण हिरासत में लिया गया, झूठा मामला बनाकर सबूत मिटाने की कोशिश की गई। मेडिकल रिपोर्ट, गवाहों के बयान और न्यायिक मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट ने पुलिस द्वारा यातना की पुष्टि की। इस मामले की सुनवाई कई वर्षों तक चली। गवाहों से जिरह और बार-बार दायर जमानत याचिकाओं के कारण प्रक्रिया लंबी रही। अंतत: 23 मार्च 2026 को अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी मानकर 6 अप्रैल को उन्हें मौत की सजा सुनाई। अदालत ने पीड़ित परिवार को 1.40 करोड़ रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यह ऽदुर्लभतमऽ मामलों में से एक है, जहाँ कानून के रखवाले ही अपराध में शामिल थे। यह फैसला न केवल पीड़ित परिवार के लिए न्याय का प्रतीक है, बल्कि देश में पुलिस हिरासत में होने वाली यातनाओं के खिलाफ एक कड़ा संदेश भी है।

कल्पना सोरेन का असम में जोरदार चुनाव प्रचार, किए बड़े वादे

- जेएमएम जीता तो महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपए, कल्पना सोरेन ने किया ऐलान

दरांग (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक कल्पना सोरेन ने राज्य में व्यापक प्रचार अभियान शुरू किया है। उन्होंने मजदूरों, महिलाओं और युवाओं के हित में कई बड़े वादे किए और लोगों से समर्थन मांगा। सोरेन ने चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम 500 रुपये मजदूरी देने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये सम्मान राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हर परिवार को घर मिलेगा, बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएगी और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मजबूत विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि यह चुनाव केवल किसी एक उम्मीदवार की जीत या हार का मामला नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान और बेहतर भविष्य की लड़ाई है। सोरेन ने जनता से अपील की कि वे इस चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा को समर्थन दें, ताकि आदिवासी समाज के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

बड़ा खुलासा ! नंदीग्राम में 95 प्रतिशत मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के संदर्भ में नंदीग्राम से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है, जहां वोटर लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है, लेकिन हटाए गए नामों में उनकी हिस्सेदारी 95.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके विपरीत, लगभग 75 प्रतिशत गैर-मुस्लिम आबादी के बीच नाम हटाने के मामले मात्र 4.5 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं। एक पब्लिक पॉलिसी संस्था द्वारा किए गए विश्लेषण में चुनाव आयोग के सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट डेटा का अध्ययन किया गया। सात अलग-अलग सूचियों की जांच में सामने आया कि कई मामलों में हटाए गए नामों में मुसलमानों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से लेकर 98 प्रतिशत तक रही। यह आंकड़े आबादी के अनुपात से काफी अलग तस्वीर पेश करते हैं और प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं। हालांकि, एक सूची में अपवाद भी देखने को मिला। 'लिस्ट 4ए' में हटाए गए सभी नाम गैर-मुस्लिम महिलाओं के थे, जिसमें किसी भी मुस्लिम मतदाता का नाम शामिल नहीं था। इस तरह के अलग-अलग पैटर्न समग्र स्थिति को और जटिल बनाते हैं। दिसंबर 2025 के एक अन्य डेटा सेट में भी मुसलमानों की हिस्सेदारी नाम हटाने के मामलों में 33.3 प्रतिशत पाई गई, जो उनके जनसंख्या अनुपात से अधिक है, हालांकि यह अंतर सप्लीमेंट्री सूची की तुलना में कम है। पूरे घटनाक्रम पर अब तक चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रभावित मतदाताओं को ट्रिब्यूनल में अपील करने का विकल्प जरूर दिया गया है, लेकिन पारदर्शिता को लेकर बहस जारी है।

केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग शुरु होगी 10 से 12 अप्रैल के बीच

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने घोषणा की है कि केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग 10 से 12 अप्रैल के बीच शुरू होगी। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि इस बार यात्रा को सुरक्षित, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। टिकटों की कालाबाजारी और धोखाधड़ी को रोकने के लिए यूकाडा ने इस बार 100 प्रतिशत ऑनलाइन टिकटिंग का फैसला किया है। पिछली बार की तरह इस बार भी बुकिंग का जिम्मा आईआरसीटीसी (आईआरसीटीसी) के पास ही रहेगा।

सालों का इंतजार खत्म ! अमरावती बनी आंध्र प्रदेश की राजधानी

सीएम नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने राष्ट्रीय नेतृत्व को दिया धन्यवाद

अमरावती (एजेंसी)। सालों के इंतजार के बाद, अमरावती को आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश की राजधानी घोषित कर दिया है। 6 अप्रैल को अधिसूचना पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे उस फ़ैसले को कानूनी पुष्टि मिल गई जिसका इंतजार 2014 में राज्य के बंटवारे के बाद से किया जा रहा था। अधिसूचना के मुताबिक अमरावती को 2 जून, 2024 से पिछली तारीख से आधिकारिक राजधानी के रूप में मान्यता दी जाएगी। इससे शासन में निरंतरता सुनिश्चित होती है, साथ ही शहर को प्रशासन के केंद्र के रूप में चुनने के फैसले को कानूनी रूप भी मिलता है। इस घोषणा के साथ ही तेलंगाना के गठन और हैदराबाद के साथ संयुक्त राजधानी की व्यवस्था के बाद से चली आ रही 12 साल की अनिश्चितता का दौर औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है।

आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने

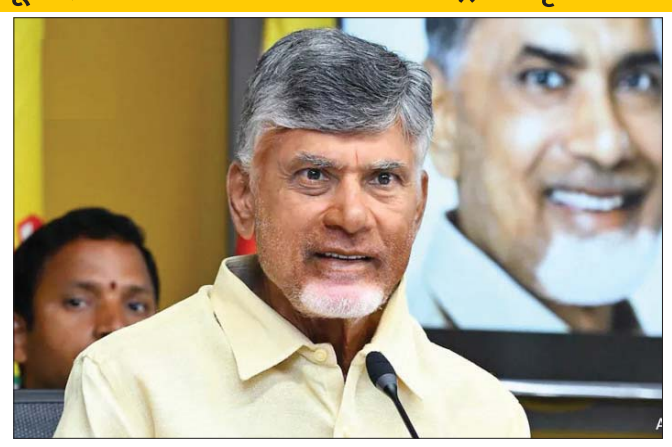

एक्स पर इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती है। इस तरह हैदराबाद को अस्थायी संयुक्त राजधानी बनाने की पिछली व्यवस्था को बदल दिया गया है। 28 मार्च को राज्य विधानसभा द्वारा अमरावती का समर्थन करने वाला प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद इस फैसले को और गति मिली। इसके बाद, 1 अप्रैल को लोकसभा ने इस विधेयक को मंजूरी दी और 2 अप्रैल को राज्यसभा ने इसे पारित कर दिया।

नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का धन्यवाद किया। उन्होंने इस कानून को अपनी सहमति देने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आंध्र प्रदेश की मेरी जनता, विशेष रूप से अमरावती के मेरे किसानों की जीत है। जहां कई लोगों ने इस कदम का स्वागत किया, वहीं विपक्ष ने इस फैसले पर सवाल उठाए। वॉयएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद गोल्ल बाबू राव ने इसकी आलोचना करते हुए इस कानून को एक नाटक बताया और कहा कि राजधानी में किसी भी बदलाव से समाज के सभी वर्गों के हितों की पूर्ति होनी चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का विपक्षी प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग चलाकर उन्हें हटाए जाने के विपक्षी प्रस्ताव को राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने खारिज कर दिया। इस पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने कहा, सभापति ने ये फैसला उस दबाव के तहत लिया जिसमें उन्हें पता

है कि पूर्व में जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार करने के बाद तत्कालीन सभापति का क्या हश्र हुआ था ! राज्यसभा द्वारा जारी संसदीय बुलेटिन2 के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए लाया गया प्रस्ताव खारिज कर दिया गया है। यह निर्णय राज्यसभा के सभापति द्वारा विस्तृत विचार-विमर्श के बाद लिया गया। निर्णय लेने में सभापति ने संवैधानिक रूप से प्रदत्त खास शक्तियों का उपयोग किया। उल्लेखनीय है कि 12 मार्च को राज्यसभा के 63 विपक्षी सदस्यों द्वारा एक नोटिस प्रस्तुत किया गया था। यह नोटिस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) और 124(4) के तहत दिया गया था। इसके साथ ही चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर्स एक्ट 2023 तथा जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 के प्रावधानों का हवाला दिया गया था। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त को उनके पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करना था। राज्यसभा के सभापति ने सभी तथ्यों और पहलुओं का गहन और निष्पक्ष मूल्यांकन करने के बाद इस प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 की धारा 3 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए नोटिस को 'एडमिट' नहीं किया। इस फैसले का सीधा अर्थ यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हटाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। मामला प्रारंभिक स्तर पर ही समाप्त हो गया। संसद में इस मुद्दे पर आगे कोई जांच या बहस नहीं होगी।

ममता बनर्जी शेरनी हैं, बीजेपी बंगाल में चुनाव कभी जीत नहीं पाएगी

-संजय राउत बोले- पीएम मोदी का इस्तीफा मांगना बिल्कुल सही

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी द्वारा पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग का समर्थन करते हुए उन्हें शेरनी बताया। मंगलवार को मुंबई में राउत ने कहा कि ममता बनर्जी की मांग उचित है और आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की सफलता पर विश्वास जताया। राउत ने कहा कि ममता ने पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग की है। वह बंगाल की शेरनी हैं। बीजेपी बंगाल में कभी जीत नहीं पाएगी। इस चुनाव में भी आपको इसका नतीजा देखने को मिल जाएगा। बंगाल हमेशा उनके शासन में रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने पीएम मोदी की उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया था। उन्होंने पीएम मोदी के अपने बयानों पर सवाल उठाते हुए उन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का आरोप लगाया। राउत ने कहा कि अगर पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोल रही है, तो वह किसकी भाषा बोल रहे हैं? ट्रंप ने भारत को कमजोर करने की कोशिश की है। हमारे पीएम को यह बात समझ नहीं आ रही है और हमारी सरकार ट्रंप के सामने झुक गई है।

इसके अलावा राउत ने बारामती में चल रहे चुनाव पर भी बात की, जहां कांग्रेस ने महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। उन्होंने इसे एक सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया बताया और दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान और प्रभावशाली नेता बताया। उन्होंने कहा कि अजित दादा के बाद बारामती में हो रहे चुनाव के संबंध में कांग्रेस ने सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। यह चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा है, कोई भी अपना उम्मीदवार खड़ा कर सकता है। इसे नकारा नहीं जा सकता। अजीत पवार एक महान नेता थे और महाराष्ट्र के बारामती में उनका प्रभाव काफी रहा, लेकिन उम्मीदवार खड़ा करना और चुनाव लड़ना लोकतंत्र का एक सामान्य हिस्सा है।

एसआईआर में हुए अपमान का बदला ले जनता: ममता दीदी

दीदी के बयान से चुनावी पारा चढ़ा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया में चुनाव आयोग द्वारा जो गड़बड़ियां की जा रही हैं। उससे पश्चिम बंगाल में भारी नाराजी देखने को मिल रहीहै। चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उसके बाद भी एसआईआर की कार्रवाई पूरी नहीं हुई है। मतदाता सूची अभी भी तैयार हो रही है। लाखों वोटर के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रत्येक जनसभा में जनता से आह्वान कर रही हैं। एसआईआर के माध्यम से जो अपमान चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं का किया जा रहा है। ममता दीदी ने कहा इसका बदला लिया जाना चाहिए। वोट के जरिए मतदाता अपने अपमान का बदला ले।

ममता दीदी लगातार चुनावी रैली को संबोधित कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कांग्रेस के साथ भारतीय जनता पार्टी का गुप्त समझौता है।

संविधान के चित्रकार के पोते और पत्नी का नाम कटा

पश्चिम बंगाल में फिर में संविधान की चित्रकार नंदलाल बोस के पोते सुप्रभद्र सेन जिनकी उम्र 88 वर्ष है तथा उनकी पत्नी का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है उनका नाम अभी भी पेंडिंग सूची में डाल कर रखा गया है जिसके कारण वह अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो जाएंगे सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश में उन्हें टर्मिनल में जाने का सुझाव दिया गया है इसी तरह से कांग्रेस की उम्मीदवार अरशद अली का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है।

ममता बनर्जी और टीएमसी का कहना है चुनाव को प्रभावित करने के लिए चुन चुन कर टीएमसी के वोटो का नाम मतदाता सूची से गायब किया गया है सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोई अंतिम तारीख तय नहीं की गई है इस बीच में चुनाव चल रहे हैं जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे वह मतदान नहीं कर पाएंगे चुनाव के बाद यदि उनके नाम जुड़ भी गए तो इसका सीधा नुकसान टीएमसी को होने जा रहा है जिसके कारण पश्चिम बंगाल का चुनावी पारा बहुत बढ़ा हुआ है लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर हो जाने के कारण जगह पर भारी विरोध होने की संभावना जताई जा रही है जिसके कारण कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित होगी

विपक्षी दलों के 196 सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव प्रस्तुत किया था इसे संसद के दोनों सदनों ने खारिज कर दिया है जिसके कारण सियासी पारा दिन प्रतिदिन चढ़ता जा रहा है।

यूपी के दंगल में चिराग पासवान की एंट्री: सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के बाद अब लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश की सियासी जमीन पर अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है। पार्टी ने आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में राज्य की सभी 403 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का औपचारिक ऐलान कर दिया है। इस फैसले ने उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है, क्योंकि चिराग की नजर अब यूपी के दलित और युवा वोट बैंक पर टिक गई है। लोकसभा चुनाव में 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ बिहार में अपनी ताकत साबित करने वाले चिराग पासवान अब पार्टी के राष्ट्रीय विस्तार की योजना पर काम कर रहे हैं।

पार्टी के पूर्वी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान ने स्पष्ट किया कि केंद्र में भले ही उनका गठबंधन भाजपा के साथ है, लेकिन उत्तर प्रदेश में फिलहाल किसी दल से गठबंधन नहीं है। पार्टी यहाँ यूपी फर्स्ट और यूपी वाले फर्स्ट के संकल्प के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। चिराग का मानना है कि उनके पिता स्वर्गीय

रामविलास पासवान का उत्तर प्रदेश में एक समय बड़ा आधार रहा है, जिसे फिर से संगठित कर पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हालांकि चिराग भाजपा के भरोसेमंद सहयोगी हैं, लेकिन सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का बयान एक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यदि भाजपा के साथ सीटों पर सम्मानजनक समझौता नहीं हुआ, तो पार्टी अकेले ही ताकत दिखाएगी। फिलहाल, संगठन ने जिला स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं और आने वाले महीनों में राज्य के प्रमुख शहरों में बड़ी रैलियों के जरिए शक्ति प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है।

बदलेंगे दलित राजनीति के समीकरण

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के गिरते ग्राफ और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी के उभार के बीच चिराग की एंट्री बेहद अहम मानी जा रही है। चिराग का लक्ष्य उन क्षेत्रों पर है जहाँ पासवान और अन्य दलित उपजातियों की संख्या प्रभावी है। उनका युवा चेहरा और ओजस्वी भाषण शैली युवाओं को आकर्षित करने की क्षमता रखती है, जो मायावती के पारंपरिक वोट बैंक और चंद्रशेखर की सक्रियता के लिए चुनौती बन सकती है।

नवजोत कौर सिद्धू ने भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी का किया ऐलान, पंजाब को स्वर्ण राज्य बनाने का संकल्प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले राज्य की सियासत में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी नई राजनीतिक पारी का आगाज कर दिया है। उन्होंने अपनी नई पार्टी के नाम की घोषणा करते हुए इसे भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी (बीआरपी) का नाम दिया है। नवजोत कौर ने स्पष्ट किया है कि यह पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प के रूप में उभरेगी और इसका प्राथमिक लक्ष्य पंजाब के खोए हुए गौरव को वापस लाना है।

सोशल मीडिया के जरिए इस नई शुरुआत की जानकारी साझा करते हुए नवजोत कौर ने लिखा कि यह एक ऐसी घोषणा है जिसका लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेताओं के प्रदर्शन को परखने के बाद उन्होंने देश के लिए अपना जीवन

समर्पित करने का फैसला लिया है। उनके मुताबिक, एक ईश्वरीय शक्ति ने समान सोच वाले उन लोगों को एकजुट किया है जिनमें साहस, आत्मविश्वास और हर राज्य में काम करने का दृढ़ संकल्प है। पार्टी का साझा लक्ष्य उच्च चेतना के माध्यम से समाज में न्याय, शांति और प्रेम स्थापित करना है।

नवजोत कौर का यह कदम पंजाब की राजनीति में त्रिकोणीय मुकाबले को और दिलचस्प बना सकता है। वर्तमान में राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि कांग्रेस और भाजपा अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी हैं। बीआरपी की एंट्री से खास तौर पर सत्ताधारी दल और मुख्य विपक्षी दलों के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। नवजोत कौर ने वादा किया है कि वह पंजाब को फिर से गोल्डन स्टेट बनाएंगी, जहां लोगों को न्याय, आजादी और बिना किसी बाहरी दखल के रहने का अधिकार होगा। गौरतलब है कि नवजोत कौर सिद्धू को हाल ही में कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपये की मांग किए जाने के गंभीर आरोप लगाकर सियासी गलियारों में हड़कंप मचा दिया था। इसके बाद कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने उनके निष्कासन की पुष्टि की थी। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष राजा वडिंग पर भी तीखे हमले किए थे। अब नई पार्टी के गठन के साथ ही नवजोत कौर ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही संगठन विस्तार को लेकर बड़ी घोषणाएं की जाएंगी, जो आगामी चुनावों में भाजपा और अन्य दलों के समीकरण बिगाड़ सकती हैं।

घुसपैठ और तस्करी पर लगाम लगाने भारत-बांग्लादेश सीमा पर छोड़े जाएंगे सांप-मगरमच्छ!

-175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका, सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर घुसपैठ और तस्करी पर लगाम कसने पारंपरिक बाड़ और टेक्नोलॉजी के अलावा प्रकृति का खतरनाक हथियार इस्तेमाल करने की तैयारी चल रही है। खबर है कि बीएसएफ ने अपने फील्ड यूनिट्स को निर्देश दिया है कि वे नदी और दलदली इलाकों में सांप और मगरमच्छ जैसे सरीसृपों के इस्तेमाल की संभावनाओं का अध्ययन करें। भारत-बांग्लादेश की 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा में करीब 175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका है, जहां बाढ़ और भौगोलिक स्थिति के कारण सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं होता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में बीएसएफ अब प्रकृति को ही सुरक्षा का हथियार बनाने की सोच रही है। माना जा रहा है कि अगर यह योजना लागू होती है, तो घुसपैठियों के लिए सीमा पार करना पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक हो सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के बाद यह विचार सामने आया है। 26 मार्च को बीएसएफ मुख्यालय से भेजे गए एक आंतरिक संदेश में कहा गया है कि जिन नदी वाले इलाकों में बाड़ लगाना संभव नहीं है, वहां 'प्राकृतिक अवरोध' के तौर पर सांप और मगरमच्छ जैसे जीवों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, फिलहाल यह योजना केवल चर्चा और व्यवहार्यता जांच के स्तर पर है, इसे लागू करने का कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

बता दें इस साल फरवरी में दिल्ली स्थित बीएसएफ मुख्यालय में हुई बैठक के बाद यह कम्युनिकेशन जारी किया गया। संदेश में सीमा चौकियों को 'डार्क जोन' के रूप में चिन्हित करने और वहां रहने वाले गांववालों के खिलाफ दर्ज मामलों की रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बीएसएफ के एक अधिकारी ने साफ किया कि अभी यह सिर्फ चर्चा का विषय है। अभी तक सांप-मगरमच्छ तैनात करने का कोई आदेश नहीं दिया गया है। सिर्फ संभावना तलाशने को कहा है। इसमें कई चुनौतियां हैं,जसरीसृपों को कहां से लाया जाए, उनका रखरखाव कैसे हो और नदी किनारे रहने वाले स्थानीय लोगों पर इसका क्या असर पड़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर यह योजना लागू हुई तो घुसपैठिए और तस्करों के लिए भारत में घुसने का ख्याल आते ही वह कांप जाएंगे। नदी के पानी में मगरमच्छ और घने जंगलों में जहरीले सांप हैज्यह सोचकर ही कोई भी गैरकानूनी तरीके से सीमा पार करने से पहले कई बार सोचेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि नदी वाले इलाकों में जहां फेंसिंग नहीं लग पाती, वहां प्राकृतिक बाधाएं काफी प्रभावी साबित हो सकती हैं, लेकिन साथ ही यह भी चिंता जताई कि बाढ़ के समय ये सरीसृप दोनों तरफ के गांवों के लिए खतरा बन सकते हैं।

बीएसएफ अधिकारी मानते हैं कि सांप और मगरमच्छ तैनात करना आसान नहीं होगा। इनकी खरीद, रखरखाव, प्रजनन और स्थानीय पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव

को ध्यान में रखना होगा। साथ ही बाढ़ के मौसम में इनके गांवों में घुस आने का खतरा भी बना रहेगा। फिलहाल यह प्रस्ताव चर्चा के चरण में है। बीएसएफ पूर्वी कमांड को डार्क जोन की मैपिंग करने और रिपोर्ट देने को कहा गया है।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजराज टाइटंस में मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजराज टाइटंस से होगा। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसका लक्ष्य इस मैच को किसी भी प्रकार जीतना रहेगा। वहीं दूसरी ओर गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की टीम भी इस मैच को जीतकर लय हासिल करना चाहेगी। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच ही 7 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 4 गुजरात जबकि 3 दिल्ली ने जीते हैं। दोनो के बीच पिछला मुकाबल साल 2025 में हुआ था जिसमें गुजरात जीती थी।

इस बार हालांकि हालात अलग हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ। ऐसे में गुजरात के बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना कठिन होगा। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी अच्छे फार्म में हैं। रिजवी ने पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसके पास के एल राहुल जैसा शीर्ष स्तर का बल्लेबाज भी है। राहुल हालांकि इस सत्र में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनका लक्ष्य लंबी पारी खेलना रहेगा। तीसरे नंबर पर नीतीश राणा पर भी इस मैच में रन बनाने का दबाव रहेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। दिल्ली के सलमी बल्लेबाजों को पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज से सावधान रहना होगा।

दिल्ली कैपिल्स की गेंदबाजी लुंगी एनगिडी, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव पर निर्भर करेगी। कप्तान अक्षर पटेल भी एक अच्छे स्पिनर हैं और उनका भी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा टीम के पास टी नटराजन जैसा तेज गेंदबाज भी है। वहीं शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स इस बार एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे हैं। टीम अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों साई सुदर्शन और शुभमन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम भी अबतक विफल रहा है।

गुजरात की टीम अपने पिछले मैच में

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी। टीम के पास ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी हैं पर अब तक ये रन नहीं बना पाये हैं। कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछले मैच से बाहर थे पर इस मैच से उनकी वापसी तय है। गुजरात के बल्लेबाजों ही नहीं गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। सिराज और रबाडा दोनो ही अब तक विकेट लेने में तो सफल रहे हैं पर इन्होंने काफी रन दिये हैं। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं है। केवल स्पिन राशिद और युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा अब तक अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं।

इस प्रकार देखा जाये तो इस मैच में दिल्ली जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। ऐसे में गुजरात को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

विराट और अनुष्का के फिल्म धुरंधर की प्रशंसा से उत्साहित हैं आदित्व धर

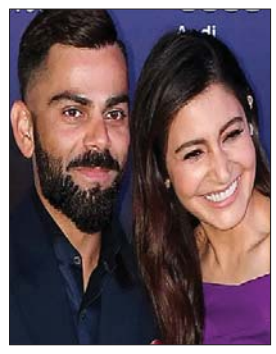

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने डायरेक्टर आदित्व धर की फिल्मी 'धुरंधरः द रिवेंज' की जमकर प्रशंसा की है। इसी को लेकर आदित्य धर भी उत्साहित हैं।

अदित्य ने कहा कि जिस प्रकार से कोहली ने कहा कि उन्होंने भारत में इससे पहले ऐसी फिल्म नहीं देखी से उनका हौंसला बढ़ा है। आदित्य धर ने लिखा, 'वाह! भरोसा नहीं हो रहा कि ये सच में हो रहा है विराट, इसका मेरे लिए बहुत मतलब है। मैं आपका अंडर-19 विश्व कप के दिनों से प्रशंसक हूं।'

उन्होंने साथ ही लिखा, 'एक पीढ़ी में एक बार आने वाले लीजेंड को इस तरह प्यार दिखाते देखना अलग ही एहसास है। जिस तरह आप हर बार देश का नाम रोशन करते हैं, वो हमें भी प्रेरित करता है। इसी प्रकार हम भी अपनी फिल्मों के जरिए भारत का नाम ऊंचा करने का प्रयास करते रहेंगे जय हिंद।'

आदित्य ने अनुष्का की तारीफ का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने फिल्म में एक्टिंग की सराहना की थी। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए निर्देशक ने लिखा, 'इतनी बेहतरीन कलाकार से ऐसी प्रतिक्रिया मिलना वाकई भावुक कर देने वाला अनुभव है। बहुत-बहुत धन्यवाद।'

इससे पहले विराट ने फिल्म को बेमिसाल सिनेमाई अनुभव बताया था। उन्होंने कहा था कि करीब चार घंटे की फिल्म के दौरान वह एक बार भी नहीं हिले और रणवीर सिंह के अभिनय को उन्होंने शीर्ष स्तर का बताया। अभिनेत्री अनुष्का ने भी फिल्म की सोच और क्राफ्ट की तारीफ की थी। उन्होंने इसे 'रोमांचक और डूब जाने वाला' बताया और आदित्य की सोच और कास्ट की एक्टिंग की सराहना की थी।

20 अप्रैल के बाद ही खेल पायेंगे दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज स्टार्क

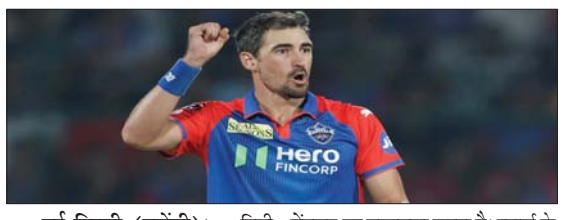

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिल्स टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अभी फिट नहीं हैं और ऐसे में वह अगले तीन मैचों में नहीं खेलेगे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए ये करारा झटका है क्योंकि स्टार्क उसके सबसे अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली को बुधवार को गुजरात टाइटंस से खेलना है जिसमें उसे स्टार्क की कमी खलेगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार स्टार्क इस समय कंधे और कोहनी की चोट से जूझ रहे है। माना जा रहा है कि वह 20 अप्रैल के बाद ही खेलने के लिए फिट हो पायेंगे। वहीं इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को तीन मैच खेलने हैं जिसमें उसे इस तेज गेंदबाज के बिना उतरना होगा। उसे 8 अप्रैल को गुजरात टाइटंस, 11 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और 18 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मुकाबला करना है। स्टार्क के बाहर होने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीत लिए हैं जिससे उसका मनोबल मजबूत हुआ है।

टीम ने गेंदबाजी में मुकेश कुमार, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और विप्राज निगम को शामिल किया है। स्टार्क के टीम में जुड़ने से दिल्ली की गेंदबाजी की धार बढ़ेगी।

इससे पहले स्टार्क ने कहा था कि वह केवल फिटनेस के कारण बाहर हैं। इसका कोई और मतलब नहीं निकालें। स्टार्क ने लिखा कि मीडिया में उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाये जा रहे हैं पर ये गलत है वह केवल फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम, खेलेगी चार मैचों की सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम इस महीने चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। यह सीरीज 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स स्थित सिनार्ड में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारत अपने घरेलू मैदान पर मजबूत दक्षिण अमेरिकी टीम अर्जेंटीना से भिड़ेगा, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को खेले जाएंगे, जिनका समय स्थानीय समयानुसार सुबह 11:00 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे) रहेगा।

भारत और अर्जेंटीना के बीच पिछले कुछ वर्षों में कड़े मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के दौरान 2-2 से ड्रॉ मुकाबला भी शामिल है, जिसका फैसला शूटआउट से हुआ था। यह दौरा भारत के लिए उच्च स्तर की अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच अभ्यास का अवसर प्रदान करेगा और हॉकी इंडिया की रणनीतिक योजना के अनुरूप टीम को 2026 के एफआईएच हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड) और इस साल होने वाले एशियाई खेलों से पहले लय हासिल करने में मदद करेगा।

यह सीरीज भारत के लिए काफी अहम तैयारी साबित होगी, जिसमें टीम को चार तेज-तर्रार मैच

खेलने का मौका मिलेगा। साथ ही, कोचिंग स्टाफ को खिलाड़ियों के विभिन्न संयोजन और रणनीतियों को आजमाने का अवसर भी मिलेगा, क्योंकि टीम अपने कैलेंडर के महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रही है।

दौरे को लेकर भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच श्योर्ड मारिन ने कहा, 'हम 24 खिलाड़ियों के दल के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं और यह एक सोचा-समझा फैसला है। इस दौरे का मकसद ज्यादा खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर प्रदर्शन का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और वहां का माहौल हमें बताएगा कि हर खिलाड़ी किस स्तर पर खड़ा है। हम देखना चाहते हैं कि दबाव के समय कौन खिलाड़ी आगे आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस टीम में जगह बनाने के लिए सबसे पहले एक टीम खिलाड़ी होना जरूरी है। व्यक्तिगत क्षमता महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि आप टीम के साथ तालमेल नहीं बैठा सकते और एक-दूसरे के लिए काम नहीं कर सकते, तो इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा।'

दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर गिरफ्तार

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर पर ड्रिंक एंड ड्राइव का गंभीर आरोप लगा है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे मारूब्रा इलाके में रैंडम ब्रीथ टेस्टिंग के दौरान वॉर्नर को रोका गया। पुलिस ने बयान में बताया कि वॉर्नर की कार टेस्टिंग पॉइंट से पहले ही रुक गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने उन्हें चेक किया। रोडसाइड टेस्ट में वॉर्नर का रिजल्ट पॉजिटिव आया। इसके बाद उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां दोबारा टेस्ट में उनका अल्कोहल लेवल 0.104 पाया गया। यह ऑस्ट्रेलिया की कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा बताया जा रहा है। इस मामले में उन्हें कोर्ट में पेश होने का नोटिस जारी किया गया है। डेविड वॉर्नर को डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में पेश होना होगा। फिलहाल इस मामले ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है, क्योंकि वॉर्नर का नाम हमेशा बड़े खिलाड़ियों में गिना जाता रहा है।

सैमसन के कमजोर प्रदर्शन से चिंतित नहीं कोच फ्लेमिंग

बेंगलुरु। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था पर वह शुरुआती तीनो ही मैचों में असफल रहे हैं। जिससे सीएसके को भी काफी नुकसान हुआ है और टीम तीनो मैचों में हारी है हालांकि सैमसन की इस प्रकार असफल होने से टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग चिंतित नहीं हैं। फ्लेमिंग का कहना है कि सैमसन के तीन मैच के खराब प्रदर्शन से परेशान होने की जरुरत नहीं है। कोच ने कहा कि

वह हाल ही में टीम में आये हैं और टीम के माहौल के अनुसार रहने की प्रक्रिया से गुजर रहा है पर रन बनाने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। सैमसन अब तक तीन मैचों में छह, सात और 9 रन ही बना पाये हैं। फ्लेमिंग ने कहा, जब आप किसी फ्रेंचाइजी में लंबे समय से खेल रहे हों तो फिर किसी नई टीम में जाने के बाद एकद से अलग माहौल मिलता है जिससे ढलने में समय लगता है। भले ही वह शायद काफी सहज महसूस करता हो, फिर भी अपनेपन की भावना बनी रहती है और वह इस टीम के माहौल में ढलने की प्रक्रिया से गुजर रहा है। फ्लेमिंग ने कहा कि ये विकेटकीपर बल्लेबाज हासिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, टीम पांच या छह बदलाव हुए हैं। ऐसे में टीम में बेहतर तालमेल बिठाने के लिए अभी और प्रयास करना होगा। वह टीम में बहुत अच्छे से घुल-मिल गया है। फ्लेमिंग ने कहा, वह रन बनाने और सीनियर खिलाड़ियों के साथ योगदान देने के लिए तैयार हैं। हमने विश्व कप में उसके प्रदर्शन में देखा कि जब वह लय में आ जाता है तो वह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए इस खिलाड़ी को प्रबंधन की ओर से अपने अनुसार खेलने की आजादी है। वहीं लीग में अब तक रन नहीं बना पाये युवा आयुष म्हात्रे को लेकर फ्लेमिंग ने कहा कि उसके जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ धैर्य रखने की जरूरत है जिससे वे निरंतरता हासिल कर सकें। म्हात्रे ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया था लेकिन बेंगलुरु के खिलाफ वह एक रन ही बना पाए थे। उन्होंने कहा, हमारी टीम में अच्छा संतुलन है। हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और हमें यह स्वीकार करना होगा कि गलतियां भी होंगी। हमारे पास माइक हसी के रूप में एक बहुत अच्छा मार्गदर्शक है, जो एक बेहतरीन बल्लेबाजी कोच हैं और खेल की अच्छी समझ रखते हैं।

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के कारणों का खुलासा किया

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने साल 2025 में अचानक ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा कर सभी को हैरान कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि वह विदेशी लीग में खेलने के लिए ये कदम उठा रहे हैं। वहीं अब एक साल बाद अश्विन ने खुलासा किया है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहते हुए उन्हें मानसिक परेशानी के दौर से गुजरना पड़ा था जिसके कारण उन्हें सन्यास की घोषणा करनी पड़ी। अश्विन के अनुसार अगर उस तरह की परेशानी नहीं आती तो वह इतनी जल्दी आईपीएल नहीं छोड़ते और कुछ समय इस लीग में बने रहते। अश्विन ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके एक साल बाद उन्होंने आईपीएल से भी संन्यास की घोषणा कर दी थी। इस स्पिनर ने कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने के संशय से बचाने के लिए स्वयं ही आईपीएल छोड़ दिया था।

अश्विन ने कहा, मेरा सीएसके के साथ सत्र अच्छा नहीं रहा था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक सत्र था। सच कहूं तो मुझे लग रहा था कि मैं और खेल सकता हूं पर मैंने अचानक ही इसलिए संन्यास ले लिया क्योंकि में भावनात्मक रूप से कई अन्य चीजों को साथ लेकर नहीं खेल सकता था। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा करने से पहले 2025 के सत्र में कम अवसर किए जाने के बाद सीएसके से कहा था कि उनकी भूमिका को स्पष्ट किया जाये। वह सीएसके के 14 मैचों में से केवल 9 मैच में ही खेले थे। सीएसके से ही उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी, इसलिए वह इस टीम से भावनात्मक रुप से जुड़े थे। उन्होंने कहा, मैं वहां नहीं जाना चाहता। यह मानसिक रूप से परेशान करने वाला है। यह मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था। मैं वहां नहीं जाना चाहता था। मैंने थोड़ी चर्चा की और फिर फैसला किया कि मैंने चेन्नई से शुरुआत की है और मैं अपने गृहनगर में ही इसे समाप्त कर रहा हूं। अश्विन ने कहा, मैंने संन्यास लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि इससे उन्हें मुझे टीम में बनाए रखने या बाहर करने का फैसला लेने के लिए दुविधा में नहीं पड़ना पड़ा। इसके अलावा मेरे

संन्यास लेने से उनकी 10 करोड़ रुपये की बचत भी हुई।

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप से मिश्रित युगल जोड़ियां बाहर

निंगबो। भारत की बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप 2026 के मिश्रित युगल में शुरूआत निराशाजनक रही जब उसकी दोनों जोड़ियां मंगलवार को पहले दौर से हारकर बाहर हो गई। रोहन कपूर और रूत्विका शिवानी गाडे की जोड़ी मलेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त गोह सून हुआत और लेइ शेवोन जैमी की जोड़ी से 34 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गई। एक अन्य मैच में असित सूर्या और अमृता प्रथमेश की जोड़ी मलेशिया के वोंग तियेन सि और लिम चियू सियेन से 31 मिनट में 16-21, 15-21 से हार गई। एकल वर्ग के मुकाबले बुधवार से शुरू होंगे। पुरुष एकल में आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप उपविजेता लक्ष्य सेन का सामना हांगकांग के ली चियुक यू से होगा। वहीं महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से खेलेंगी। भारत की पुरुष टीम में सेन के अलावा किदाम्बी श्रीकांत, एच एस प्रणय और आयुष शेट्टी भी हैं। वहीं महिला टीम में सिंधू के साथ तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा और मालविका बंसोड़ हैं।

कप्तान के तौर पर ईशान किशन जबरदस्त रहे हैं, वह सलाह भी मांगते हैं : हेनरिक क्लासेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बड़े-बड़े शॉट लगाने वाले बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कप्तान ईशान किशन की जमकर तारीफ की है। उन्होंने किशन को एक बेहतरीन कप्तान बताया और कहा कि जिस तरह से टीम इस युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज का साथ देती है, वह 'बस जबरदस्त' है। इसके अलावा फैसले लेने में उनकी शांति और टीम में मौजूद अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करने की उनकी इच्छा भी काबिले-तारीफ है।

किशन को SRH का अंतरिम कप्तान बनाया गया था क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस कमर की चोट से उबरने की वजह से शुरुआती मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे। उनकी कप्तानी में स्क्वाड ने एक मैच जीता है, जबकि दो मैच हारे हैं और पॉइंट्स टेबल पर 5वें स्थान पर है।

क्लासेन ने कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि अब तक वह बहुत बढ़िया रहे हैं। वह ऐसे इंसान हैं जो सलाह मांगते हैं। जैसा कि मैंने कहा, हमारे ड्रेसिंग रूम में बहुत अनुभव है। इसलिए वह

उस अनुभव का फायदा भी उठाते हैं। लेकिन उनके फैसले लेने का तरीका, जिस तरह से वह गेंदबाजों को बदलते हैं और जिस तरह से टीम उनकी बात सुनती है, वह अब तक बस जबरदस्त रहा है।'

उन्होंने कहा, 'तो जैसा कि मैंने कहा कि टीम बहुत अच्छे हाथों में है और अच्छी बात यह है कि वह बिल्कुल भी घमंडी इंसान नहीं हैं, जिससे चीजें काफी आसान हो जाती हैं। उनकी कप्तानी में खेलना सच में बहुत मजेदार होता है। इसलिए बीच-बीच में काफी मजाक-मस्ती होती रहती है ताकि माहौल ज्यादा गंभीर न हो जाए, क्योंकि मुझे लगता है कि यह माहौल कभी-कभी खेलने के लिए काफी मुश्किल हो सकता है।'

क्लासेने ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह बहुत बढ़िया रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें काफी सफलता मिली है। मुझे लगता है कि उनकी घरेलू टीम ने एक टूर्नामेंट जीता था (झारखंड ने उनकी कप्तानी में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी)। तो इस मामले में उनके पास काफी अनुभव है। लेकिन अब तक, मुझे उनकी कप्तानी में सच में बहुत मजा आया है और वह अब तक जबरदस्त रहे हैं।'

आवेश बल्ला जमीन पर मारने के कारण विवादों में आये

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज आवेश खान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में आचारसंहित उल्लंघन के आरोप लगे हैं। इस मैच के अंतिम ओवर के दौरान जैसे ही कप्तान ऋषभ पंत ने विजयी रन बनाये। आवेश ने जीत की खुशी में बल्ला मैदान पर मार दिया। इसी को लेकर आपत्ति जतायी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि आवेश इस प्रकार की हरकतें पहले भी करते रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इस प्रकार से बल्ला मारे जाने को नियमों का उल्लंघन करार दिया है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि पेनल्टी के रूप में विरोधी टीम को 5 रन दिए जाने चाहिए थे। वहीं पूर्व अंपायर अनिल चौधरी ने आवेश खान ने सच में नियमों का उल्लंघन किया है। चौधरी का कहना है, 'आवेश ने जल्दी जश्न मनाते हुए बल्ला मैदान पर लगा दिया। पहले भी एक मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने जीतने के बाद हेलमेट फेंक दिया था, जिसके बाद उन पर फाइन लगा था। उन्हें इस प्रकार नियमों का उल्लघन नहीं करना चाहिये।' वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सनराइजर्स हैदराबाद के प्रबंधन ने आवेश के व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इस मामले की शिकायत भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई से की जाएगी।

क्या बदलेगा आईपीएल का पूरा फार्मेट? ललित मोदी के दावे से मचा हड़कंप, हजारों करोड़ हैं दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है और इस बार वजह है लीग के पूर्व आयुक्त ललित मोदी का बड़ा दावा। उन्होंने कहा है कि मौजूदा प्रारूप के कारण लीग हर साल हजारों करोड़ रुपये के अतिरिक्त राजस्व से वंचित हो रही है।

बता दें कि हाल ही में दो टीमों की ऊंची कीमत पर बिक्री के बाद आईपीएल की कुल वैल्यू को लेकर काफी उत्साह देखा गया, लेकिन ललित मोदी का मानना है कि मौजूदा ढांचा पूरी क्षमता के हिसाब से काम नहीं कर रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने यह सवाल उठाया है कि जब लीग में टीमों की संख्या बढ़कर दस हो चुकी है, तो फिर सभी टीमों के बीच पूरा घरेलू और बाहरी मुकाबलों का प्रारूप क्यों लागू नहीं किया जा रहा है।

गौरतलब है कि आईपीएल की शुरुआत में हर टीम के लिए तय था कि वह बाकी सभी टीमों के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेगी। अगर इसी मॉडल को लागू किया जाए तो लीग चरण में कुल मुकाबलों की संख्या करीब 90 तक पहुंच सकती है, जिसके बाद नॉकआउट मुकाबले होते हैं। लेकिन फिलहाल लीग 74 मुकाबलों के साथ ही चल रही है, जिससे कई संभावित मैच कम हो जाते हैं।

ललित मोदी का कहना है कि हर मुकाबले से मिलने वाली आय का बड़ा हिस्सा सीधे बोर्ड और टीमों को जाता है। ऐसे में जब मैच कम होते हैं तो सीधा असर टीमों की कमाई और उनकी वैल्यू पर पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ खेल का मामला नहीं बल्कि एक व्यावसायिक समझौता है, जिसमें टीमों को घरेलू और बाहरी दोनों तरह के मुकाबले मिलने चाहिए।

मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने अनुमान लगाया है कि अगर पूरा घरेलू-बाहरी प्रारूप लागू किया जाए तो केवल प्रसारण अधिकारों से ही हजारों करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई हो सकती है। उनका दावा है कि इससे बोर्ड को बड़ा फायदा होगा और टीमों की कमाई भी बढ़ेगी, जिससे उनकी बाजार कीमत अपने आप बढ़ जाएगी।

आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीगों में से एक बन चुकी है और इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में प्रारूप को लेकर उठ रहे सवाल यह संकेत देते हैं कि भविष्य में लीग के ढांचे पर फिर से विचार किया जा सकता है। हालांकि, व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर और खिलाड़ियों के कार्यभार जैसे मुद्दे भी इस फैसले को प्रभावित करते हैं।

कुल मिलाकर यह बहस अब सिर्फ मैचों की संख्या तक सीमित नहीं रही, बल्कि लीग के आर्थिक मॉडल और दीर्घकालिक रणनीति से भी

जुड़ गई है। आने वाले समय में इस पर क्या फैसला होता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

राजकुमार राव ने शुरू की गांगुली बायोपिक की शूटिंग

राजकुमार राव ने हाल ही में अपनी फिल्म टोस्टर की अनाउंसमेंट की थी, जो नेटफ्लिक्स पर 15 अपैल को रिलीज होगी। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की। बता दें कि एक्टर 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' फिल्म की शूटिंग की शुरुआत कर चुके हैं, जो पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली पर आधारित होगी। उन्होंने पोस्ट शेयर कर कैप्शन दिया- और अब इसकी शुरुआत हो चुकी है। फिल्म को लव फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है।

बॉलीवुड सेलेब्स ने दी बधाई

पोस्ट शेयर करने के बाद बॉलीवुड सेलेब्स ने भी एक्टर को उनके प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं दी हैं। फराह खान, नेहा धूपिया और सचेत टंडन ने पोस्ट पर 'ऑल द बेस्ट' कमेंट किया। वहीं ऋत्विक साहोरे, अपारशक्ति खुराना और ईशा अग्रवाल ने भी एक्टर की पोस्ट पर कमेंट कर बधाई दी।

फिल्म के बारे में

बता दें कि फिल्म को विक्रमादित्य मोटवानी डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली, जिन्हें 'दादा' के नाम से जाना जाता है, उनके जीवन और उनके क्रिकेटिंग करियर पर आधारित होगी। इस मूवी पर काफी समय से काम चल रहा था, और इसके लिए राजकुमार राव ने वजन भी घटाया है। हालांकि अभी तक फिल्म की अन्य कास्ट और इसकी रिलीज डेट को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

15 अप्रैल को रिलीज होगी 'टोस्टर'

राजकुमार राव फिल्म टोस्टर में नजर आने वाले हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म की बाकी कास्ट की बात करें तो इसमें राजकुमार राव के साथ सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अभिषेक बनर्जी, अर्चना पूरण सिंह, सीमा पाहवा और जितेंद्र जोशी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कुब्रा सैत ने बताया कैसे हुई 'फर्जी 2' में एंट्री

कुब्रा सैत फिल्मों से लेकर वेब सीरीज तक और बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी तक लगातार काम कर रही हैं। वो कई बड़ी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रही हैं। अब अभिनेत्री शाहिद कपूर की 'फर्जी 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। शो में कुब्रा से फिर नजर आएंगी। इस बीच अभिनेत्री ने शो को लेकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने 'फर्जी 2' को हां कहा था?

दोनों सीजन के लिए तुरंत कह दिया था हां

बातचीत के दौरान कुब्रा ने बताया कि उन्होंने 'फर्जी 2' के लिए तुरंत हामी भर दी थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं बस इतना कह सकती हूं कि मैंने सीजन एक और सीजन दो के लिए साइन कर लिया था। इसलिए आपको इसे देखना ही होगा, मैं कसम खाती हूं। मेकर्स ने मुझे बताया कि वे सीजन दो के लिए एक किरदार लिख रहे हैं। मैंने कहा, 'ठीक है।' उन्होंने कहा, 'आपको पहले सीजन एक करना होगा।' मैंने कहा, 'ठीक है।' बस बात खत्म और कुछ सोचने की जरूरत नहीं थी।

मैं नहीं लेती कोई दबाव

प्रोजेक्ट पर गर्व जताते हुए कुब्रा ने कहा कि शो जिस तरह से बना है, उस पर मुझे बहुत गर्व है और मैं दूसरे सीजन के लिए बेहद उत्साहित हूं। मुझे बस इस बात की खुशी है कि मुझे मारा नहीं गया। मैंने लोगों को मारा, लेकिन मैं बच गई। मैं सीक्वल फिल्मों और

उनसे जुड़ी उम्मीदों को लेकर कोई दबाव नहीं लेती। ये राज और डीके का काम है, सुमन कुमार का काम है और किशोर का काम है। उन्हें करने दीजिए। मैं इन बातों की चिंता नहीं करती।

समय के साथ हुई मजबूत

समय के साथ अपने नजरिए में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि शायद जब मैं छोटी और अनुभवहीन थी, तब मैंने दबाव महसूस किया होगा, जब मुझे लगता था कि पूरी दुनिया मेरे इर्द-गिर्द घूमती है। लेकिन जब आपको पता होता है कि आपने अपना काम ईमानदारी से किया है, तो आप इसे जाने देते हैं। समय के साथ यह विश्वास और भी मजबूत हुआ है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में लोगों को समझने में समय लगता है। जब 'सेक्रेड गेम्स' रिलीज हुई, तब मैं मीडिया के लिए नई नहीं थी। मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती रही। जब मैंने 'रेडी' की शूटिंग की, तब मुझे यह भी नहीं पता था कि पीआर का मतलब क्या होता है? मैंने सचमुच एक रेस्टोरेंट के बाहर लोगों से इंटरव्यू लिया क्योंकि मैं चाहती थी कि लोग मुझे जानें।

राशा थडानी ने बताया क्यों पसंद हैं दक्षिण भारत की फिल्में!

एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को साउथ सिनेमा में डेब्यू करके बेहद खुशी हो रही है। वो अपनी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' से साउथ में कदम रखने जा रही हैं और उन्होंने ये भी बताया है कि उन्हें वहां की क्या अच्छा लगता है।

राशा थडानी की साउथ सिनेमा में एंट्री

फिल्म इंडस्ट्री में अभी सिर्फ एक फिल्म ही कर चुकीं राशा थडानी अब साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। उनकी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' है। हाल ही में, इसी महीने उनके जन्मदिन पर, फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के बिहाइंड द सीन्स का एक वीडियो रिलीज किया, जिसमें राशा थडानी के लुक की झलक मिलती है। फिल्म को मिल रहे रिएक्शन से एक्ट्रेस बेहद खुश हैं और इस नए प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटेड हैं। राशा थडानी ने पिछले साल आमन देवगन के साथ फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया था। इस नए प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित राशा कहती हैं, 'मुझे साउथ सिनेमा देखना बहुत पसंद है, चाहे वो प्रभास सर की फिल्में हों, जूनियर एनटीआर सर की हों, महेश बाबू सर की हों या किसी और की। मुझे उनकी फिल्मों का भव्य अंदाज बहुत अच्छा लगता है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना वाकई बेहद खुशी की बात है।' रश्मिका के बारे में बोलीं राशा 21 साल की राशा आगे कहती हैं कि उनकी फीमेल को-स्टार्स चाहे रश्मिका मंदाना हों या श्रीलीला, सभी बेहद प्रेरणादायक हैं।

राशा थडानी का साउथ में डेब्यू

राशा थडानी इस लव स्टोरी से साउथ सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं, जिसमें महेश बाबू के भतीजे जया कृष्णा घट्टमनेनी भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अजय भूपति कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले फिल्म आरएक्स 100 का निर्देशन किया था। श्रीनिवासा मंगपुरम की आधिकारिक घोषणा नवंबर 2025 में की गई थी।

राशा की फिल्म 'लाइका लाइकी'

अब राशा अपनी दूसरी फिल्म 'लाइका लाइकी' की रिलीज के लिए भी तैयार हैं, जिसमें उनके साथ अभय वर्मा लीड रोल में हैं। फिल्म के पहले पोस्टर इस साल की शुरुआत में जारी किए गए थे और एक्ट्रेस को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुशी है। पोस्टरों के अनोखे फीचर ने कहानी को लेकर फैंस को एक्साइटेड कर दिया है और राशा इस बात से खुश हैं कि दर्शक अभी से फिल्म को लेकर खुश हैं।

फिल्म को लेकर एक्साइटेड हैं राशा

फिल्म के बारे में बात करते हुए राशा कहती हैं, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत बड़ी होने वाली है, और यह पहले से ही है। निर्देशक सौरभ गुप्ता ने 'एनिमल' के डायलॉग लिखे हैं और अभय बहुत खास हैं। यह फिल्म लोगों को चौंका देगी और मुझे उम्मीद है कि यह लोगों की मुझसे अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी।'

ऋषभ शेट्टी की 'छत्रपति शिवाजी महाराज' में विलेन का किरदार निभाएंगे अर्जुन रामपाल

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल इन दिनों चर्चा में हैं। उनकी हालिया फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है और अर्जुन के खलनायक किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। अब इस सफलता के बाद अर्जुन रामपाल जल्द ही ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' में मुख्य विलेन के रूप में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में अर्जुन रामपाल एक ताकतवर विरोधी का किरदार निभाएंगे, जो मुख्य नायक यानी ऋषभ शेट्टी के किरदार से टक्कर लेगा। उनके इस रोल को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में पहले से ही उत्साह है। फैंस अर्जुन के नए अवतार के लिए बेहद उत्साहित हैं और उनकी एक्टिंग रेंज को इस रोल में और मजबूत होने की उम्मीद है। छत्रपति शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास के महान योद्धा की जीवन गाथा पर आधारित एक महाकाव्य फिल्म है। इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस, रणनीति, नेतृत्व और राष्ट्रप्रेम को दर्शाया जाएगा। फिल्म में शेफाली शाह राजमाता जीजाबाई के किरदार में दिखाई देंगी। प्रोडक्शन इस साल के मध्य में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म तकनीकी दृष्टि से भव्य होगी और इसके सेट, विजुअल इफेक्ट्स और कॉस्ट्यूम डिजाइन को लेकर खास तैयारी की जा रही है।

अर्जुन रामपाल का किरदार

अर्जुन रामपाल ने 'धुरंधर 2' में अपने खलनायक किरदार के लिए खूब सराहना पाई। अब वह एक और बड़े प्रोजेक्ट में विलेन की भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित करने वाले हैं। उनकी भूमिका केवल एक विलेन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि फिल्म की थ्रिल और इमोशनल इंटेंसिटी में चार-चांद लगाएगी। सोशल मीडिया पर फैंस ने अर्जुन के इस नए अवतार को लेकर उत्साह व्यक्त किया है। कई लोग मान रहे हैं कि यह किरदार उनकी एक्टिंग कैरियर के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। फिल्म जगत के जानकार इसे 2026-27 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक मान रहे हैं। अर्जुन रामपाल की विलेन भूमिका फिल्म को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं, 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार

अक्षय कुमार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि उन्हें रणवीर सिंह की 'धुरंधर' फिल्मों में कोई प्रोपेगेंडा नहीं नजर आया। 'भूत बंगला' की रिलीज़ की तैयारी कर रहे एक्टर ने बातचीत में यह भी कहा कि यदि उन्हें मौका मिले तो 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार हैं।

अक्षय कुमार तकरीबन 36 साल से इंडस्ट्री में जमे हुए हैं। करीब 4 दशक के इस फिल्मी करियर में शायद ही ऐसा कोई किरदार है, जो अक्षय कुमार से अछूता रहा। एक्शन स्टार से लेकर कॉमिक जॉनर हो, मुद्दे वाली फिल्में हों या फिर देशभक्ति का अलख जगाने वाली फिल्में, अक्षय लगातार अपने क्राफ्ट के साथ एक्सपेरिमेंट्स करते चले गए। इन दिनों वह चर्चा अपनी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वे करीब 15-16 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिर से नजर आने वाले हैं।

किरदारों की बात की जाए, तो आप काफी दुस्साहसी और सिक्योर अभिनेता माने जाते हैं, आप रिस्क और एक्सपेरिमेंट्स से नहीं डरते?

जहां तक सिक्योर अभिनेता होने की बात है, तो मैं असल जिंदगी में भी ट्रैक पैंट और टीशर्ट में रहा हूं। ये अलग बात है कि अब अच्छे-अच्छे कपड़े पहनने मिल जाते हैं। अच्छी-अच्छी जगहों पर घूमने मिल जाता है। जहां तक सिक्योर एक्टर होने की बात है, तो भगवान ने मुझे बहुत कुछ दे दिया और वो भी अपने आप से। काम की बात करूं, तो बहुत सारा काम मेरे पास। जहां तक सिक्योरिटी की बात है, तो मेरे भीतर वो भरी हुई है। आज भी अगर कुछ ऊपर-नीचे हो जाए, तो मैं हैंडल कर लूंगा, क्योंकि मैंने खुद को असुरक्षित कभी नहीं रखा। क्या जरूरत है, रोल के छोटे -बड़े होने पर लड़ने-झगड़ने की? मैंने तो कई ऐसी फिल्में की हैं, जिसमें मेरा बड़ा रोल नहीं है। जैसे 'खाकी' में मैं इंटरवल में मर जाता हूं। मैं खुद को अहमियत देने के बजाय फिल्म को महत्व देता हूं। अब जैसे 'धुरंधर' का ही उदाहरण ले लो, अगर उसमें कोई छोटा रोल भी होता तो मैं कर लेता। मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं।

आप तो हर जॉनर की फिल्म कर चुके हैं, चाहे वो कर्मशियल हो, आर्ट या फिर कॉमेडी, मगर इन दिनों जो प्रोपेगेंडा फिल्में बन रही हैं, उसके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

प्रोपेगेंडा फिल्में क्या होती हैं? मुझे नहीं पता। फिल्म अच्छी होती है या बुरी। ये टर्म मेरी समझ से परे है। मुझे 'धुरंधर' बहुत अच्छी लगी। मैंने वो फिल्म देखी। चाहे कोई कुछ भी कहे कि वो प्रोपेगेंडा फिल्म है। मगर मुझे वो फिल्म बहुत अच्छी लगी है।

आपका करियर ग्राफ देखा जाए तो आपने कई नए निर्देशकों के अलावा कई नई नायिकाओं को भी मौका दिया है। इस फिल्म में भी आपके साथ वामिका गब्बी जैसी नई हीरोइन हैं, इसका कोई खास कारण?

क्योंकि पुराने वाले करना नहीं चाहते, वो बहुत बड़े बन गए होते हैं। मैं मजाक कर रहा हूं। मैं नए लोगों के साथ इसलिए काम करता हूं कि एक तो उनमें कुछ नया करने की भूख रहती है। उन्हें भी एक बड़ा मौका मिल रहा होता है। मैं अपने करियर का ग्राफ देखता हूं, तो उसमें जितनी भी हिट फिल्में हैं, ज्यादातर नए लोगों से आई हैं। मैं तकरीबन 24-25 नई हीरोइनों के साथ काम कर चुका हूं। सभी बहुत कमाल की रहीं। मैं ये नहीं कह रहा कि वे हीरोइनें मेरी वजह से बन गईं, मैं मानता हूं कि उन नायिकाओं ने अपना लेडी लक मुझे लाकर दिया है।

इंडस्ट्री का भूत किसे मानते हैं?

भाई, हमारी इंडस्ट्री में कोई भूत-वूत नहीं है। हमारी इंडस्ट्री बढ़िया चल रही है। मुझे 36 साल हो गए, इंडस्ट्री ने काफी कुछ दिया है। ये बहुत ही खुशनुमा जगह है।

आपके साथी कलाकार राजपाल भी पिछले कुछ अरसे से मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, क्या कहना चाहेंगे?

मुझे लगता है कि अच्छा -बुरा दौर तो हर इंसान की जिंदगी में आता है, मगर मैं एक एक्टर के रूप में इतना जरूर कह सकता हूं कि जब सीन में इनका रिस्पॉन्स आता है, तो मैं खुद को अच्छा लगने लगता हूं। इसी एक्शन-रिएक्शन की वजह से होता है ये। ऐसा ही सिलसिला मेरा परेश रावल के साथ भी चलता है। असरानी साहब भी उन्हीं अदाकारों में से थे। ये सभी उस किस्म के अदाकार हैं कि आप एवरेज भी होंगे तो बड़े लगने लग जाते हैं, क्योंकि इनका रिस्पॉन्स इतना कमाल का होता है। ये ऐसे कुछ एक्टर्स हैं, जिनके हाथ में जादू की छड़ी होती है, जो उनके लिए तो काम करती ही है, मगर ये उस छड़ी को दूसरों पर भी फेर देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ब्रह्मोस डिजाइन करने वाले रूसी वैज्ञानिक लियोनोव का निधन

मास्को, एजेंसी। रूस के वरिष्ठ मिसाइल डिजाइनर अलेक्जेंडर लियोनोव का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह हाइपरसोनिक मिसाइल जिरकोन और भारत-रूस की ब्रह्मोस एनजी परियोजना से जुड़े थे। लियोनोव एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनीया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य डिजाइनर थे, जो ब्रह्मोस एयरोस्पेस का रूसी साझेदार है। उनकी मृत्यु का कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हुआ है। उन्हें जिरकोन मिसाइल के विकास का श्रेय दिया जाता है, जो ध्वनि की गति से लगभग 9 गुना तेज उड़ान भर सकती है।

ब्रिटेन में श्रद्धालु करेंगे शिक्षापत्री के दर्शन, ऑक्सफोर्ड ने शुरू की यात्रा

लंदन, एजेंसी। स्वामीनारायण संप्रदाय के पवित्र ग्रंथ शिक्षापत्री की रचना के 200 साल पूरे होने पर ब्रिटेन में एक ऐतिहासिक यात्रा शुरू की गई है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की बोडलियन लाइब्रेरी ने पवित्र ग्रंथ के सम्मान में यह पहल की है। इसके तहत, इस पांडुलिपि को संप्रदाय के संतों के सहयोग से देशभर के प्रमुख मंदिरों में ले जाया जाएगा ताकि श्रद्धालु इसका दर्शन कर सकें। गुजरात के वडताल में सहजानंद स्वामी भगवान स्वामीनारायण ने 1826 में शिक्षापत्री की रचना की थी।

तनाव के बावजूद ताइवान के छह हजार छात्रों ने की चीन में पढ़ाई

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, ताइवानी छात्रों का अपनी पढ़ाई के लिए बीजिंग जाना जारी है। ताइपे टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो वर्षों में ताइवान के 6,000 से अधिक छात्र चीन के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुके हैं। यह स्थिति तब है जब ताइवान के अधिकारी सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए लगातार ऐसी यात्राओं के प्रति चेतावनी जारी कर रहे हैं। छात्रों के इस रुझान ने अब सरकारी सलाह की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चीन ने फ्रांस के नागरिक को दी फांसी, पेरिस ने उठाए सवाल

बीजिंग, एजेंसी। ड्रग्स तस्करी के आरोप में 2010 में मौत की सजा पाए फ्रांसीसी नागरिक चान थाओ फौमी (62) को चीन में फांसी दे दी गई है। चीन ने रविवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उसने राष्ट्रीयता के आधार बचाव पक्ष के साथ कोई भेदभाव नहीं किया। एक दिन पहले, फ्रांस ने मामले के निपटारे की प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसे इस बात का विशेष खेद है कि बचाव पक्ष को अदालत की अंतिम सुनवाई में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी गई।

अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा फोरम में जुटेंगे दुनियाभर के 180 प्रतिनिधि

मॉस्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में 26 से 29 मई तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा फोरम में इस बार दुनियाभर के 180 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण मंच है, जहां विभिन्न देशों के नेता, सैन्य अधिकारी, नीति निर्माता और विशेषज्ञ वैश्विक शांति एवं सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर मंथन करते हैं। इस फोरम के मुख्य एजेंडे में सुरक्षा मामलों के जिम्मेदार उच्च प्रतिनिधियों की 14वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक के साथ-साथ कई अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल हैं।

ईंधन संकट से निपटने को नेपाल में दो दिन साप्ताहिक अवकाश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने ईरान युद्ध के कारण पैदा हुए ईंधन संकट को देखते हुए सरकारी कर्मचारियों के लिए दो दिन साप्ताहिक अवकाश का एलान किया है। नए फैसले के तहत अब सरकारी दफ्तरों में शनिवार व रविवार को साप्ताहिक अवकाश रहेगा। पहले सिर्फ शनिवार को अवकाश होता था। नेपाल सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि नई कार्य अवधि के तहत सरकारी दफ्तर अब सुबह नौ से शाम पांच बजे तक खुलेंगे लेकिन यह अवधि शैक्षणिक संस्थानों पर लागू नहीं होगी।

अमेरिका और ईरान के बीच 45 दिनों के सीजफायर पर चर्चा, ट्रंप की धमकी के बीच रिपोर्ट में बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण स्थिति के बीच एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दोनों देशों के बीच अस्थायी युद्धविरामकी संभावना को लेकर चर्चा चलने की जानकारी मिली है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थों का एक समूह 45 दिनों के युद्धविराम की शर्तों पर चर्चा कर रहा है, जिससे युद्ध का अस्थायी अंत हो सकता है। यह बातचीत अमेरिका, इजरायली और क्षेत्रीय स्रोतों के हवाले से सामने आई है, जो शांति वार्ता की जानकारी रखते हैं। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, अगले 48 घंटों में इस तरह के समझौते की संभावना कम है, लेकिन यह कहा जा रहा है कि यह प्रयास युद्ध में और नाटकीय वृद्धि को रोकने का एकमात्र मौका हो सकता है।

ईरान को ट्रंप की धमकी और पलटवार : इस बीच, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर ईरान मंगलवार रात 8 बजे (अमेरिकी पूर्वी समयानुसार) तक होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह से खोलने के लिए सहमत नहीं हुआ, तो वह ईरानी बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले करेगा। ईरान ने इस धमकी का कड़ा जवाब दिया है। ईरानी सेना ने चेतावनी दी है कि अगर उसके नागरिक ठिकानों पर हमला किया जाता है, तो ईरान की तरफ से 'बहुत अधिक विनाशकारी' जवाबी कार्रवाई की जाएगी। खतम अल-अंबिया सैन्य कमान के प्रवक्ता ने कहा, 'यदि नागरिक ठिकानों पर हमले दोहराए जाते हैं, तो हमारे आक्रामक और जवाबी कार्रवाई के अगले चरण बहुत अधिक विनाशकारी और व्यापक होंगे।

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने का असर : होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया के तेल परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, दुनिया की तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा आपूर्ति करता है। इस जलमार्ग का प्रभावी रूप से बंद होना वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, खासकर ऊर्जा कीमतों और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर। इस प्रकार की स्थिति ने न केवल क्षेत्रीय, बल्कि वैश्विक स्तर

पर भी चिंता बढ़ा दी है, और शांति वार्ता की संभावना का पता लगाया जा रहा है, ताकि युद्ध को और बढ़ने से रोका जा सके।

क्या ट्रंप ने ईरान के लिए समय सीमा बढ़ा दी है : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए समझौता करने या विनाशकारी हमलों का सामना करने के लिए दी गई अपनी स्वयं निर्धारित समय सीमा को 24 घंटे के लिए बढ़ा दिया। उन्होंने पोस्ट में कहा, 'मंगलवार, रात 8:00 बजे पूर्वी समय!

तेहरान प्रांत में अमेरिकी-इस्राइली हमले : ईरान की राजधानी तेहरान प्रांत में अमेरिकी और इस्राइली हमलों के दौरान चार लड़कियों और दो लड़कों समेत छह बच्चों की मौत हो गई। यह जानकारी ईरानी मीडिया एजेंसी फार्स न्यूज ने दी। रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला बहारेस्तान काउंटी के एक रिहायशी इलाके पर हुआ था, जहां पहले हुए हमले में 13 लोगों की मौत की खबर सामने आई थी। इस्राइली सेना ने घोषणा की कि तेहरान में सरकारी ढांचे पर हमलों की एक लहर पूरी कर ली गई है। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी तेहरान में चार और बहारेस्तान काउंटी में 13 लोगों की मौत हुई है।

हाइफा पर ईरानी मिसाइलों से हमला : इस्राइल के उत्तरी शहर हाइफा में ईरानी मिसाइलों का हमला हुआ। चैनल 12 के मुताबिक, शहर के 10 से अधिक स्थानों को निशाना बनाया गया। हालांकि, इस हमले में कोई हताहत नहीं हुए। वीडियो और तस्वीरों में इमारतों और सड़कों को मामूली नुकसान पहुंचा और एक कार में आग लगने की जानकारी सामने आई।

दक्षिण कोरिया भेजेगा विशेष दूत : दक्षिण कोरिया पश्चिम एशिया से कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सऊदी अरब, ओमान और अल्जीरिया में विशेष दूत भेजने की योजना बना रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद आन डो-गेल ने बताया कि तेल आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत पांच कोरियाई ध्वज वाले जहाज सऊदी अरब भेजे जाएंगे। दक्षिण कोरिया अपनी लगभग सभी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर है और यहां से करीब 70 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है।

यूएई की वायु रक्षा मिसाइल और ड्रोन हमलों का कर रही सामना : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा है कि देश की वायु रक्षा प्रणाली हाल ही में आए मिसाइल और ड्रोन खतरे का मुकाबला कर रही है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि आकाश में सुनाई दे रहे आवाज़ें रक्षा प्रणाली द्वारा किए जा रहे इंटरसेप्शन (हमलों को रोकने) के कारण हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि देश अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क है और सभी खतरों का जवाब दे रहा है।

अमेरिका में पुलिस पीछा करने की घटनाओं में आठ मौतें

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका में पिछले एक हफ्ते के अंदर पुलिस द्वारा किए गए हाई-स्पीड पीछा (कार चेज़) के दौरान कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई है। ये घटनाएं टेक्सास, अलबामा और कैलिफोर्निया में हुईं। अलबामा में एक कार पुलिस से बचने की कोशिश में सड़क से उतरकर पेड़ से टकरा गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। बताया गया कि कार में बैठे लोग सीट बेल्ट नहीं लगाए हुए थे, जिससे वे बाहर जा गिरे।

टेक्सास में एक कार बिना हेडलाइट के तेज रफ्तार में भाग रही थी। पुलिस पीछा कर रही थी, तभी कार कई वाहनों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई और चालक की मौत हो गई। कैलिफोर्निया में भी दो अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की जान गई। एक मामले में आरोपी की कार ने एक दंपति को टक्कर मार दी, जो जल्द ही माता-पिता बनने वाले थे। विशेषज्ञों ने ऐसी खतरनाक पीछा करने की घटनाओं को सीमित करने की मांग की है।

ईरान में अमेरिका ने बम से उड़ा दिए अपने ही विमान, पायलट को बचाने में करोड़ों डॉलर का नुकसान

तेहरान, एजेंसी। ईरान में फंसे पायलट को निकालने के लिए अमेरिका को करोड़ों डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने इस अभियान के दौरान अपने ही विमान को उड़ा दिया। पहाड़ों में छिपे अपने कर्नल पायलट को निकालने के लिए अमेरिका ने बेहद जटिल अभियान चलाया था। उधर ईरान ने पायलट को पकड़ने पर इनाम की घोषणा कर दी थी। ऐसे में ईरान की सेना और आम लोग उसके पीछे पड़े हुए थे। अभियान के दौरान दो ब्लॉक हॉक हेलिकॉप्टरों पर ईरान ने हमला कर दिया। वहीं दो ट्रांसपोर्ट विमानों में तकनीकी खामी आ गई। इसके बाद ये विमान उड़ान भरने में सक्षम नहीं थे। इसलिए उन्हें अमेरिकी सेना ने खुद ही नष्ट कर दिया।

क्यों नष्ट करना पड़ गया अपना ही विमान : मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रेतीली जमीन में लैंडिंग या फिर किसी तकनीकी खामी की वह से अमेरिका के लॉकहीड मार्टिन सी-130 विमान उड़ान नहीं भर पा रहे थे। अमेरिका को डर था कि अगर इन विमानों को इसी हालत में छोड़ दिया गया तो विमान के साथ ही ईरान के हाथ कई दुर्लभ और सीक्रेट उपकरण भी लग जाएंगे। इसी को देखते हुए अमेरिकी सेना ने दोनों विमानों को को उड़ा दिया। ईरान ने विमान के बिखरे हुए पार्ट्स का वीडियो साझा करते हुए इसे नष्ट करने का दावा कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन विमानों की कीमत 10 करोड़ डॉलर के आसपास थी।

ओसामा बिन लादेन पर हमले के दौरान भी ऐसा ही हुआ था : इस मलबे में बोइंग एमएच-6 लिटल बर्ड इंजन पाया गया। आम तौर पर इसका इस्तेमाल एमसी-130 जे में किया जाता है।

पाकिस्तान के एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान भी ऐसे ही हालात बने थे। इसके बाद अमेरिकी सेना ने अपने ही विमान को उड़ा दिया था। इन विमानों में अमेरिका की खास तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा एडवांस नेविगेशन सिस्टम भी लगा हुआ था। डोनाल्ड ट्रंप ने बताया फिल्म जैसा अभियान सोशल मीडिया पर किए गए दो पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि इस अभियान के दौरान अमेरिका को पूरी तरह चुप रहना पड़ा, ताकि मिशन खतरे में न पड़े। इस दौरान राष्ट्रपति और उनके प्रशासन के शीर्ष अधिकारी लगातार पायलट की लोकेशन पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं था। वाइट हाउस और पेंटागन ने प्रारंभिक दुर्घटना के बाद 24 घंटे से अधिक समय तक लड़ाकू विमान के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी, खासकर पहले पायलट के बचाव अभियान को लेकर। बाद में ट्रंप ने बताया कि ईरान में दिन के उजाले में सात घंटे तक यह अभियान चलाया गया।

भारत की कूटनीति बहुत अच्छी, युद्ध के बीच ईरान ने फिर की तारीफ

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने भारत की कूटनीति की तारीफ की है। सुप्रीम लीडर के भारत में प्रतिनिधि अब्दुल माजिद हकीम इलाही का कहना है कि भारत बड़ी भूमिका निभा सकता है। खास बात है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान को अल्टीमेटम दे दिया है। वहीं, इसके बाद ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध और तेज होने के आसार हैं। हालांकि, ट्रंप का दावा है कि सोमवार को डील हो सकती है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, इलाही ने कहा है, 'भारतीय कूटनीति बहुत अच्छी है और वे इस मुद्दे में अधिक बड़ी भूमिका भी निभा सकते हैं।' उनका बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका और ईरान को युद्ध के बीच 1 महीने से ज्यादा समय हो गया है। विदेश नीति की भी हुई थी तारीफ कुछ दिनों पहले ही भारत में ईरान के राजदूत

मोहम्मद फताली ने कहा, 'भारत निश्चित रूप से तनाव कम करने में एक प्रभावी और सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। ग्लोबल साउथ के एक प्रमुख देश के रूप में और अपनी संतुलित विदेश नीति के कारण, भारत तनाव कम करने और बातचीत को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए एक विशेष स्थान रखता है।' उन्होंने कहा, 'भारत के सभी पक्षों के साथ ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंध हैं, जो इसे गलतफहमियों को कम करने और राजनयिक रास्तों को मजबूत करने में एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाते हैं।' जयशंकर को मिलाया ईरानी विदेश मंत्री ने फोन भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से बात की थी। उन्होंने जानकारी दी, 'ईरान के विदेश मंत्री अराघची का फोन आया। मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई।' जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी से भी रविवार को बात की थी। खबर है कि दोनों के बीच बातचीत में पश्चिम एशिया की स्थिति और एनर्जी सप्लाई का मुद्द उठा था। विदेश मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से भी फोन पर बातचीत की। ट्रंप की धमकी ट्रंप ने रविवार को ईरान को सात अप्रैल तक का समय देकर कहा है कि अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को नहीं खोला तो वह अब ईरान के बिजली घरों और पुलों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। उन्होंने सात अप्रैल 'मंगलवार' को 'पावर प्लांट डे' और 'ब्रिज डे' घोषित कर दिया है। उन्होंने पोस्ट किया है, ईरान में मंगलवार 'पावर प्लांट डे' और 'ब्रिज डे' होगा, सब कुछ एक साथ। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ होगा। समुद्री रास्ता स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है।

नदी में पहुंची ग्रे व्हेल की मौत, भूख बनी वजह

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन में एक ग्रे व्हेल, जो 20 मील अंदर नदी तक पहुंच गई थी, मृत पाई गई। यह व्हेल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई थी, लेकिन अब वैज्ञानिकों का मानना है कि उसकी मौत का कारण भूख हो सकता है। यह व्हेल विलापा नदी में मिली, जो समुद्र से जुड़ी है। विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के वर्षों में ग्रे व्हेल की संख्या घट रही है क्योंकि उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा। वैज्ञानिकों का कहना है कि आर्कटिक क्षेत्र में भोजन की कमी के कारण व्हेल नए इलाकों में खाने की तलाश में भटक रही हैं। इसी कारण यह व्हेल भी नदी में आ गई थी। 2025 के आंकड़ों के अनुसार, अब ग्रे व्हेल की संख्या करीब 13,000 रह गई है, जो 1970 के बाद सबसे कम है। कई व्हेल बेहद कमजोर और दुबली पाई जा रही हैं। विशेषज्ञ अब इस मृत व्हेल की जांच करेंगे, ताकि सही कारण का पता लगाया जा सके।

फलस्तीनी प्राधिकरण पर 656 मिलियन डॉलर का जुर्माना बहाल

रामल्लाह, एजेंसी। अमेरिका की एक अपील अदालत ने फलस्तीन मुक्ति संगठन और फिलिस्तीनी प्राधिकरण पर लगाया गया 656 मिलियन डॉलर (करीब 5,400 करोड़ रुपये) का जुर्माना फिर से बहाल कर दिया है। यह मामला उन अमेरिकी नागरिकों से जुड़ा है, जो इस्राइल में हुए आतंकी हमलों में मारे गए या घायल हुए थे। पहले यह फैसला रद्द कर दिया गया था, लेकिन अब अदालत ने दोबारा इसे लागू कर दिया है।

युद्ध से दुबई में पर्यटन पर संकट: 80% तक गिरी कमाई, होटल-रेस्तरां भी सूने

दुबई, एजेंसी। दुनिया के सबसे व्यस्त पर्यटन केंद्रों में शामिल दुबई पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते गहरे संकट से गुजर रहा है। पिछले साल यानी 2025 में 19.59 मिलियन अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का स्वागत करने वाला यह शहर अब खाली होटलों, सूने रेस्तरां और ठप पड़े एयर ट्रैफिक की मार झेल रहा है। पर्यटन उद्योग से जुड़े कारोबारियों के अनुसार, आय में 50% से 80% तक की गिरावट आई है, जबकि होटल ऑक्यूपेंसी कई जगह 15-20% तक सिमट गई है। बीबीसी, बुकिंग प्लेटफार्म वेगो, डाटा एनालिटिक्स कंपनी एयरडीएनए और ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स के अनुसार दुबई के रेस्तरां, जो आमतौर पर पर्यटकों और स्थानीय लोगों की भीड़ से गुलजार रहते थे, अब खाली नजर आ रहे हैं। टाशस हॉस्पिटैलिटी ग्रुप की संस्थापक नताशा साइडेरिस कहती हैं कि देशभर में 14 आउटलेट्स और 1,000 से अधिक कर्मचारियों वाले उनके ग्रुप में राजस्व 50% से अधिक गिर चुका है, जबकि पर्यटकों पर निर्भर आउटलेट्स में यह गिरावट 70% से 80% तक पहुंच गई है। हालात इतने खराब हैं कि कई प्रतिष्ठानों को अपने आधे से ज्यादा कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी पर भेजना पड़ा है।

2.26 लाख से अधिक बुकिंग रद्द : डेटा फर्म एयरडीएनए के अनुसार, युद्ध शुरू होने के पहले महीने (28 फरवरी से 29 मार्च) के दौरान यूएई में 2,26,500 से अधिक शॉर्ट-टर्म बुकिंग रद्द हुई हैं।पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी होटल और शॉर्ट-टर्म अपार्टमेंट सप्लाई अब भारी दबाव में है, क्योंकि मांग अचानक गिर गई है।

प्रवासी कामगारों पर सबसे ज्यादा मार : दुबई के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम करने वाले प्रवासी कामगार इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई कर्मचारियों की नौकरी चली गई है या उन्हें बिना वेतन छुट्टी पर भेज दिया गया है। एक दक्षिण एशियाई वेटर के मुताबिक, यह कोविड-19 जैसा लग रहा है।हमें डर है कि फिर से नौकरी खोकर घर लौटना पड़ सकता है।मानवाधिकार समूहों के अनुसार यूएई में कई प्रवासी पहले से ही कर्ज के बोझ में दबे हैं, जिससे यह संकट उनके लिए और गंभीर हो गया है। क्षेत्रीय स्तर पर अरबों डॉलर का

नुकसान संभव ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की इकाई टूरिज्म इकोनॉमिक्स के अनुसार अगर युद्ध लंबा खिंचता है तो मध्य पूर्व में 23 से 38 मिलियन कम पर्यटक आ सकते हैं। इससे 34 अरब डॉलर से 56 अरब डॉलर तक के पर्यटन राजस्व का नुकसान हो सकता है। मामून हमीदेन के अनुसार अगर युद्ध जल्दी खत्म होता है तो रिकवरी संभव है, लेकिन लंबा खिंचने पर पूरे समर सीजन पर सवाल खड़े हो सकते हैं। हवाई यातायात को झटका किराया बढ़ने के भी संकेत युद्ध के कारण वैश्विक विमानन उद्योग की रीढ़ माने जाने वाला गल्फ हब मॉडल को गहरे संकट में डाल दिया है। दुबई, अबू धाबी और दोहा जैसे विश्व के सबसे व्यस्त ट्रांजिट केंद्रों पर उड़ानों में भारी बाधा, ईंधन संकट और यात्रियों की सुरक्षा चिंताओं ने न केवल तत्काल संचालन को प्रभावित किया है, बल्कि लंबे समय में हवाई यात्रा के स्वरूप को भी बदलने की आशंका पैदा कर दी है। बीबीसी और इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के अनुसार दुबई, अबू धाबी और दोहा से सीमित लेकिन नियमित उड़ानें संचालित हो रही हैं।

हालांकि शेड्यूल अभी भी बार-बार बदल रहे हैं और कई रूट्स पर प्रतिबंध जारी हैं। ईंधन आपूर्ति भी पूरी तरह स्थिर नहीं हो पाई है। जेट फ्यूल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर गल्फ कैरियर्स की क्षमता घटती है, तो हवाई किराए बढ़ना तय है। संघर्ष के बाद से सिरियम के विश्लेषकों के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद से मिडिल ईस्ट के लिए 30,000 से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं।

टेक्सास में पेट्रोल टैंकर में भीषण आग

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के फोर्ट वर्थ में एक पेट्रोल से भरा टैंकर ट्रक बिजली की तारों से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गया। हादसा रविवार तड़के हुआ, जब ट्रक एक अन्य वाहन से टकराकर सड़क से फिसल गया। टैंकर में करीब 9,000 गैलन पेट्रोल भरा था, जो रिसने लगा। इसी दौरान गिरी हुई बिजली की तारों से चिंगारी निकली और आग लग गई।

ट्रक चालक आग फैलने से रोकने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह बुरी तरह झुलस गया और उसकी हालत गंभीर है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई अन्य व्यक्ति घायल नहीं हुआ। दमकल की टीम ने कई घंटों तक पानी और रेत का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380 009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700,